

किन्द्रीय निस्त विद्या संस्थान



2016-2017

चोगलमसर, लेह-194101, लदाख (ज. व क.)





विषयानुक्रमणी

| | | पृ.स. |
|-----|--|-------|
| 1. | संक्षिप्त इतिहास | 5 |
| 2. | उद्देश्य | 6 |
| 3. | प्रबन्धन | 7 |
| 4. | उप-समितियों का गठन | 7 |
| 5. | धन | 8 |
| 6. | कर्मचारी संख्या | 8 |
| 7. | संकाय तथा विभाग | 8 |
| 8. | नवीन प्रवेश | 11 |
| 9. | संगोष्ठी / कार्यशाला | 11 |
| 10. | शैक्षिक यात्रा | 12 |
| 11. | प्रकाशन | 12 |
| 12. | शोध कार्य | 13 |
| 13. | परिसर | 13 |
| 14. | पुस्तकालय | 13 |
| 15. | संग्रहालय | 14 |
| 16. | विशेष व्याख्यान/अन्य शैक्षिक क्रियाकलापः | 14 |
| | (क) स्व. ग्यल-स्नस बकुला रिनपोछे व्याख्यानमाला | |
| | (ख) निरंतर चिकित्सा शिक्षा पर कार्यशाला | |
| | (ग) भोटी दिवस | |
| | (घ) दवाईयों की सुविधा | |
| | (ङ) वार्षिक क्रीडा-प्रतियोगिता | |
| | (च) वार्षिक/मासिक पत्रिका | |
| 17. | पाठ्यक्रम | 15 |
| 18. | छात्रवृत्ति | 16 |
| 19. | विद्यार्थियों को पाठय पुस्तक एवं कापियों का निःशुल्क वितरण | 16 |
| 20. | परीक्षा परिणाम | 17 |
| | गोनपा /श्रामणेरी विद्यालय | 17 |
| 22. | वार्षिकोत्सव | 17 |
| 23. | अन्य महत्वपूर्ण घटनायें | 18 |
| | (क) भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती | |
| | (ख) सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन की जयन्ती, अध्यापक दिवस | |
| | (ग) हिन्दी दिवस | |
| | | |



| (ঙ্ক) | बुम (भगवान बुद्ध के प्रवचनों) का पाठ लद्दाख के बौद्ध मठों द्वारा मंत्र पाठ, एक अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर | |
|-----------------|---|----|
| \ / | स्वच्छ भारत अभियान जलीन शिविर | 20 |
| | वार्शनिक शास्त्र-अनुवाद परियोजना | 20 |
| | परिमाणक सार्व अनुवाद पारवाजमा गयी बौद्ध-संस्कृति-विश्वकोश परियोजना के संकलन का आरम्भ | 20 |
| | लिपि संरक्षण केन्द्र | 20 |
| <u> </u> | ा ∕उपाधि-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों की नियुक्ति | 21 |
| | । फोडंग विद्यालय | 21 |
| 9 | संक्षिप्त इतिहास | 21 |
| | परीक्षा परिणाम | |
| ` ' | अन्य क्रिया-कलाप | |
| \ / | कर्मचारी संख्या | |
| \/ | दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग (हि.प्र.) | 23 |
| | संक्षिप्त इतिहास | |
| ì . | परीक्षा परिणाम | |
| \ / | कर्मचारी संख्या | |
| <u>परिशिष्ट</u> | | |
| | प्रबन्धक समिति की संरचना | 25 |
| ii) | शिक्षा समिति की संरचना | 27 |
| iii) | वित्त समिति की संरचना | 29 |
| iv) | प्रकाशन समिति की संरचना | 30 |
| v) | ग्रन्थालय समिति की संरचना | 31 |
| vi) | शोध समिति की संरचना | 32 |
| vii) | केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की कर्मचारी संख्या | 33 |
| viii) | केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह का परीक्षा परिणाम | 35 |
| ix) | गोनपा /श्रामणेरी विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालयवार एवं | 36 |
| | कक्षावार नामांकन का विवरण | |
| x) | परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस., जंस्कार) | 39 |
| xi) | डी.पी.एस.,जंस्कार की कर्मचारी संख्या | 40 |
| xii) | परीक्षा का परिणाम (बी.डी.एस.वी., केलांग) | 41 |
| xiii) | कर्मचारी संख्या (बी.डी.एस.वी., केलांग) | 42 |
| | * * * | |



1. संक्षिप्त इतिहासः

सन् 1959 से पूर्व लदाख के विद्वान्, श्रमणेर एवं भिक्षु उच्च बौद्ध शिक्षा के लिए तिब्बत जाते थे। वे तिब्बत जाकर वहाँ के विभिन्न प्रसिद्ध महाविहारों, यथा-ड्रिगुंग, गदन, सेरा, टशी ल्हुनपो, ड्रेपुंग, सक्या, सड्-डग छोसलिङ, देरगे आदि में अनेक वर्षों तक बौद्ध विद्याओं का अध्ययन करते थे। परन्तु सन् 1959 की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के परिणामस्वरूप अचानक इस परम्परा में व्यवधान पैदा हुआ। तत्पश्चात् यह आवश्यकता अनुभव की गई कि बौद्ध दर्शन के विधिवत् अध्ययन के लिए भारत में ही एक बौद्ध विद्या केन्द्र की स्थापना की जाय। बौद्ध संस्कृति एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए लेह को चिन्हित किया गया, जो प्राकृतिक, भौगोलिक एवं पारम्परिक दृष्टि से सर्वथा अनुकूल था।

तदनुसार चौदहवें दलाई लामा जी के वरिष्ठ गुरू योंगजिन लिंग रिन्पोछे द्वारा वर्तमान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की पूजन-विधि द्वारा स्थापना की गई। यह संस्थान प्रारंभ में 'बौद्ध दर्शन महाविद्यालय' के नाम से जाना जाता था। सन् 1962 में स्व. कुशोक बकुला जी के आग्रह पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने लदाख के लोगों के बीच इस प्रकार के संस्थान की आवश्यकता का अनुभव किया। तदनुसार उन्होंने इस संस्थान को प्रबंधन एवं वित्तीय सहायता के लिए भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय को सौंपना स्वीकार किया।

प्रारम्भ में इस संस्थान में मात्र 10 भिक्षु छात्र अध्ययन करते थे, जो लदाख के विभिन्न गोनपाओं से संबद्ध थे। छात्रों को भोट साहित्य तथा बौद्ध दर्शन पढ़ाने के लिए दो अध्यापकों को नियुक्त किया गया था। लगभग तीन वर्षो तक सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का खर्च उपर्युक्त दस गोनपाओं ने वहन किया। सन् 1959 से 1961 तक यह विद्यालय लेह में स्थित रहा। उसके पश्चात् इसको लेह से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्पितुक गाँव में स्थानान्तरित किया गया। सन् 1973 में संस्थान को लेह से 8 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व दिशा में चोगलमसर में पुनः स्थानान्तरित किया गया। सन् 1964 में संस्थान को एक शैक्षिक संस्थान के रूप में जम्मू व कश्मीर पंजीयन कानून 1941 के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया। प्रारम्भ में यहाँ बौद्ध दर्शन के अतिरिक्त संस्कृत, हिन्दी, भोटी एवं अंग्रेजी विषयों का अध्यापन होता था। सन् 1973 में संस्थान को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र. से सम्बद्ध कराया गया और सीमांत क्षेत्र के छात्रों के लिए उपयुक्त पाट्यक्रम शुरू किए गए। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिश पर यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुभाग 3 के अधीन अधिसूचना संख्या एफ 9-5/2001-यू3 (ए), दिनांक 15-01-2016 के अनुसार केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा प्रदान किया गया।

बौद्ध विद्या के प्रकाण्ड तिब्बती विद्वान् भदन्त येशे थुबतन ने 1967 तक संस्थान के प्रथम प्राचार्य के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात् प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान लोछोस रिन्पोछे जी की संस्थान के द्वितीय प्राचार्य के रूप में नियुक्ति हुई। डॉ. टशी पलजोर ने सन् 1979 से 2005 तक संस्थान के प्राचार्य के रूप में कार्य किया। सन् 2005 से 2010 तक पाँच वर्ष प्राचार्य के रूप में कार्य करने के बाद डॉ. नवांग छेरिंग संस्थान के प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्ति हुए और 15 जून, 2010 को डॉ. वांगछुग दोर्जे नेगी ने प्राचार्य पद का प्रभार ग्रहण किया। तदनन्तर, दिनांक 19-12-2011 को सम्पन्न हुई प्रबंधकारिणी की बैठक में प्राचार्य के पद को निदेशक के रूप में पुनर्नामकरण करने का निर्णय लिया गया। दिनांक 12-12-2014 को डॉ. वांगछुग दोर्जे नेगी ने निदेशक पद छोड़ा और निदेशक पद का प्रभार प्रो. गेशे कोनछोग वंगदु को सौंपा गया।



2. उद्देश्यः

संस्थान का मूल उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा अर्थात् व्यक्तित्व को बौद्ध विचार, साहित्य, कला एवं विविध आधुनिक विषयों के ज्ञान द्वारा विकसित और सुसज्जित करना है। सम्पूर्ण हिमालयी क्षेत्रों की बौद्ध संस्कृति एवं कला की शिक्षा हेतु यह इस देश का एक अद्वितीय संस्थान है। संस्थान बौद्ध दर्शन और सांस्कृतिक अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम चलाती है और फीडर स्कूलों को स्थापित और उनकी देखरेख भी करता है। उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्थान ने निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए हैं-

- शाम की शाखाओं में उत्कृष्टता एवं नवीनता की ओर ले जाने के लिए उच्च शिक्षा प्रदान करना जिन्हें मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और शोध डिग्री के स्तर पर उपयुक्त समझा जा सके, जो विश्वविद्यालय की अवधारणा के अनुरूप हों अर्थात विश्वविद्यालय शिक्षा प्रतिवेदन (1948), भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण, कायाकल्प पर समिति का प्रतिवेदन (2009) और मानित विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति का प्रतिवेदन (2009)।
- 2. विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्य हेतु विशिष्ट सहयोग के लिए विशेष क्षेत्रों में परीक्षित योग्यता के साथ काम में लगाना अर्थात् शैक्षणिक काम एक सामान्य स्वभाववाले कार्यक्रमों यथा- कलाविषय, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा की पढ़ाई, फार्मेसी तथा प्रबन्ध आदि में पारंपरिक संस्थाओं द्वारा नियमित रूप से पारंपरिक डिग्री (उपाधि) प्रदान करता है, उनसे स्पष्ट रूप से अन्तर करने योग्य हो।
- 3. ज्ञान की उन्नित तथा एक पर्याप्त पूर्णकालिक संकाय/शोधकर्ता (पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टरल) द्वारा विविध विषयों में विभिन्न शोधकार्यों के माध्यम से इस का प्रचार करने हेतु उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण तथा शोध सुविधाएं प्रदान करना।
- 4. पूर्व में बौद्ध दर्शन महाविद्यालय के नाम से जाना जाने वाला शैक्षिक संस्थान-केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह के विकास और प्रबंधन की देखभाल और सुसंचालन करना।
- 5. विभिन्न कार्यकर्मों के अध्ययन तथा बौद्ध दर्शन की विविध शाखाओं एवं सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में शोधकार्य करके उपाधि और प्रमाणपत्र प्रदान करने हेतु अनुदेश देना।
- 6. शोध, प्रकाशन, जीर्णोद्धार और शिक्षा की उन्नित के लिए सुविधा प्रदान करना तथा बौद्ध दर्शन की ऐसी शाखाओं के ज्ञान का प्रसार करना जिन्हें संस्थान उचित समझें।
- 7. विश्व के किसी भी भाग में स्थित शैक्षिक और अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करना जिन के उद्देश्य इस संस्थान के उद्देश्य के समान हों। सहयोग इस प्रकार करना जिससे कि उन के समान उद्देश्यों की प्राप्ति और लाभकारी हों।
- 8. देश विदेश से बौद्ध दर्शन एवं संस्कृति के विद्वानों को बौद्ध दर्शन तथा संस्कृति पर भाषण, संगोष्ठी और विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित करना।
- 9. ऐसे सभी कार्यों को करना जो कि संस्थान के आंशिक या सम्पूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त कराने में आवश्यक, आकिस्मक एवं लाभकारी हों।





3. प्रबंधन :

संस्थान का प्रबंधन संयुक्त सचिव, संस्कृति विभाग, भारत सरकार की अध्यक्षता में गठित एक प्रबंधकारिणी सिमिति के द्वारा सम्पन्न होता है। इस प्रबंधकारिणी सिमिति के सदस्यों की संरचना विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संघों, विश्वविद्यालयों तथा बौद्ध विद्वानों के प्रतिनिधियों से होती है। प्रबंधकारिणी सिमिति के पुनर्गठन की पहली बैठक से लेकर सदस्यों के कार्यकाल की अविध तीन साल है। संस्थान के निदेशक इस प्रबंधकारिणी सिमिति के सदस्य-सिचव हैं। वर्तमान में इस प्रबंधकारिणी सिमिति की संरचना पृष्ठ संख्या 25 पर परिशिष्ट के रूप में है। इस प्रबंधकारिणी सिमिति की बैठक हर छः महीनों के बाद आयोजित की जाती है। प्रबंधकारिणी सिमिति के पास अधिकार का प्रयोग करने या सभी कर्तव्यों का पालन करने, कार्य करने तथा संस्था के ज्ञापन-पत्र में बताये गये उद्देश्यों को प्रभाव में लाने के लिए /लागू करने के लिए जो भी आवश्यक या परिणामी और आकिस्मिक कार्य हों उन सब को करने का अधिकार है। पुनरिप भारत सरकार समय-समय पर महत्वपूर्ण नीति के मामलों में निर्देश दे सकती है, जिस का अनुसरण प्रबंधकारिणी को करना होगा।

4. उप-समितियों की संरचना :

प्रबंधकारिणी समिति के निर्देशों के समुचित पालन हेतु तथा शैक्षिक, वित्त, अनुसंधान और प्रकाशन आदि के मामलों में सहयोग करने के लिए अनेक उप-समितियों की संरचना की गई है। इन उप-समितियों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

- 1) शिक्षा सिमिति : प्रबंधकारिणी द्वारा प्रख्यात पण्डितों एवं विद्वानों की एक शिक्षा सिमिति की गठन किया गया है। तत्सम्बन्धी क्षेत्रों में प्रबंधकारिणी सिमिति को उसकी आवश्यकतानुसार सलाह देने के लिए वर्ष में एक या दो बार इस सिमिति की बैठक होती है। इस सिमित की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 27 पर है।
- 2) वित्त सिमिति : संस्था के स्मरण-पत्र और संस्थान के नियम एवं विनियमन के अनुसार उप-सिचव (वित्त)/निदेशक (वित्त), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में एक वित्त सिमिति का गठन किया गया है। संस्थान के निदेशक तथा प्रबंधकारिणी सिमिति को संस्थान के धन-सम्पत्ति एवं वित्त से संबंधित विषयों पर सलाह देने के लिए वर्ष में एक या दो बार इस सिमिति की बैठक होती है। इस सिमिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 29 पर है।
- 3) प्रकाशात सिमिति : संस्थान हिमालय क्षेत्र की कला, संस्कृति एवं भाषा से सम्बद्ध दुर्लभ ग्रन्थों तथा पाण्डुलिपियों का प्रकाशन भी करता रहा है। इन दुर्लभ ग्रन्थों/पाण्डुलिपियों को प्रेस में भेजने से पूर्व इनके प्रकाशन की समीक्षा एवं उपादेयता प्रमाणित करने के लिए प्रकाशन समिति के समक्ष रखा जाता है। यह समिति प्रकाशन के क्षेत्र में प्रख्यात विद्वानों एवं विशेषज्ञों को जोड़कर बनी है। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ट सं. 30 पर है।
- 4) व्यवधालय व्यमिति : ग्रन्थालय समिति ग्रन्थालय के क्षेत्र में जानकारी प्राप्त विशेषज्ञों से बनी है और यह समिति





समय-समय पर ग्रन्थालय की प्रगति एवं उत्कृष्टता के लिए सिफारिश करती है, जिसमें अतिरिक्त कर्मचारी, यंत्रों (मशीन) एवं उपकरणों, डिजिटलीकरण और सूचीपत्र आदि की आवश्यकताएँ सम्मिलित हैं। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 31 पर है।

5) शोध स्मिति : संस्थान की शोध-सिमिति शोधवृत्ति हेतु शोध-छात्रों का चयन करने के लिए साक्षात्कार का कार्य-संचालन करती है और शोध-छात्रों के क्रियाकलापों तथा प्रगति की समीक्षा करती है। इस सिमिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ट सं. 32 पर है।

5. धन:

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संस्कृति विभाग इस संस्थान को सम्पूर्ण आर्थिक अनुदान प्रदान करता है। वर्ष 2016-17 के लिए संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रबंधकारिणी समिति, के.बी.वि.वि., लेह द्वारा अनुमोदित संस्थान की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए योजनागत तथा योजनेतर मदों में क्रमशः ₹802.34 लाख एवं ₹931.07 लाख स्वीकृत किये हैं। इस के अतिरिक्त वर्ष 2016-17 के लिए जनजातीय उप-योजना के अधीन ₹47.81 लाख आवंटित किया है।

6. कर्मचारी संख्या :

संस्थान का प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य कर्मचारियों के सहयोग से संस्थान के निदेशक एक प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी के रूप में संस्थान का पर्यवेक्षण करता है। केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के कर्मचारियों की कोटि-वार संख्या, शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर श्रेणी का पृथक् विवरण पृष्ट संख्या 33 पर परिशिष्ट के रूप में है।

7. संकाय तथा विभाग :

इस संस्थान को विश्वविद्यालय की पद्धित पर सुचारू तथा प्रभावी रूप से चलाने के लिए बौद्ध विहारों की परम्परा, पांच महाविद्याओं के आधार पर संस्थान में संकायों एवं विभागों की स्थापना की गई है, जो निम्न है:

- 1. अध्यात्म तथा न्याय विद्या संकाय (Faculty of Philosophy and Logic)
- 2. शब्द विद्या संकाय (Faculty of Literature and Language)
- 3. सोवा रिगपा (भोट चिकित्सा) एवं शिल्प विद्या संकाय (Faculty of Bhot Medical Science and Arts)
- 4. आधुनिक विद्या संकाय (Faculty of Modern Studies)
- 1. अध्यातम तथा न्याय विद्या संकाय (Faculty of Philosophy and Logic)

यह संकाय मूलशास्त्र एवं विभिन्न सम्प्रदायों की शाखाओं सहित तीन विभागों से बना है। बौद्ध विहारों की प्रणाली





के अनुसार अध्यात्म तथा न्यायविद्या दो स्वतन्त्र विद्याएँ हैं, जिनके अनेक विभाग हैं, परन्तु संस्थान के पाठयक्रम की अनुकूलता के लिए इनको साथ रखा गया है। उपर्युक्त संकाय के अंतर्गत निम्न विभाग हैं-

- i) भोट बौद्ध दर्शन विभाग
- ii) बौद्ध दर्शन विभाग (संस्कृत माध्ययम)
- iii) सम्प्रदाय शास्त्र विभाग

2. शब्द विद्या संकार (Faculty of Literature and Language)

यह संकाय भाषाओं से बना है। इस संकाय के अंतर्गत निम्न विभाग हैं-

- i) भोटी/तिब्बती विभाग
- ii) शास्त्रीय विभाग (संस्कृत और पाली)
- iii) आधुनिक भाषाओं विभाग (अंग्रेजी और हिन्दी)

3. स्रोवा िनगपा (भोट चिकित्सा) एवं शिल्प विद्या संकाय (Faculty of Bhot Medical Sciece and Arts)

संस्थान हिमालय की परम्परागत कला तथा संस्कृति को संरक्षण देने और उन्नत करने में अत्यधिक रुचि ले रहा है। तदनुसार इस क्षेत्र की कला तथा संस्कृति को संरक्षित एवं उन्नत करने हेतु निम्न विभागों की स्थापना की गई है:

i) सोवा विगया तथा ज्योतिष विभाग :

रोगियों को जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधियाँ उपलब्ध कराना इस क्षेत्र की सैकड़ों वर्षों से चली आ रही प्राचीन परम्परा है। इस प्रदेश में जब ऐलोपेथिक दवाइयाँ उपलब्ध नहीं थीं, उस समय अमची विद्या पद्धित (भोट चिकित्सा पद्धित) ही अधिक प्रसिद्ध थी। वर्तमान समय में भी इस प्रदेश के लोग अमची विद्या पद्धित (भोट चिकित्सा पद्धित) को सर्वाधिक उपयोगी मानते हैं, क्योंकि इससे दुष्प्रभाव नहीं होता है। इन्हीं कारणों के चलते लोग इसे पसन्द करते हैं। उक्त बातों को ध्यान में रखकर संस्थान इच्छुक विद्यार्थियों को अमची विद्या पद्धित (भोट चिकित्सा पद्धित) की शिक्षा प्रदान कर रहा है। बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी, जिन्हें भोटी भाषा का पर्याप्त ज्ञान है, केवल उन्हें ही छः वर्ष की अमची विद्या पद्धित (भोट चिकित्सा विद्या पद्धित) पाठ्यक्रम के लिए उपयुक्त विद्यार्थी माना जाता है। ऐसे अनेक विद्यार्थी हैं, जिन्हें इस विद्या पद्धित में उपाधि प्राप्त हुई है और वे आजकल व्यक्तिगत एवं सरकारी पद्दों पर अमची चिकित्सक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

ii) हिमालय के कला और शिल्प:

क) *पाष्ट्रपिषक शंका चित्रकला विभाग:* चित्रकला इस क्षेत्र में बहुत प्रसिद्ध है। लदाख के बौद्ध विहारों में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध है, जिनमें विभिन्न प्रकार के थंका चित्र एवं भित्तिचित्र दिखाई पड़ते हैं। अलची विहार के भित्तिचित्र तथा हेमिस गोनपा एवं लामायुरु गोनपा के थंका चित्र बहुत प्रसिद्ध हैं। इन विहारों में कुछ थंकाएँ





हज़ारों वर्ष पुरानी हैं, जिनके आज भी दर्शन किये जा सकता है। इसके अतिरिक्त यहां के प्रत्येक गांव में एक गोनपा अवश्य दिखाई पड़ता है, जिसमें थंकाओं, भित्तिचित्रों एवं मूर्तियों का अपार भण्डार है। गर्मी के समय में दुनियाँ भर से पर्यटक लदाख के गोनपाओं में स्थित थंकाओं, भित्तिचित्रों, मूर्तियों तथा अन्य धार्मिक वस्तुओं से सुसज्जित बौद्ध विहारों का दर्शन करने आते हैं। संस्थान ने विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए भोटी चित्रकला पाठ्यक्रम की व्यवस्था कर रखी है। थंका बनाने की सदियों पुरानी परम्परा को जीवित रखने के लिए अनेक विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

- ख) *पाष्ट्रपिकिक मूर्तिकाला विभाग*: लदाख क्षेत्र में मिट्टी से मूर्तियों तथा मुखौटों का निर्माण करना एक सामान्य बात है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है कि यहां के बौद्ध विहार मूर्तियों एवं मुखौटों से पिरपूर्ण हैं। यहां के प्रत्येक विहार में विशेष तिथियों पर धार्मिक त्यौहार अर्थात् गुस्तोर दोस्मोछे छे-चु मनाये जाते हैं। इन अवसरों पर विभिन्न प्रकार के बुद्धों, बोधिसत्त्वों, इष्टदेवों आदि की वेश-भूषा एवं मुखौटा धारण कर मुखौटा-नृत्य (छम्स) का प्रदर्शन किया जाता है। संस्थान ने विद्यार्थियों को बुद्धों, बोधिसत्त्वों, देवी-देवताओं, इष्टदेवों आदि की मूर्तियों के निर्माण हेतु कला के प्रशिक्षण के लिए व्यवस्था की है। इच्छुक विद्यार्थी, जो दसवीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके है, उन्हें छः वर्ष का मूर्तिकला प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्तमान में अनेक विद्यार्थी मूर्ति एवं मुखौटा निर्माण कला का प्रशिक्षण ले रहे हैं।
- ग) *पावरपिवक काठ्यकता विभाग*: प्राचीन काल में लदाख में पुस्तकों के प्रकाशन हेतु कोई मुद्रण यन्त्र उपलब्ध । नहीं था। ऐसी स्थित में लोग लकड़ी के ब्लॉकों से धार्मिक ग्रन्थों या अन्यान्य ग्रन्थों की प्रतिलिपि प्राप्त कर लेते थे। धार्मिक ग्रन्थों की लिपियां विशेषकर कठोर लकड़ी के ब्लॉक पर नियमित रूप से खोदी जाती हैं, जिससे बाद में पढ़ने के लिए किसी कागज़ पर छपाई की जा सके। एक बार किसी लकड़ी के ब्लॉक पर खुदाई हो जाने पर ज़ेरोक्स मशीन की तरह उससे हज़ारों बार प्रतिलिपियां निकाली जा सकती है। प्राचीन काल में लदाख में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध थी। यहाँ बौद्ध विहारों एवं बौद्ध गृहों की छतों पर पाँच विभिन्न रंगों की पताकाएँ फहराने की परम्परा है, जिन्हें तरचोग के नाम से जाना जाता है और मुख्य द्वारों पर बड़ी लम्बी-सी पताका फहराई जाती है जो तरछेन कहलाती है। कपड़े की पताकाओं पर लकड़ी के ब्लॉकों से सूत्रपाट, मन्त्र, लुंगता एवं ग्यलड़न च्रेमो (द्वजाग्र) छापे जाते हैं, जो आध्यात्मिक शिक्त का प्रतीक हैं। उक्त काष्टकला के निरन्तर संरक्षण के उद्देश्य से संस्थान ने एक छः वर्षीय काष्टकला पाट्यक्रम की व्यवस्था की है। यहाँ छात्र लकड़ी के ब्लॉक के निर्माण कला का भी प्रशिक्षण लेते हैं। लदाख क्षेत्र में यह काला अत्यन्त प्रसिद्ध है और व्यक्ति अपनी जीविका के लिए इसे अच्छा क्षेत्र मानता हैं।

4. आधुनिक विद्या संकाय (Faculty of Modern Studies)

इस संकाय के अर्न्तगत पांच विभाग हैं जो निम्न प्रकार हैं:

- i) बौद्ध पुराणेतिहास विभाग
- ii) तुलनात्मक दर्शन विभाग
- iii) सामाजिक विज्ञान विभाग





8. नवीन प्रवेश:

संस्थान के निर्धारित प्रवेश के नियमों के अन्तर्गत प्रवेश समिति द्वारा साक्षात्कार के आधार पर छात्रों को कक्षा 6 से 9 तक में प्रवेश दिया जाता है। संस्थान के शाखा गोनपा विद्यालयों के छात्रों को संस्थान में सीधे प्रवेश दिया जाता है। संस्थान के छः वर्षीय पाट्यक्रम वाले अमची, तिब्बती थंका चित्रकला, मूर्तिकला तथा काष्टकला में भी सीट की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान सत्र के दौरान प्रस्तुत विवरण के अनुसार व्यावसायिक कक्षाओं के साथ सभी कक्षाओं में कुल 110 नये विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है।

9. संगोष्ठी/कार्यशालाः

- (क) प्राप्त विवरण के अनुसार वर्तमान सत्र के दौरान संस्थान ने दिनांक 23-08-2016 से 26-08-2016 तक ''चार आर्यसत्य'' विषय पर भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों, बौद्ध महाविहारों एवं संस्थाओं से विद्वानों को आमन्त्रित कर चार दिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन संस्थान परिसर में किया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन लदाख के बौद्ध विद्वान गदन ठी रिनपोछे जी ने किया। भारतवर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थाओं एवं विहारों से पधारे विद्वानों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया और अपने शोधपत्र /निबन्ध प्रस्तुत किये। इनके अतिरिक्त इस संगोष्ठी में लदाख के अनेक स्थानीय विद्वानों ने भी भाग लिया। संगोष्ठी में प्रस्तुत किये गये शोधपत्रों /निबन्धों को ''लद्दाख प्रभा'' शीर्षक से पुस्तकरूप में प्रकाशित किया जाता है। इस संगोष्ठी के समापन समारोह का संचालन नमडोल लींग विहार, मैसूर के खनपो सोनम छेवंग जी ने किया। इस अवसर पर संस्थान के विरष्ट विद्यार्थियों ने एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।
- (ख) शिक्षक-प्रशिक्षण: दिनांक 28 और 29 सितंबर, 2016 को गोनपा/श्रमणेरी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए ''सकारात्मक अनुशासन और शारीरिक दंड'' विषय पर दो दिन का अध्यापक प्रशिक्षण लेह पोषण परियोजना (एल.एन.पी.) नामक संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया। इस के लिए यूनिसेफ ने बाल-संरक्षण अधिनियम के अधीन वित्तीय सहायता प्रदान की। जम्मू एवं कश्मीर यूनिसेफ के दो विशेषज्ञों ने कार्यशाला का आयोजन किया। गोनपा/श्रमणेरी विद्यालयों के 65 शिक्षकों, गोनपाओं में बच्चों के 35 प्रबंधक/रखवालों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला विद्यालयों को नियमित रूप से चलाने के लिए उपयोगी रहा।
- (ग) संस्थान ने दिनांक 18 और 19 सितंबर, 2016 को लेह के निकट स्थित स्पितुक गोनपा में गोनपा /श्रमणेरी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का भी आयोजन किया। प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ अमरीका के मैडम केली ने प्रशिक्षण प्रदान किया। अध्यापकों ने इस में बड़ी रूचि के साथ भाग लिया और प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ द्वारा प्रदान की गई कार्यप्रणाली को अपनाने का निर्णय लिया गया।
- (घ) संस्थान ने लदाख बौद्ध संघ के महिला मंडल के सहयोग से दिनांक 12 नवम्बर, 2016 को ''बौद्ध परिप्रेक्ष्य में शराब के उपभोग से हानियाँ'' विषय पर एक दिन के संगोष्ठी का आयोजन चोखंग विहार, लेह में किया। लेह के आसपास स्थित प्रत्येक सरकारी और निजी उच्च और उच्च माध्यमिक विद्यालयों से 20-20 छात्रों को इस संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। विद्वानों ने उक्त विषय पर अपने मूल्यवान पत्र





प्रस्तुत किए जिसके बाद खुली चर्चा भी हुई। बड़ी संख्या में छात्रों, विद्वानों और स्थानीय लोगों ने सिक्रय रूप से इस संगोष्ठी और खुली चर्चा में भाग लिया। लोगों के दैनिक जीवन में शराब के प्रयोग को कम करने के प्रयास के लिए इस संगोष्ठी की सराहना की गई।

(ङ) दिनांक 22-06-2016 को संस्थान में ''बौद्ध मटों में शिशु संरक्षण'' विषय पर एक दिन के कार्यशाला का आयोजन लेह पोषण परियोजना (एल.एन.पी.) नामक संस्था और यूनिसेफ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यूनिसेफ के तीन प्रतिनिधियों ने इस में भाग लिया और शिशु संरक्षण पर अपनी-अपनी महत्वपूर्ण दृष्टियों को प्रदर्शित किया। केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के विद्वानों और गोनपाओं के कई प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया।

10. शैक्षिक यात्राः

संस्थान के उत्तर मध्यमा, द्वितीय वर्ष, शास्त्री, तृतीय वर्ष, आचार्य, द्वितीय वर्ष, शिल्पकला, थंका चित्रकला तथा काष्टकला कक्षा के अन्तिम वर्ष के 50 छात्रों के एक दल को जनवरी, 2017 में 36 दिनों के लिए शैक्षिक यात्रा (भारत दर्शन) पर भेजा गया। इस दल ने दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलोर, त्रिवेंद्रम, गोवा, पुणे, भोपाल आदि शहरों का भ्रमण किया। शैक्षिक यात्रा का आयोजन संस्थान के खनपो कर्मा तेनज़िन, प्राध्यापक और संस्थान के कंप्यूटर प्रशिक्षक श्री जमयंग लुनडुप के संरक्षण में किया गया। उक्त यात्रा का उद्देश्य छात्रों को देश की ऐतिहासिक, औद्योगिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना उत्पन्न करना है।

किनष्ट कक्षा के विद्यार्थियों को स्थानीय शैक्षिक यात्रा (लदाख दर्शन) के अन्तर्गत लदाख के चंगथंग क्षेत्र में 5 दिनों के लिए संस्थान के तीन अध्यापकों के साथ ले भेजा गया। उक्त यात्रा में पूर्वमध्यमा, द्वितीय वर्ष के कुल 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने उस क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थलों, विहारों, झील आदि को देखा। इस प्रकार संस्थान ने इन शैक्षिक यात्राओं के संचालन पर ₹6.22 लाख रूपये व्यय किये।

उपर्युक्त शैक्षिक यात्राओं के अतिरिक्त 22 अमची छात्रों के दल ने अमची प्राध्यापक के मार्गदर्शन में अगस्त, 2016 में 7 दिनों के लिए कारिगल ज़िले के सापी घाटी का भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य अमची पद्धित से औषि बनाने के लिए विभिन्न आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की पहचान कराना था। इसके लिए उन्होंने विविध प्रकार की जड़ी-बूटियों का संग्रह करके उनका प्रदर्शन किया। इन जड़ी-बूटियों के नमूनों को अलबम में सुरक्षित रखा गया है। भ्रमण के दौरान कच्चे माल को जमा करते हुए अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियों की पहचान की गई। संस्थान के अमची विभाग ने इस वर्ष के दौरान प्रायोगिक कक्षा के द्वारा विभिन्न अमची औषधियाँ स्वयं बनाईं, जिनमें चूर्ण, गोली और अर्क सिम्मिलित हैं। प्राप्त विवरण के अनुसार सत्र के दौरान उन औषधियों को रोगियों के लिए नाम मात्र के शुल्क पर और संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों के लिए निःशुल्क मुहैया कराया गया।

11. प्रकाशनः

संस्थान ने अब तक विभिन्न विषयों पर 85 दुर्लभ एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का प्रकाशन किया है जिनमें अखिल





भारतीय संगोष्ठियों के निबन्धों का संकलन (लदाख-प्रभा) का प्रकाशन सम्मिलित है। वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान ने ''सामान्य साधनों का गम्भीर उपदेश'' तथा ''नीतार्थ महामुद्रा का व्याख्यान-क्रम'' नामक दो ग्रन्थों का प्रकाशन किया।

12. शोध कार्यः

संस्थान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पद्धित पर आठ शोधवृित्तियों की व्यवस्था की है। अनुसंधान कार्य बौद्धधर्म और इससे संबंधित क्षेत्रों में किया जा रहा है। संस्थान ने अपने पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अनेक शोध छात्रों को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा पीएच.डी. (विद्यावारिधि) की उपाधि से सम्मानित करवाया है। 13 मार्च, 2015 को आयोजित प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समान शोधवृित्तियों की संख्या चार से आठ तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। तदानुसार वर्तमान में आठ शोध छात्र पीएच.डी. के लिए शोध कर रहे हैं।

13. परिसर:

यह संस्थान लेह शहर के दक्षिण-पूर्व की ओर आठ किलोमीटर दूर चोगलमसर में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसके दो परिसर हैं — नया और पुराना परिसर। पुराना परिसर 23 कनाल के क्षेत्रफल में स्थित है। इसमें कक्षा 6 से 8 तक के कुल 167 किनष्ट छात्रों के लिए कक्षाऐं चलायी जाती हैं। यह विद्यालय प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (टी.जी.टी.) तथा अन्य कर्मचारियों के सहयोग से एक प्रधान अध्यापक के प्रभार में चलाया जाता है। इसमें शैक्षिक विभाग, एक छोटा सभाभवन, कार्यालय तथा पुस्तकालय भवन हैं। पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र, पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र, हिमालयी बौद्ध संस्कृति विश्वकोश परियोजना जैसी संस्थान की कुछ परियोजनाएँ पुराने परिसर में कार्यरत हैं।

नया परिसर पुराने परिसर से आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित है। इस में संस्थान का पृथक् शैक्षणिक खण्ड, प्रशासिनक खण्ड, पुस्तकालय तथा तीन छात्रावास हैं जिनमें सौ-सौ विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है, जो भिक्षुओं, छात्रों तथा छात्राओं को रहने के लिए अलग-अलग दिये गये हैं। नये परिसर में 60 कर्मचारी आवास हैं और एक अतिथि भवन है, जिसमें 20 अतिथि रुक सकते हैं। इसी प्रकार नये परिसर में एक खेल का मैदान है, जो दर्शकों के बैठने की जगह, प्रसाधन कक्ष, भण्डार गृह आदि सुविधाओं से युक्त हैं। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों को चलाने के लिए 570 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक सभाभवन है। इस के अतिरिक्त एक दार्शनिक वादविवाद भवन तथा एक मनोरंजन केन्द्र भी है।

14. पुस्तकालयः

संस्थान का महत्वपूर्ण अंग इसका पुस्तकालय है। छात्र एवं अध्यापक ही नहीं अपितु संस्थान के अन्य सदस्य भी सूचना एवं ज्ञान की प्राप्ति हेतु इस पर निर्भर रहते हैं। बड़ी संख्या में देशी एवं विदेशी पर्यटक भी इस पुस्तकालय में आते रहते हैं। संस्थान के पुस्तकालय को नये परिसर में स्थानान्तरित कर लिया गया है, जिसके लिए तीन मंजिला पृथक् भवन बना है। पुस्तकालय को 'स्लिम थुमी सॉफ्टवेॲर' लगाकर कम्प्यूटरीकृत किया गया है। इस पुस्तकालय





में तीन विभाग हैं — (1) सामान्य विभाग, (2) भोट अथवा सुंगबुम विभाग और (3) सन्दर्भ विभाग। इस पुस्तकालय में कुल 32,657 ग्रन्थ भोटी, अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, पालि तथा उर्दू भाषाओं में धार्मिक, ऐतिहासिक, दार्शनिक, काव्य एवं सामाजिक विषयों पर उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में विश्वकोश, शब्दकोश तथा वार्षिक ग्रन्थों का संग्रह भी है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस सत्र के दौरान संस्थान ने ₹1.30 लाख की कुल 214 पुस्तकें खरीदीं हैं। पुस्तकालय 16 भारतीय एवं विदेशी शोध पत्रिका ∕समसामयिक पत्रिकाओं का ग्राहक बना है। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की भाषाओं में अन्य 9 प्रकार की पत्रिकाएँ खरीदीं गईं हैं। विद्यार्थियों एवं पाठकों की रूचि को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय 8 प्रकार के समाचारपत्रों को मंगाता है।

15. संग्रहालय:

संस्थान ने एक छोटा पुरातात्विक संग्रहालय स्थापित किया है। विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का संचय कर इस संग्रहालय में स्थापित किया गया है। इस संग्रहालय में लदाख की बौद्ध कलाकृतियों, चित्रों और छायाचित्रों के साथ-साथ विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के पुरातात्विक अवशेषों के नमूने संरक्षित किये गये हैं। लदाख में यह अपने ढंग का एक अनूटा संग्रहालय है, जो प्रति वर्ष यहाँ बड़ी संख्या में आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों और शोधकर्ताओं को आकर्षित करता है।

16. विशेष व्याख्यान/अन्य शैक्षिक क्रियाकलाप

- (क) क्या. कुशोक बकुला विजयोछे व्याव्ख्यानमाला : स्व. कुशोक बकुला रिनपोछे लदाख के एक प्रकाण्ड विद्वान् एवं राजनेता थे। उन्होंने लदाख के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य िकये हैं। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन इस प्रदेश की गरीब एवं अशिक्षित जनता के कल्याण एवं निर्धनता के उन्मूलन में लगाया। जम्मू-कश्मीर सरकार के मन्त्रिमण्डल में एक मंत्री के रूप में कार्य करने के अतिरिक्त वे भारत की लोकसभा के सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य तथा मंगोलिया में भारत के राजदूत भी रहे। उनकी सामाजिक सेवा के आधार पर भारत सरकार ने उन्हें पद्भूषण से सम्मानित िकया था। उनके प्रयासों से ही सन् 1959 में इस प्रदेश की बहुमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं विकासार्थ इस केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की स्थापना हुई, जो पहले बौद्ध दर्शन विद्यालय के रूप में जाना जाता था। केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की प्रबन्धकारिणी समिति ने दिनांक 27-02-2004 की अपनी बैठक में उनकी स्मृति में एक विशेष व्याख्यानमाला प्रारम्भ करने का निर्णय लिया। प्राप्त विवरण के अनुसार इस वर्ष दिनांक 08-03-17 से 10-03-2017 तक 12वीं व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसके लिए संस्थान ने डेपुंग लोसालींग विहार, कर्नाटक के प्रतिष्ठि बौद्ध विद्वान गेशेस थुबस्तन रबग्यस को आमंत्रित किया। उन्होंने अपना व्याख्यान बौद्ध दर्शन से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर दिया, जिस में संस्थान के कर्मचारी, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में सामान्य जनता ने भाग लिया।
- (ख) तिकंतर चिकित्सा शिक्षा पर कार्यशाला: संस्थान के सोवा रिगपा (भोट चिकित्सा विज्ञान) विभाग ने दिनांक 20-09-2016 से 25-09-2016 तक ''निरंतर चिकित्सा शिक्षा'' विषय पर छह दिन की कार्यशाला का आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहायता से किया। इस के लिए चिकित्सा विज्ञान के





क्षेत्र में विशेषज्ञों को भारत के विभिन्न संस्थानों से ज्ञानसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। सोवा रिगपा के 70 चिकित्सकों और छात्रों ने नियमित रूप से इस कार्यशाला में भाग लिया और बहस में सिक्रय रूप से भाग लिया। इसके अलावा। तीन एलोपैथिक विशेषज्ञों को भी उनके अनुभव को प्रस्तुति के माध्यम से साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

- (ग) शोटी दिवस : भोटी साहित्य विभाग ने 24 सितंबर, 2016 को भोटी दिवस का आयोजन किया। भोटी भाषा में निबन्ध प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सरकार तथा निजी विद्यालयों के छात्रों को आमंत्रित किया गया। इस दौरान विद्यानों ने भोटी दिवस के महत्व तथा लदाख में भोटी भाषा के शिक्षण पर व्याख्यान दिया और भोटी भाषा की वर्तमान स्थिति के बारे में भी चर्चा की। इस अवसर पर छात्रों ने एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और भोटी में एक नाटक का प्रदर्शन भी किया। अन्त में विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।
- (घ) *क्वाइटों की सुविधा* : संस्थान में एक अपना दवाखाना है, जहाँ से विद्यार्थी, अध्यापक एवं कर्मचारियों को दवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके लिए एक अस्थायी डॉक्टर की नियुक्ति की गई है जो एक दिन के अन्तर पर यहाँ आता है। एक परिचारिका एवं एक सहपरिचारिका उक्त डॉक्टर की सहायता करती हैं। यह दवाखाना अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के लिए लाभदायक है। सत्र के दौरान संस्थान ने ₹2.05 लाख के दवाइयाँ इस दावाखाने के लिए खरीदीं।
- (ङ) **वार्ठिक क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ**: खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान ने गत वर्ष 24 सितम्बर से 1 अक्तूबर, 2016 तक आठ दिवसीय वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत विभिन्न खेलों में प्रतियोगिताएँ नालन्दा, विक्रमिशला एवं तक्षिशला तीन सदनों के प्रतिभागियों में कराई गईं। इस में संकाय सदस्य और विद्यार्थियों ने सिक्रय रूप से भाग लिया। इन में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को वार्षिकोत्सव के दौरान पुरस्कारों एवं प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया गया।
- (च) **वार्ठिक पित्रका**: संस्थान भोटी भाषा में 'रिगपे दुद्चि' तथा 'लोमे गछल' नामक पित्रकाएँ और अंग्रेजी में 'ग्रीन ग्रोव' नामक पित्रका प्रकाशित करता है जिनमें संस्थान के अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर अपना लेख प्रस्तुत करते हैं। संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न क्रियाकलापों में प्राप्त किये गये चित्रों को इन में विशेष रूप से प्रकाशित किया जाता है। यह सम्पूर्ण रूप से एक सांस्थानिक पित्रका है एवं इसमें पूर्ण रूप से संस्थान के स्वरूप तथा उद्देश्य को ही सिम्मिलित किया जाता है।

17. पाठ्यक्रमः

प्रारम्भ में संस्थान में एक दस वर्षीय पाठ्यक्रम प्रचितत था जिसके अन्तर्गत हिन्दी, संस्कृत, बौद्ध दर्शन एवं भोटी भाषा की पढ़ाई होती थी। सन् 1973 में संस्थान, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध हुआ तथा संस्थान के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, सीमान्त प्रदेशीय छात्रों की आवश्यकतानुसार एक विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया गया। जनवरी, 2016 में के.बौ.वि.सं. लेह को मानित विश्वविद्याल का दर्जा प्रदान करने के बाद संस्थान ने पाठ्यक्रम उपयुक्तता में संशोधन करते हुए अर्धवर्ष-प्रणाली (सेमेस्टर सिस्टम) को आरम्भ किया। इस





सम्बन्ध में संस्थान ने सम्बन्धित क्षेत्र में विशेषज्ञों को आमंत्रित कर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की और अन्य विश्वविद्यालयों के संबंधित विषयों के विभागाध्यक्षों द्वारा संशोधन कराकर उक्त पाठ्यक्रम को क्रियान्वयन किया गया। तत्पश्चात् इस को शिक्षा परिषद के समक्ष विचार और अनुमोदन के लिए रखा गया। संस्थान के पाठ्यक्रम में हिन्दी, अंग्रेजी, भोट साहित्य एवं बौद्ध दर्शन अनिवार्य विषय हैं। राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, पालि, संस्कृत, इतिहास, तुलनात्मक दर्शन, अमची तिब्बती चिकित्साविद्या, काष्टकला, शिल्पकला तथा चित्रकला वैकल्पिक विषय के रूप में हैं। सफल उम्मीदवारों को आचार्य, शास्त्री, उत्तर मध्यमा और पूर्वमध्यमा की उपाधि प्रदान की जाती है, जिन को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति के लिए तथा दूसरे विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने के लिए अन्य विश्वविद्यालयों और जम्मू एवं कश्मीर राज्य बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त है। समकक्ष उपाधि निम्नलिखित हैं:

1. पूर्वमध्यमा मैट्रिक (हाई स्कूल)

2. उत्तर मध्यमा उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 12)

3. शास्त्री अंग्रेजी के साथ बी.ए. (स्नातक)

4. आचार्य एम.ए. (स्नातकोत्तर)

संस्थान ने तिब्बत के महायान सम्प्रदाय शास्त्रों को अनिवार्य वैकल्पिक विषय के रूप में कक्षा शास्त्री और आचार्य के पाठ्यक्रम में सिम्मिलित किया है। इस कार्य का विभाग के सदस्यों, विद्यार्थियों तथा लदाख के अन्य विद्वानों ने स्वागत किया है।

18. छात्रवृत्तिः

संस्थान में अध्ययनरत छात्रों में से कुल 675 छात्रों पर ₹820.00 से ₹1010.00 के बीच प्रति छात्र प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है। वर्ष 2016-17 के दौरान कुल ₹61.67 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में वितरित की गईं।

इस के अतिरिक्त ₹67.36 लाख लदाख क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश के लाहुल व स्पीति घाटी और जम्मू और कश्मीर के अन्य भागों में स्थित 50 गोनपा⁄श्रमणेरी विद्यालय के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान किये गये।

19. विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक एवं कापियों का निःशुल्क वितरण :

संस्थान में तथा इसके फीडर गोनपा /श्रमणेरी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी लदाख के सबसे पिछड़े और दूरदराज क्षेत्रों से हैं और वे अनुसूचित जनजाति समुदाय के हैं। तदनुसार, संस्थान ने जनजातीय उप-योजना के अन्तर्गत, संस्थान के सभी विद्यार्थियों के लिए पाट्य पुस्तक एवं उत्तरपुस्तिकाओं का निःशुल्क वितरण करने की व्यवस्था की गई है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस वर्ष के दौरान संस्थान ने ₹20.88 लाख की पाट्यपुस्तकें एवं उत्तरपुस्तिकाएँ खरीदीं और केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान तथा इस क्षेत्र के विभिन्न भागों में स्थित शाखा विद्यालयों एवं फीडर गोनपा /श्रमणेरी विद्यालयों के विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरित की गईं।





20. परीक्षा परिणामः

संस्थान की कक्षा छठी से आठवीं तक की परीक्षाएँ संस्थान के किनष्ट शाखा के प्रधान अध्यापक द्वारा आयोजित की जाती हैं जबिक पूर्वमध्यमा, प्रथम वर्ष से आचार्य, द्वितीय वर्ष तक की परीक्षाएँ एक संकाय सदस्य के अधीन परीक्षा विभाग के प्रभारी द्वारा संचालित की जाती हैं। सम्पूर्ण परीक्षा में उर्त्तीणता 82 प्रतिशत रहा। वर्ष 2016-17 सत्र के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ट संख्या 35 पर परिशिष्ट के रूप में है।

किनष्ट छात्रों के शैक्षिक स्तर को सुधारने के लिए प्रति वर्ष जून और नवम्बर में क्रमशः अर्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षाएँ आयोजित करने के लिए संस्थान द्वारा आवश्यक प्रबंध किये गये हैं।

21. गोनपा/श्रमणेरी विद्यालयः

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यह संस्थान विभिन्न गोनपाओं में 50 गोनपा/श्रमणेरी विद्यालय चला रहा है। ये विद्यालय सम्बन्धित गोनपाओं के सहयोग से चलाये जा रहे हैं। तदनुसार उक्त गोनपा विद्यालयों में कक्षाओं एवं छात्रावास की सुविधाओं के साथ-साथ धार्मिक क्रियकलापों की शिक्षा प्रदान की जाती है। संस्थान की ओर से प्रवेश प्राप्त छात्रों की संख्या के आधार पर विद्यार्थियों के लिए एक से तीन शिक्षकों की व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त साज-सामान, लेखन-सामग्री, पाठ्यपुस्तक एवं कापी और प्रत्येक विद्यार्थी के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाती है। संस्थान द्वारा नियुक्त शिक्षक विद्यार्थियों को गोनपा-विषयक शिक्षा के साथ-साथ अन्य आधुनिक विषयों, जैसे — भोटी भाषा, हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि की शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राप्त विवरण के अनुसार विगत वर्ष लदाख के विभिन्न गोनपाओं में स्थापित 50 गोनपा/श्रमणेरी विद्यालयों में कुल 927 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। वर्ष 2016-17 के विद्यार्थियों के नामांकन का विवरण विद्यालयवत एवं कक्षावार पृष्ट संख्या 36 पर परिशिष्ट के रूप में है।

22. वार्षिकोत्सवः

संस्थान के 57वें वार्षिकोत्सव का आयोजन 23 अक्टूबर, 2016 को संस्थान के सभागार में पूरे उत्साह के साथ किया गया। इस उत्सव में संस्थान की परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले तथा संस्थान की विभिन्न प्रतियोगिताओं, यथा — निबंध प्रतियोगिता, कविता-आवृति प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता, खेलकूद गतिविधि, सांस्कृतिक गतिविधि, प्रश्नमंच इत्यादि में भाग लेने वाले विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। लदाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह के अध्यक्ष डॉ. सोनम दावा लोनपो जी उक्त समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान थे, उन्होंने प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये। इस के अतिरिक्त लोकसभा सांसद माननीय श्री थुबस्तन छेवंग जी और जम्मू व कश्मीर विधान सभा में लेह के सदस्य माननीय श्री नवांग रिगज़िन जोरा जी इस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया। संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के अतिरिक्त लदाख के अनेक विद्यान एवं अतिथि भी उक्त समारोह में उपस्थित थे। यह समारोह राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ।





23. अन्य महत्वपूर्ण घटनायें :

प्राप्त विवरण के अनुसार विगत वर्ष संस्थान में निम्नलिखित उत्सव एवं क्रियाकलापों का बड़े उत्साह के साथ आयोजन किया गयाः

(क) भावत वत्न डॉ. भीमवाव अम्बेडकव का जन्म-व्विक्स

दिनांक 14 अप्रैल, 2016 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125 वीं जयन्ती मनाई गई। अनेक विद्वानों एवं विद्यार्थियों ने इस समारोह में भाग लिया और उनकी जीवनी एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रो. कोनछोग वंगदुस, निदेशक, केन्द्रीय बौद्ध विद्यालय संस्थान इस समारोह में सभापित के रूप में उपस्थित थे।

(खा) अध्यापक दिवस

संस्थान ने दिनांक 5 सितम्बर, 2016 को भारत के द्वितीय राष्ट्रपित डॉ. राधाकृष्णन की जयन्ती अध्यापक दिवस के रूप में मनाई। इस अवसर पर अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृ:णन के जीवन और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अध्यापकों ने विद्यार्थियों द्वारा डॉ. राधाकृष्णन की सिद्धान्तों एवं विचारों का अनुसरण करने तथा अपने जीवन में कार्यान्वित करने के लिए बल दिया।

(ग) हिन्दी दिवस

संस्थान ने दिनांक 14 सितम्बर, 2016 को हिन्दी दिवस मनाया, जिस में हिन्दी में विभिन्न प्रकार की साहित्यिक प्रतियोगितायों का संचालन किया गया, जैसे निबन्ध लेखन प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता तथा व्याख्यान प्रतियोगिता आदि। इस में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस के अतिरिक्त विद्वानों ने हिन्दी भाषा के महत्त्व पर व्याख्यान दिया।

(घा) बुम (भगवान बुद्ध के प्रवचन) का पाठ

संस्थान ने दिनांक 10-04-2016 को विश्व के सभी प्राणियों के कल्याण के लिए बुम (भगवान बुद्ध के प्रवचन) पाठ का आयोजन किया जिसमें संस्थान के सभी कर्मचारी और विद्यार्थी सम्मिलित हुए और जिसका प्रबन्ध संस्थान के सभी कर्मचारी और विद्यार्थियों से चन्दा लेकर किया गया।

(च) लढ़ाव्छा के बौद्ध मठीं द्वारा मन्त्र पाठ, एक सूक्ष्म सांस्कृतिक धारोहर

यूनेस्को (UNESCO) ने सूक्ष्म सांस्कृतिक धरोहर की सूची स्थापित की है। इस का उद्देश्य महत्त्वपूर्ण विश्वव्यापी सूक्ष्म सांस्कृतिक धरोहर का उत्तम संरक्षण तथा उनके महत्व की जागरूकता को सुनिश्चित करना है। सूक्ष्म सांस्कृतिक धरोहर की सूची के कार्यक्रम का प्रारंम्भ सूक्ष्म धरोहर सुरक्षा के महत्व की ओर ध्यान अंकित करने के लक्ष्य के साथ हुआ जिन को यूनेस्को द्वारा सारभूत अंग एवं सांस्कृतिक भिन्नता का एक पात्र और रचनात्मक अभिव्यक्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। इस सूक्ष्म सांस्कृतिक धरोहर को जीवित धरोहर भी कहा जाता है, अर्थात् व्यावहारिक रूप





के प्रतीक, अभिव्यक्ति, ज्ञान, एक व्यक्ति का कौशल तथा उपकरण, वस्तुएं, शिल्पतथ्य और सांस्कृतिक अन्तिरक्ष इन के साथ सम्बद्ध है जिन को सम्पूर्ण समाज/समुदाय/व्यक्ति उनकी अपनी सांस्कृतिक धरोहर के भाग के रूप में मान्यता देते हैं। इस प्रकार आई.सी.एच. निम्न किसी भी क्षेत्र में भी प्रकट किया जा सकता है-मौखिक परम्परा तथा भाषा की अभिव्यक्ति, पालन करने वाली कला। सामाजिक प्रथा, कर्मकाण्ड एवं त्यौहार, प्रकृति एवं सम्पूर्ण विश्व तथा पारम्परिक शिल्प-कौशल सुरक्षित रखने का ज्ञान और अनुष्ठान। तदनुसार सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार ने लदाख के बौद्ध मठों द्वारा मन्त्र पाठ को यूनेस्को की प्रतिनिधि सूक्ष्म सांस्कृतिक धरोहर की सूची (द्वितीय दायरा) में उल्लिखित करने के लिए नामांकन फाइल तैयार करने का काम संस्थान को सौंपा है। संस्थान ने नामांकन फाइल 60 मिनट अवधि के प्रालेख पोषण श्रव्यदृष्टि तथा अँग्रेजी में 10 मिनट अवधि वाले छोटे रूपान्तर को आंगुलिक चलचित्र (डिजिट्ल् विडियो) रूप में तैयार किया है और उसे मॉडल एजंसी अई.जी.एन.सी.ए. के माध्यम से यूनेस्को के सामने प्रस्तुत किया है। यूनेस्को ने लदाख के बौद्ध मठों द्वारा मन्त्र पाठ को चुना। लदाख के बौद्ध मठों द्वारा किये गये मन्त्र पाठ में निम्न गोनपाओं का मन्त्र पाठ समाविष्ट है:

| क्रमिक संख्या | गोनपा का नाम | आलाप की विषयवस्तु |
|---------------|---------------|-------------------|
| 1. | हेमिस गोनपा | रिगमा चुटुग |
| 2. | ठिगसे गोनपा | शरकंगरिमा |
| 3. | स्पितुग गोनपा | नस्-तन् |
| 4. | फ्यांग गोनपा | चोत् |
| 5. | माठो गोनपा | कुनरिग |

(च) स्वच्छ भारत अभियात

भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल पर भारत सरकार ने सम्पूर्ण देश को साफ सुथरा रखने के विचार से स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया है। तदानुसार केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह ने इस शुभारंभ को ध्यान में रखते हुए संस्थान के सभी कर्मचारी तथा विद्यार्थियों को सम्मिलित कर संस्थान के कार्यालय, कक्षा, परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई निम्न अवसरों पर कराया।

- क) विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2016
- ख) महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर, 2016

इस के अतिरिक्त संस्थान द्वारा निर्मित पंचांग के अनुसार संस्थान प्रतिमास सफाई का काम कराता है। इस के अतिरिक्त सप्ताह में संकाय सदस्य स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर भाषण देते हैं और इस वर्ष प्राप्त विवरण के अनुसार छात्रों में उक्त विषय पर निबंध प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, चित्रकारी प्रतियोगिता आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। संस्थान ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 16-09-2016 से 30-09-2016 तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा आयोजित किया जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।



24. शीतकालीन शिविर:

विद्यार्थियों की कल्याण समिति की पहल पर संस्थान ने 12 दिसंबर, 2016 से 13 जनवरी, 2017 तक एक महीने का शीतकालीन शिविर आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों के शैक्षिक मानक में सुधार, भाषा कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए संरक्षण और जागरूकता के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है। इस दौरान दार्शनिक बहस, प्रार्थना, ध्यान, नृत्य, गीत, खेल, भाषण देना, शिक्षाविद, नेताओं और अन्य विशेषज्ञों के साथ बातचीत जैसे कई गतिविधियां को किया गया। इस शिविर का खर्च जनजातीय उपयोजना के तहत और एनजीओ के दान से किया गया।

25. बौद्ध दार्शनिक शास्त्र-अनुवाद परियोजनाः

भोटी भाषा में हज़ारों की संख्या में अनेक ऐसे बौद्ध दार्शनिक ग्रन्थ हैं जिन में भगवान बुद्ध के उपदेश सिम्मिलित हैं और भारतीय तथा तिब्बती पण्डितों द्वारा विरचित अनेक ग्रन्थ भोटी भाषा में उपलब्ध हैं। गैरभोटी भाषी विद्वान तथा शोधकर्ता इन बहुमूल्य ग्रन्थों से लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। अतः संस्थान ने विद्वानों, शोध कर्ताओं और अन्य रूचि रखने वालों के लाभ के लिए संस्थान की प्रबंधकारिणी सिमिति की स्वीकृति से बौद्ध दार्शनिक ग्रन्थों को हिन्दी में अनुवाद करने के लिए एक छोटी सी अनुवाद परियोजना का आरंभ किया है।

26. हिमालयी बौद्ध संस्कृति विश्व कोश के संकलन का आरम्भ :

संस्थान की प्रबन्धकारिणी समिति ने प्रो. रमेश चन्द्र तिवारी की देख-रेख में हिमालयी बौद्ध संस्कृति विश्व कोश की रचना की परियोजना का अनुमोदन किया है। परियोजना का कार्य पाँच वर्ष का है एवं 10 भागों में विश्व कोश तैयार करने की योजना है। विद्वानों को अनुबन्ध के आधार पर नियुक्त कर इस परियोजना का कार्यारम्भ हो चुका है। उक्त योजना मुख्य सम्पादक के निरीक्षण में दो सम्पादक एवं तीन शोध-सहायकों के सहयोग से प्रगति पर है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस सत्र के दौरान संस्थान ने इस विश्व कोश के दो खण्ड़ों को प्रकाशित किया है, जो लदाख क्षेत्र से सम्बन्धित हैं। अन्य खण्डों का काम प्रगति पर है। दिनांक 19-12-2011 को हुई केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में इस परियोजना के महत्व को ध्यान में रखते हुए इसकी अवधि अगले पाँच साल के लिए बढ़ा दी गई है।

27. पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र :

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, भारत सरकार ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र के रूप में लदाख क्षेत्र के लिए "पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र" पद प्रदान किया है। तदनुसार संस्थान ने अनुबन्ध के आधार पर विद्वानों की नियुक्ति कर उन्हें काम सौंपा है। वर्तमान में सात कर्मचारी इस योजना पर मार्च से नवम्बर तक काम कर रहे हैं। उक्त योजना के प्रलेख पोषण का काम कठोर ठण्ड के मौसम के कारण दिसम्बर से फरवरी तक तीन महीने के लिए बन्द रहता है। संस्थान ने लदाख क्षेत्र के 2,125 मठों, महलों एवं व्यक्तियों से लगभग 30,519





पाण्डुलिपियों का संग्रह किया है तथा प्रयास है कि इस क्षेत्र में उपलब्ध सभी पाण्डुलिपियों का संग्रह किया जा सके। इसके अतिरिक्त संस्थान लदाख क्षेत्र के विभिन्न विहारों में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संरक्षण भी करता है। अब तक 20,997 पन्नों का संरक्षण किया जा चुका है।

28. उपाधि/उपाधि-पत्र प्राप्त करने के बाद छात्रों की नियुक्ति :

संस्थान पीएच.डी. (विद्यावारिधि) उपाधि, भोट बौद्धदर्शन, संस्कृत बौद्ध दर्शन, बौद्ध पुराणेतिहास इतिहास, भोट साहित्य तथा तुलनात्मक दर्शन विषयों में आचार्य (एम.ए. से समकक्षता), शास्त्री (बी.ए. से समकक्षता), उत्तर मध्यमा (+2 से समकक्षता) और पूर्वमध्यमा (मैट्रिक से समकक्षता) की उपाधि प्रदान करता है। इस के अतिरिक्त भोट चिकित्सा, थंका /चित्रकला, मूर्ति-कला और काष्ठकला में भी छः वर्ष की उपाधि दी जाती है। यह अवलोकन किया गया है कि जिन विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से ऊपर बताये गये पाठ्यक्रमों में उपाधि प्राप्त की है वे बेरोजगार नहीं है। जिन विद्यार्थियों ने इस संस्थान से उपाधि प्राप्त की है वे विशेषकर शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर, केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, और निजी स्कूलों में आसानी से नियुक्त हो जाते हैं। जिन उम्मीदवारों के पास ऊपर की उपाधियाँ हों उन्हें आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्रों में नियुक्त होने का अच्छा अवसर है क्योंकि इन विभागों में उन उम्मीदवारों को वरीयता दी जाती है जिन को स्थानीय भाषा का अच्छा ज्ञान हो।

इस के अतिरिक्त संस्थान के पूर्व छात्र पूरे भारत में सेना और अर्ध सैनिक बलों में देश के लिए सेवा कर रहे हैं। संस्थान के कुछ पूर्व छात्र विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली आदि प्रख्यात विश्वविद्यालयों में काम कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर के पुलिस विभाग में अनेक ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से उपाधि प्राप्त की हैं। के.बो.वि.सं., लेह की शाखा और फीडर स्कूल केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के पूर्व छात्रों को नियुक्त कर चलाये जा रहे हैं, जो इस क्षेत्र की संस्कृति और विरासत के संरक्षण तथा पदोन्नित के लिए उपयोगी है।

भोट चिकित्सा में उपाधि प्राप्त विद्यार्थी केन्द्र प्रायोजित योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' के अधीन राज्य के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं, जो पूरे क्षेत्र में ग्रामीण मरीजों को देखता है। थंका / चित्रकला,मूर्ति-कला और काष्टकला में उपाधि प्राप्त विद्यार्थी स्थानीय लोग तथा लदाख में आये पर्यटकों से थंका, मूर्ति और लकड़ी पर नक्काशी का काम करके अच्छी खासी धनराशि कमा रहे हैं। इस के अतिरिक्त जिन उम्मीदवारों ने ऊपर बतायी गई उपाधियाँ प्राप्त की हों वे उन संस्थाओं में प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त होते हैं, जहाँ पर समान पाठ्यक्रम हों।

इस प्रकार हजारों विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से उपाधियाँ प्राप्त की है और उन में से कोई भी बेरोजगार नहीं है। यह केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की एक बड़ी उपलब्धि है।

29. डुनिंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार:

(क) **अंक्षिप्त इतिहाब्स**: जंस्कार बौद्ध संघ के निमन्त्रण पर सन् 1980 में पहली बार परम पावन दलाई लामा जी जंस्कार पधारे थे। उन्होंने इस क्षेत्र की संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता का अनुभव करते हुए एक





विद्यालय की स्थापना के लिए जंस्कार बौद्ध संघ को कुछ धनराशि भेंट की। जंस्कार बौद्ध संघ ने इस क्षेत्र के निर्धन एवं जरूरतमंद छात्रों के कल्याण के लिए सितम्बर, 1984 में ड्रुजिंग फोटंग में एक विद्यालय की स्थापना की। यहाँ प्रारंभ में कूल 101 छात्रों को प्रवेश दिया गया तथा तीन अध्यापकों को नियुक्त किया गया। दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए एक छात्रावास का प्रबंध भी किया गया। जंस्कार के बौद्ध निवासियों ने भी इस विद्यालय के कोष के लिए धन जुटाया। परम पूज्य दलाई लामा जी ने वर्ष 1988 में दूसरी बार जंस्कार पधारने पर विद्यालय के विकास के लिए पुनः धनराशि भेंट की। जंस्कार बौद्ध संघ और क्षेत्र की जनता ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी को इस विद्यालय के महत्व के बारे में अवगत कराया तथा उनसे निवेदन किया कि केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की तरह इस विद्यालय का प्रबंधन भारत सरकार अपने अधीन कर ले। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी ने मार्च/अप्रैल. 1988 में अपनी जंस्कार यात्रा के दौरान वहाँ के नागरिकों की भावनाओं का समादर करते हुए "डुजिंग फोटंग विद्यालय" को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से सम्बद्ध करने की घोषणा की थी। तदनुसार भारत सरकार ने नवम्बर, 1989 से इस विद्यालय को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की शाखा के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। तब से यह विद्यालय केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के वित्तीय एवं प्रशासनिक नियन्त्रण में चलाया जा रहा है। वर्तमान में इस विद्यालय में प्रथम कक्षा से दसवीं कक्षा तक कुल 296 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। डुजिंग फोटंग विद्यालय के परिसार में शैक्षिक विभाग, एक छोटा सा पुस्तकालय, एक छोटा बहूपयोगी सभा भवन, 100 छात्रों के रहने के लिए छात्रावास, कर्मचारी आवास और एक खेल का मैदान है। जो विद्यार्थी छात्रावास में नहीं रहते हैं, उनको उठाने के लिए एक स्कूल बस भी है। जंस्कार घाटी एक अलग क्षेत्र है और सर्दियों में लगभग 6 से 7 महीने के लिए लेह और कारगिल से कटा रहता है।

- (ख) प्रविशा का पिरणाम (डी.पी.पुस., जंस्कार): डुजिंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार के कक्षा पहली से आठवी तक के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षायें प्रधानाध्यापक के निरीक्षण में संस्थान द्वारा अयोजित की गईं। कक्षा नवीं तथा दसवीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षायें के.बी.वि.सं. लेह, द्वारा संचालित की गईं। वहाँ के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए लेह आना पड़ता था और अनेक किठनाईयों का सामना करना पड़ता था। अतः इन बातों को ध्यान में रखकर वहाँ एक परीक्षा केन्द्र स्थापित किया गया। वर्ष 2016-17 सत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों के नामांकन और प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ट संख्या 39 पर परिशिष्ट के रूप में है।
- (ग) अन्य किया—कलाप (डी.पी.पुत्स., जंद्रकाद): यह स्कूल विविध शैक्षिक क्रिया-कलापों का आयोजन कर रहा है, जैसे वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता, साहित्यिक प्रतियोगिता, ऐतिहासिक स्थलों विहारों का दर्शन, राष्ट्रीय स्तर के महापुरुषों का जन्म दिवस मनाना, मासिक व्याख्यान प्रतियोगिता आदि। इसके अतिरिक्त इस स्कूल में एक छोटा सा ग्रन्थालय है जहाँ विद्यार्थियों के लिए ग्रन्थों का एक अच्छा संग्रह उपलब्ध है।
- (घ) कर्मचारी संख्या-प्राप्त विवरण अनुसार डुजिंग फोटंग विद्यालय के कर्मचारियों की संख्या पृष्ठ संख्या 40 पर परिशिष्ट के रूप में है।



30. बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग, जिला लाहुल व स्पीति (हि.प्र.) :

(क) संक्षिप्त इतिहास

हिमालय क्षेत्र क्रमशः लाहुल, स्पीति, किन्नौर, पंगी, कुल्लू और मनाली की बहुमूल्य बौद्ध कला, भाषा और संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलंग, लाहुल-स्पीती (हि.प्र.) की स्थापना सन् 1976 में हुई। सन् 1959 से पूर्व इस क्षेत्र के विद्वान, श्रमणेर एवं भिक्षु उच्च बौद्ध शिक्षा के लिए तिब्बत जाते थे। परन्तु 1959 की ऐतिहासिक घटना के परिणामस्वरूप अचानक इस परम्परा में व्यवधान पैदा हुआ। अतः नविशष्यों को पारम्परिक बौद्ध शिक्षा देने के लिए बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग अस्तित्व में आया। आरम्भ में यह विद्यालय यहाँ के निवासियों से धन जुटाकर चलाया जाता था। तत्पश्चात् भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने बौद्ध /तिब्बती संस्था विकास के वित्त सहयोग योजना के अर्न्तगत कुछ वित्तीय सहयोग दिया। इस क्षेत्र के लोगों ने इस विद्यालय को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह और केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी की प्रणाली के अनुसार भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था के रूप में प्रभार लेने के अथक प्रयास किये। परन्तु यह भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय की एक स्वायत्त संस्था के रूप में प्रभार नहीं ले सका।

तथापि वर्तमान में, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की प्रबन्धकारिणी समिति की संस्तुति के आधार पर इस विद्यालय को डुज़िंग फोटंग विद्यालय (डी.पी.एस.) जंस्कार के समान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के शाखा विद्यालय के रूप में अपने अधीन लेने का निर्णय लिया है। तदनुसार संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र सं. एफ./1-11/2004-बी.टी.आई. दिनांक 05-03-2010 के अनुसार बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग (हि.प्र.) को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह ने अपनी शाखा के रूप में ले लिया है। तब से इस विद्यालय के प्रशासन को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा पूर्ण वित्तीय सहयोग से चलाया जा रहा है।

वर्तमान में इस विद्यालय में कक्षा प्रथम से दसवीं कक्षा तक 75 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा अपने शाखा विद्यालय के रूप में लेने के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि होने की सम्भावना है। यह विद्यालय सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से सम्बद्ध है और विद्यार्थियों की परीक्षा का आयोजन उक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। इस विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक, छः प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक, एक भोटी अध्यापक, एक बौद्ध दर्शन का अध्यापक, एक कार्यालय सहायक और तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं।

कक्षाओं को चलाने के लिए विद्यालय का अपना भवन है और दुर्गम क्षेत्र से आये विद्यार्थियों के लिए एक छात्रावास भी है। डुज़िंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार के समान इस विद्यालय के कर्मचारियों का वेतन, छात्रों की छात्रवृत्ति, साज-सामान और दिन-प्रति दिन का व्यय केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा दिया जाता है। बाद में प्रबंधकारिणी समिति ने इस विद्यालय को मण्डोगलु, मन्डी, हि.प्र. में स्थानांतरण किया जिस के लिए डीगुंग कग्युद संघ ने निःशुल्क भवन तथा छात्रावास प्रदान किया है।

(खा) : पदीक्षा का पिरणाम (बी.डी.एस.वी., केलांग)

इस विद्यालय की छठी कक्षा से आठवीं कक्षा तक की वार्षिक परीक्षाएँ संस्थान द्वारा अयोजित की जाती हैं।





कक्षा नवीं एवं दसवीं कीं वार्षिक परीक्षाएँ केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा अयोजित की जाती हैं। वर्ष 2016-17 सत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों के नामांकन और प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या 41 पर परिशिष्ट के रूप में है।

(ग) कर्मचारी संख्या

बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग जिला लाहुल व स्पीति (हि.प्र.) की कर्मचारी संख्या पृष्ठ संख्या 42 पर परिशिष्ट के रूप में है।



के.बी.वि.सं. लेह के प्रबन्धक समिति की संरचना

| क्र.सं. | नाम और पता | पद |
|---------|--|--------------|
| 1. | श्री एम.एम.एस. श्रीवास्तव संयुक्त सचिव संस्कृति विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली | अध्यक्ष |
| 2. | श्री स्वगत विश्वास जिला उपायुक्त⁄मुख्य कार्यकारी, लेह | उपाध्यक्ष |
| 3. | प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी (जिससे संस्थान सम्बद्ध है) के कुलपति द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि | सदस्य |
| 4. | श्री अरुण गुप्ता निदेशक (वित्त) संस्कृति विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली | सदस्य |
| 5. | भारत सरकार के विदेशमंत्रालय के प्रतिनिधि | सदस्य (पदेन) |
| 6. | श्री प्रदीप दास निदेशक भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (संस्थान के मामले से सम्बन्धित लेनदेन) | सदस्य (पदेन) |
| 7. | मुख्य शिक्षा पदाधिकारी, लेह जम्मू-कश्मीर सरकार के शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि | सदस्य (पदेन) |
| 8. | गेशे लोबज़ङ समतेन अध्यक्ष, लदाख गोनपा संघ, लेह (लदाख गोनपा संघ के प्रतिनिधि) | सदस्य |



| क्र.सं. | नाम और पता | पद |
|---------|---|------------|
| 9. | श्री छेवंग टिनले | |
| | अध्यक्ष, लदाख बौद्ध संघ, लेह | |
| | (लदाख बौद्ध संघ के प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 10-12 | भारत सरकार द्वारा मनोनीत तीन बौद्ध विद्वान | |
| | (क) प्रो. नवांग समतेन | |
| | भूतपूर्व कुलपति | |
| | केन्द्रीय तिब्बती विश्वविद्यालय, वाराणसी | सदस्य |
| | (ख) निदेशक | |
| | नव नलन्दा महाविहार, नलन्दा | सदस्य |
| | (ग) भिक्षु विमलतिस | |
| | गाँव चोंगखम, पी.ओ. चोंगखम | |
| | जिला लोहित, अरूणाचल प्रदेश | सदस्य |
| 13. | भारत सरकार द्वारा मनोनीत कर्मचारी प्रतिनिधि | सदस्य |
| 14. | प्रो. कोनछोग वंगदु | |
| | निदेशक | |
| | केन्द्र बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य सचिव |



शिक्षा समिति की संरचना

| क्र.सं. | नाम और पता | पद | |
|---------|--|---------|--|
| 1. | प्रो. कोनछोग वंगदु | | |
| | निदेशक | | |
| | केन्द्र बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | अध्यक्ष | |
| 2-5 | लदाख में स्थित चार महायान सम्प्रदायों के प्रतिनिधि | | |
| | 1) गेशे डकपा कलज़ंग | | |
| | (अध्यात्म तथा न्यायविद्या संकाय) | सदस्य | |
| | 2) खनपो कोनछोग थुबस्तन | | |
| | (शब्दविद्या संकाय) | सदस्य | |
| | 3) खनछेन छेवंग रिगज़िन | | |
| | (आधुनिक विद्या संकाय) | सदस्य | |
| | 4) डॉ. ठिनले यंगजोर | | |
| | (सोवा रिगपा एवं शिल्पविद्या संकाय) | सदस्य | |
| 6-9 | विभागाध्यक्ष | | |
| | 1) डॉ. उर्ग्यन डोदुल | | |
| | भोट बौद्ध दर्शन विभाग | सदस्य | |
| | 2) गेशे लोबज़ंग छुलिटम | | |
| | सम्प्रदाय शास्त्र विभाग | सदस्य | |
| | 3) डॉ. एस.पी. चक्रवर्ती | | |
| | संस्कृत बौद्ध दर्शन विभाग | सदस्य | |
| | 4) श्री सोनम वांगचुग | | |
| | आधुनिक भाषा विभाग | सदस्य | |
| 10. | डॉ. भगवती प्रसाद | | |
| | शास्त्रीय भाषा विभाग | सदस्य | |
| 11. | भिक्षु कोनछोक थपडोल | | |
| | कला और शिल्प विभाग | सदस्य | |



| नाम और पता | पद |
|--|---|
| डॉ. पी.एस. जीना | |
| | सदस्य |
| संस्थान में सेवारत न रहने वाले तीन शिक्षाविद | |
| प्रो. लोबज़ंग फुनछोक | सदस्य |
| प्रो. लोबज़ंग छेवंग | सदस्य |
| प्रो. टशी समफेल | सदस्य |
| श्री छेरिंग मोटुप | |
| प्रशासनिक अधिकारी | सदस्य-सचिव |
| | सामाजिक विज्ञान विभाग संस्थान में सेवारत न रहने वाले तीन शिक्षाविद प्रो. लोबज़ंग फुनछोक प्रो. लोबज़ंग छेवंग प्रो. टशी समफेल |



वित्त समिति की संरचना

| क्र.सं. | नाम और पता | पद |
|---------|--|------------|
| 1. | श्री अरुण गुप्ता निदेशक (वित्त) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | अध्यक्ष |
| 2. | श्री प्रदीप कुमार दास (संस्थान के मामले से सम्बन्धित लेनदेन) संस्कृति मन्त्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली | सदस्य |
| 3. | प्रो. कोनछोग वंगदु निदेशक केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य |
| 4. | श्री छेरिंग मुटुप प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य-सचिव |



प्रकाशन समिति की संरचना

| क्र.सं. | नाम और पता | पद |
|---------|---|------------|
| 1. | प्रे. कोनछोग वंगदु निदेशक केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | अध्यक्ष |
| 2. | डॉ. पद्माकर मिश्रा प्रकाशन प्रभारी | |
| 3. | सं. सं. विश्वविद्यालय, वाराणसी मुख्य सम्पादक अनुवाद विभाग | सदस्य |
| 4 | केन्द्रीय तिब्बती विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी खनपो कोनछोग फनदे | सदस्य |
| 4. | खनपा कान्छाग कनद लेह-लद्दाख | सदस्य |
| 5. | डॉ. लोबज़ंग छेवांग भूतपूर्व प्रो. तुलनात्मक दर्शन केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य |
| 6. | डॉ. कोनछोग रिगज़िन शोध अधिकारी, के.बी.वि.सं., लेह | सदस्य |
| 7. | श्री छेरिंग मुटुप प्रशासनिक अधिकारी | |
| | केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य-सचिव |



ग्रन्थालय समिति की संरचना

| क्र.सं. | नाम और पता | पद |
|---------|--|------------|
| 1. | प्रो. कोनछोग वंग्दु | |
| | निदेशक | |
| | केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | अध्यक्ष |
| 2. | पुस्तकालयाध्यक्ष | |
| | जिला पुस्तकालय, लेह | सदस्य |
| 3. | डॉ. टशी समफेल | |
| | निदेशक | |
| | स्रोङचन पुस्तकालय | |
| | पी. ओ. कुलान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून | सदस्य |
| 4. | भिक्षु लगदोर | |
| | निदेशक | |
| | तिब्बती पुस्तकालय एवं अभिलेख, धर्मशाला (हि.प्र.) | सदस्य |
| 5. | श्रीमती छेवांग डोलमा | |
| | पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी | |
| | केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य-सचिव |



शोध समिति की संरचना

| क्र.सं. | नाम और पता | पद |
|---------|--|------------|
| 1. | प्रो. आर.के. द्विवेदी अध्यक्ष बौद्ध दर्शन विभाग सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. प्रद्युम्न दुबे पालि एवं बौद्ध अध्ययन बी.एच.यू. वाराणसी | सदस्य |
| 3. | डॉ. हीरापाल गंग नेगी ॲसोशिएट् प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | सदस्य |
| 4. | प्रो. जमयंग ग्यलछन भूतवूर्व प्रो., भोट साहित्य के.बौ.वि. संस्थान, लेह | सदस्य |
| 5. | डॉ. एल.एन. शास्त्री मुख्य सम्पादक केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ, वाराणसी (उ.प्र.) | सदस्य |
| 6. | प्रो. कोनछोग वंगदु निदेशक केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह | सदस्य-सचिव |



केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के कर्मचारियों की कोटि-वार संख्या

क. श्रेक्षािणक पद

| क्र.सं | . पद का नाम | वेतनमान (₹) | स्वीकृत पद | भरे गये | रिक्त पद |
|--------|---------------------|--------------------|------------|---------|----------|
| 1. | निदेशक | 37400-67000+10000 | 01 | 01 | _ |
| 2. | प्रोफेसर ⁄ आचार्य | 37400-67000+8900 | 04 | - | 04 |
| 3. | उपाचार्य | 15600-39100+7600 | 09 | 05 | 04 |
| 4. | प्राध्यापक | 15600-39100+5400 | 23 | 21 | 02 |
| 5. | प्रशिक्षक, शिल्पकला | 15600-39100+5400 | 01 | 01 | - |
| 6. | प्रशिक्षित स्नातक | 9300-34800+4600 | 12 | 10 | 02 |
| 7. | प्रशिक्षक, काष्टकला | 5200-20200+2800 | 01 | 01 | - |
| 8. | अध्यापक, गो.वि. | 5200-20200+2800 | 100 | 90 | 10 |
| | | व्हा. प्रशासितक पद | 3- | | |
| 1. | प्रशासनिक अधिकारी | 15600-39100+6600 | 1 | - | 1 |
| 2. | अति. प्र. अधिकारी | 15600-39100+6600 | 1 | 1 | - |
| 3. | अधीक्षक | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | - |
| 4. | लेखाकार | 9300-34800+4200 | 1 | - | 1 |
| 5. | मेडिकल सुपरवाईज़र | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | - |
| 6. | निजी सहायक | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | - |
| 7. | मुख्य सहायक | 9300-34800+4200 | 1 | - | 1 |
| 8. | आशुलिपिक | 5200-20200+2800 | 1 | 1 | - |
| 9. | कार्यालय सहायक | 5200-20200+2400 | 4 | 4 | - |
| 10. | रोकड़िया | 5200-20200+2400 | 1 | 1 | - |
| 11. | भण्डारक | 5200-20200+2400 | 1 | - | 1 |
| 12. | एल.डी.सी. | 5200-20200+1900 | 1 | 1 | - |
| | | | | | |





| / | • | 7 / / | | 7 7 | | | | | |
|-----------------------|---------------------------|------------------------|------------|---------|----------|--|--|--|--|
| <i>क्र.स</i> | ं. पद का नाम | वेतनमान (₹) | स्वीकृत पद | भरे गये | रिक्त पद | | | | |
| 13. | पम्प चालक | 5200-20200+2400 | 1 | 1 | - | | | | |
| 14 | गाड़ी चालक | 5200-20200+2400 | 2 | 2 | - | | | | |
| 15. | गार्ड कमांडर | 5200-20200+2400 | 1 | 1 | - | | | | |
| 16. | वरिष्ठ चौकीदार | 5200-20200+1900 | 1 | 1 | - | | | | |
| 17. | चौकीदार | 4440-7440+1300 | 4 | 4 | - | | | | |
| 18. | जमादार | 4440-7440+1400 | 1 | 1 | - | | | | |
| 19. | चपरासी | 4440-7440+1300 | 6 | 5 | 1 | | | | |
| 20. | छात्रावास रसोईया | 4440-7440+1300 | 4 | 3 | 1 | | | | |
| 21. | छात्रावास बैरा | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | | | | |
| 22. | कैन्टीन बैरा | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | | | | |
| 23. | माली | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | | | | |
| 24. | सफाई कर्मचारी | 4440-7440+1300 | 3 | 3 | - | | | | |
| ग. पुस्तकालय कर्मचावी | | | | | | | | | |
| 25. | पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी | 15600-39100+5400 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 26. | सहायक सम्पादक/सह सूचीकार | 9300-34800+4200 | 1 | - | 1 | | | | |
| 27 | पुस्तकालय सूचना सहायक | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | - | | | | |
| 28. | पुस्तकालय-परिचारक | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | | | | |
| | | <i>हा. शोह्र एकांश</i> | | | | | | | |
| 29. | शोधाधिकारी | 15600-39100+5400 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 30. | अनुवादक | 9300-34800+4600 | 1 | 1 | - | | | | |
| | | | | | | | | | |



केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के 2016-2017 सत्र के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण

| कक्षा | ঘার | परीक्षा | परीक्षा में | उत्तीर्ण कुल |
|----------------------------------|--------|------------|-------------|------------------|
| | संख्या | में प्रवेश | उत्तीर्ण | छात्र का प्रतिशत |
| क. विश्वविद्यालय कक्षार्रे | | | | |
| 1. पूर्वमध्यमा प्रथम | 113 | 113 | 73 | 65 |
| 2. पूर्वमध्यमा द्वितीय | 82 | 82 | 82 | 100 |
| 3. उत्तरमध्यमा प्रथम | 63 | 63 | 40 | 63 |
| 4. उत्तरमध्यमा द्वितीय | 44 | 44 | 41 | 93 |
| 5. शास्त्री प्रथम | 46 | 46 | 34 | 74 |
| 6. शास्त्री द्वितीय | 43 | 43 | 43 | 100 |
| 7. शास्त्री तृतीय | 46 | 46 | 46 | 100 |
| 8. आचार्य प्रथम | 18 | 18 | 11 | 61 |
| 9. आचार्य द्वितीय | 31 | 31 | 31 | 100 |
| | 486 | 486 | 3401 | 83 |
| <i>खा. पारम्परिक हिमालयत कला</i> | | | | |
| 1. काष्टकला | 8 | 8 | 7 | 85 |
| 2. मूर्तिकला | 11 | 11 | 10 | 91 |
| 3. अमची | 38 | 38 | 21 | 55 |
| 4. चित्रकला | 27 | 27 | 27 | 100 |
| 5. ज्योतिष | 3 | 3 | 2 | 67 |
| कुल | 87 | 87 | 67 | 97 |
| ग. कितविष्ठ कक्षार्रि | | | | |
| 1. | 51 | 46 | 41 | 89 |
| 2. सातवीं | 50 | 47 | 44 | 94 |
| 3. आठवीं | 66 | 64 | 47 | 73 |
| कुल | 167 | 157 | 132 | 84 |
| पूर्णयोग (क+ख+ग) | 740 | 730 | 600 | 82 |





गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों के 2016-17 सत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों के विद्यालयवत् एवं कक्षावत् नामांकन का विवरण

| क्र.सं | .गोनपा /श्रामणेरी विद्यालय का नाम | कक्षावत् कुल नामांकन | | | | | | | कुल | |
|--------|--|----------------------|---------|-------|--------|------|-----|--------|-----|---------------|
| | | प्रथम | द्वितीय | तृतीय | चतुर्थ | पंचम | छटी | सातवीं | योग | - शैक्षणिव |
| | | | | | O | | | | | पद |
| 1. | हेमीस गोनपा विद्यालय, हेमीस, लेह | 06 | 10 | 17 | 22 | 20 | 28 | 08 | 111 | 4 |
| 2. | शचुकुल गोनपा विद्यालय, शचुकुल, चंगथंग, लेह | 04 | 03 | 06 | 07 | 03 | 07 | 10 | 40 | 3 |
| 3. | चेमडे गोनपा विद्यालय, चेमडे, लेह | 01 | - | 06 | 10 | 03 | - | - | 20 | 2 |
| 4. | अनले गोनपा विद्यालय, अनले, लेह | 01 | 01 | 01 | 04 | 05 | - | _ | 12 | 2 |
| 5. | कर्मा डूपग्युद छोसलिंग गोनपा विद्यालय, चोगलमसर | 11 | - | 03 | 05 | 03 | - | - | 22 | 2 |
| 6. | लीकीर गोनपा विद्यालय, लीकीर, लेह | 03 | 05 | 80 | 01 | 04 | - | _ | 21 | 3 |
| 7. | ठीकसे गोनपा विद्यालय, ठीकसे, लेह | 04 | 02 | 01 | 03 | 03 | - | - | 13 | 2 |
| 8. | सामस्तानर्लींग गोनपा विद्यालय, सामस्तानर्लींग, नूबरा, लेह | 05 | 03 | 03 | 02 | 01 | - | - | 14 | 2 |
| 9. | स्पीतुग गोनपा विद्यालय, स्पीतुग, लेह | 12 | 05 | 05 | 05 | 03 | - | _ | 30 | 2 |
| 10. | फ्यांग गोनपा विद्यालय, फ्यांग, लेह | 04 | - | 04 | _ | 03 | - | - | 11 | 2 |
| 11. | ग्युदजिन तान्त्रिक गोनपा विद्यालय, फे | 01 | 02 | _ | - | 04 | - | - | 07 | 1 |
| 12. | मठो गोनपा विद्यालय, मठो, लेह | 01 | _ | 07 | 01 | 02 | - | _ | 11 | 1 |
| 13. | हनुथंग गोनपा विद्यालय | 01 | 02 | 02 | - | 01 | - | _ | 06 | 1 |
| 14. | स्तगना गोनपा विद्यालय, स्तगना, लेह | 07 | 02 | 03 | 01 | _ | - | _ | 13 | 1 |
| 15. | स्क्युरबनचन गोनपा विद्यालय, खलचे | - | 01 | _ | 04 | 01 | - | _ | 06 | 1 |
| 16. | मूद गोनपा स्कुल मूद, चंगथंग, लेह | _ | 02 | _ | _ | 02 | - | _ | 04 | 1 |
| 17. | न्योमा गोनपा विद्यालय, चंगथंग | 06 | 04 | 03 | 01 | _ | - | _ | 14 | 2 |
| 18. | छुशुल गोनपा विद्यालय, चंगथंग | 03 | _ | 04 | 05 | _ | - | _ | 12 | 2 |
| 19. | रिज़ोंग गोनपा विद्यालय, रिज़ोंग, लेह | 01 | 02 | 03 | 05 | 06 | - | _ | 17 | 2 |
| 20. | देस्कीद गोनपा विद्यालय, देस्कीद, नूबरा | 03 | 02 | 04 | 02 | _ | - | _ | 11 | 1 |
| 21. | यरमा गोनबो गोनपा विद्यालय, नुबरा | _ | - | _ | 03 | _ | - | - | 03 | 1 |
| 22. | बरदन गोनपा विद्यालय, बरदन, जंस्कार, कारगील | 02 | 04 | 05 | 03 | 04 | - | - | 18 | 2 |



| / | | | | | | | | | | |
|----------|---|-------|---------|-------|----------|------|-----|--------|-----|----------|
| क्र.सं | . गोनपा /श्रामणेरी विद्यालय का नाम — | | | | त् कुल | | | | | कुल |
| | | प्रथम | द्वितीय | तृतीय | चतुर्थ | पंचम | छटी | सातवीं | योग | शैक्षणिक |
| | | | | | | | | | | पद |
| 23. | कोरज़ोग गोनपा विद्यालय, चंगथंग | 06 | 02 | 01 | _ | 05 | - | - | 14 | 2 |
| 24. | कारशा गोनपा विद्यालय, कारशा, | 04 | 04 | 02 | 04 | 05 | - | - | 19 | 2 |
| | जंस्कार, कारगील | | | | | | | | | |
| 25. | लामायुरू गोनपा विद्यालय, लामायुरू, लेह | 01 | 03 | 03 | _ | 07 | - | - | 14 | 2 |
| 26. | फूगथल गोनपा विद्यालय, फूगथल, जंस्कार, कारगील | - | 02 | 10 | 04 | 12 | 09 | - | 37 | 3 |
| 27. | रंगदुम गोनपा विद्यालय, जंस्कार | - | 05 | 09 | _ | 03 | - | _ | 17 | 2 |
| 28. | मुने गोनपा विद्यालय, जंस्कार | 01 | - | 04 | 06 | 80 | - | - | 19 | 2 |
| 29. | जोंगखुल गोनपा विद्यालय,जंस्कार | - | 05 | _ | 04 | _ | - | - | 09 | 1 |
| 30. | स्तोंगदे गोनपा विद्यालय, जंस्कार | - | 02 | 04 | 03 | - | - | - | 09 | 1 |
| 31. | स्तगरिमो गोनपा विद्यालय, जंस्कार | 05 | 03 | 03 | 02 | 03 | - | - | 16 | 1 |
| 32. | पलदार गोनपा विद्यालय, पलदार | 07 | 14 | 13 | 14 | 10 | - | - | 58 | 3 |
| 33. | की गोनपा विद्यालय, कजा, स्पीती | - | - | 80 | 05 | 10 | - | - | 23 | 2 |
| | तनग्युद गोनपा विद्यालय, कज़ा, स्पिती | 05 | - | - | 03 | 10 | - | - | 18 | 2 |
| 35. | नालंदा गोनपा | 01 | 06 | 80 | 06 | _ | - | - | 21 | 2 |
| | 20 | मणेव | ी विह | વાતચ | - | | | | | |
| 36. | तिमोरगंग श्रामणेरी विद्यालय | 02 | _ | 01 | 06 | 02 | _ | - | 11 | 1 |
| 37. | स्किदमंगश्रामणेरी विद्यालय, स्कितमांग | 02 | 02 | 04 | 01 | 03 | _ | _ | 12 | 2 |
| 38. | चुलीचन श्रामणेरी विद्यालय, चुलीचान, लेह | - | 01 | 07 | 05 | 02 | - | - | 15 | 2 |
| 39. | बौद्धखरबु श्रामणेरी विद्यालय, | 03 | 04 | 01 | 02 | 01 | - | - | 11 | 1 |
| | बौद्धखरबु, करगील | | | | | | | | | |
| 40. | वाखा श्रामणेरी विद्यालय, वाखा, कारगील | 03 | - | 01 | - | 02 | - | - | 06 | 1 |
| 41. | शारगोल श्रामणेरी विद्यालय, शारगोल, कारगील | 01 | 02 | 02 | 01 | 01 | - | - | 07 | 2 |
| 42. | जुंगला श्रामणेरी विद्यालय, जुंगला, | 02 | 08 | _ | _ | 02 | _ | _ | 12 | 1 |
| | जंस्कार, कारगील | | | | | | | | | |
| 43. | करशा श्रामणेरी विद्यालय | 06 | 08 | 02 | 03 | 03 | _ | _ | 22 | 1 |
| | जंस्कार, कारगील | | | | | | | | | |
| 44. | टशी छोसलिंग श्रामणेरी विद्यालय, हि.प्र. | 04 | 02 | 07 | 05 | 01 | _ | _ | 19 | 2 |
| 45. | सक्या श्रामणेरी विद्यालय, चोगलमसर | 05 | 03 | 04 | 05 | _ | - | _ | 17 | 3 |
| | | | | | | | | | | |



| क्र.सं | ं.गोनपा /श्रामणेरी विद्यालय का नाम | | | कक्षाव | त् कुल | नामांव | ज् न | | | कुल |
|--------|-------------------------------------|-------|---------|--------|--------|--------|-------------|--------|-----|----------|
| | _ | प्रथम | द्वितीय | तृतीय | चतुर्थ | पंचम | छटी | सातवीं | योग | शैक्षणिक |
| | | | | | | | | | | पद |
| 46. | यङ्चेन् छोसलिङ् श्रामणेरी विद्यालय, | 01 | _ | 05 | 11 | _ | - | _ | 17 | 2 |
| | स्पीती हि.प्र. | | | | | | | | | |
| 47. | तुङरि श्रामणेरी विद्यालय, ज़ङ्कर | 80 | 02 | 02 | - | 05 | - | - | 17 | 2 |
| 48. | दोर्गे ज़ोङ् श्रामणेरी विद्यालय | 02 | 09 | - | 80 | - | - | - | 19 | 1 |
| 49. | फगमो लिङ् श्रामणेरी विद्यालय | 09 | 06 | 06 | 03 | - | - | - | 24 | 2 |
| 50. | देछेन छोलिङ् श्रामणेरी विद्यालय | - | 03 | - | 25 | - | - | - | 28 | 2 |
| | कुल योग | 154 | 146 | 192 | 210 | 163 | 44 | 18 | 927 | 90 |



वर्ष २०१६-२०१७ के परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस., जंस्कार)

| | छात्र संख्या | उपस्थित | परीक्षा में उत्तीर्ण | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|----------------------------|--------------|---------|----------------------|------------------|
| | 70 | 70 | 54 | 77 |
| द्वितीय | 38 | 38 | 31 | 82 |
| तृतीय | 34 | 34 | 30 | 88 |
| तृतीय चतुर्थ पांचवीं | 21 | 21 | 21 | 100 |
| पांचवीं | 22 | 22 | 18 | 82 |
| छटी | 28 | 28 | 21 | 75 |
| सातवीं | 25 | 25 | 24 | 96 |
| आठवीं | 24 | 24 | 23 | 96 |
| नौवीं | 17 | 17 | 11 | 65 |
| दसवीं | 17 | 17 | 17 | 100 |
| कुल | 296 | 296 | 250 | 85 |



डी.पी.एस., जंस्कार की कर्मचारी संख्या

| | कर्मचारी वेतनमान (₹) | स्वीकृत पद | स्थिति | रिक्त पद | |
|------------------------------|----------------------|------------|--------|----------|--|
| शैक्षिक कर्मचारी | | | | | |
| 1. प्रधानाध्यापक | 9300-34800+4800 | 1 | 1 | - | |
| 2. टी.जी.टी. | 9300-34800+4200 | 7 | 6 | 1 | |
| 3. अध्यापक | 5200-20100+2800 | 5 | 5 | - | |
| 4. शारीरिक शिक्षा अध्यापक | 17140 (स्थिर) | - | 1 | - | |
| (अनुबन्ध पर) | | | | | |
| गैर शैक्षिक कर्मचारी | | | | | |
| 1. कार्यालय सहायक (अनुबन्ध प | र) 9910 (स्थिर) | - | 1 | - | |
| 2. रसोइया | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | |
| 3. चपरासी | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | |
| 4. गाड़ी चालक अनुबन्ध पर | 8510 (स्थिर) | - | 1 | - | |
| 5. माली | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | |
| 6. चौकीदार | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | - | |



बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग के वर्ष 2016-2017 की परीक्षा का परिणाम

| कक्षा | छात्र संख्या | उपस्थित | परीक्षा में उत्तीर्ण | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|-----------------|--------------|---------|----------------------|------------------|
| प्रथम | 06 | 06 | 06 | 100 |
| द्वितीय | 04 | 04 | 04 | 100 |
| तृतीय | 11 | 11 | 11 | 100 |
| तृतीय चतुर्थ | 11 | 11 | 11 | 100 |
| पांचवीं | 10 | 10 | 10 | 100 |
| छटी | 19 | 19 | 19 | 100 |
| सातवीं | 04 | 04 | 04 | 100 |
| आठवीं | 03 | 03 | 03 | 100 |
| नवीं | 03 | 03 | 02 | 67 |
| दसवीं | 02 | 02 | 02 | 100 |
| कुल | 73 | 73 | 72 | 98.63 |



बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग की कर्मचारी संख्या

| | वेतनमान (₹) | स्वीकृत पद | स्थिति | रिक्त पद |
|---------------------------|-----------------|------------|--------|----------|
| शेक्षिक कर्मचानी | | | | |
| 1. प्रधानाध्यापक | 9300-34800+4800 | 1 | - | 1 |
| 2. टी.जी.टी. | 9300-34800+4200 | 8 | 7 | 1 |
| 3. शारीरिक शिक्षा अध्यापक | 9300-34800+4600 | 1 | 1 | _ |
| मेव भेरिसक कर्मचानी | | | | |
| 4 कार्यालय सहायक | 5200-20200+2400 | 1 | - | 1 |
| 5. चपरासी | 4440-7440+1300 | 3 | - | 3 |





Students and staffs of CIBS participated in Swachtta Pakhwada for a period of 15 days

Students collecting garbage in and around the campus of CIBS





Students interaction programme with students from Japan

Inspection team of Rajbhasha with Director of Institute









Celebration of 58th Annual Function of CIBS

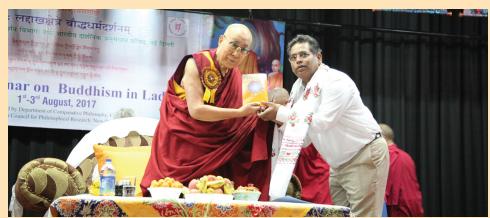
Prof. Samdhong
Rinpoche
delivering speech
to the students
and staff
members of the
CIBS





Group photo of students of CIBS with the students from Japan

Inauguration of National Seminar on Buddhism in Ladakh at CIBS in collaboration with ICPR







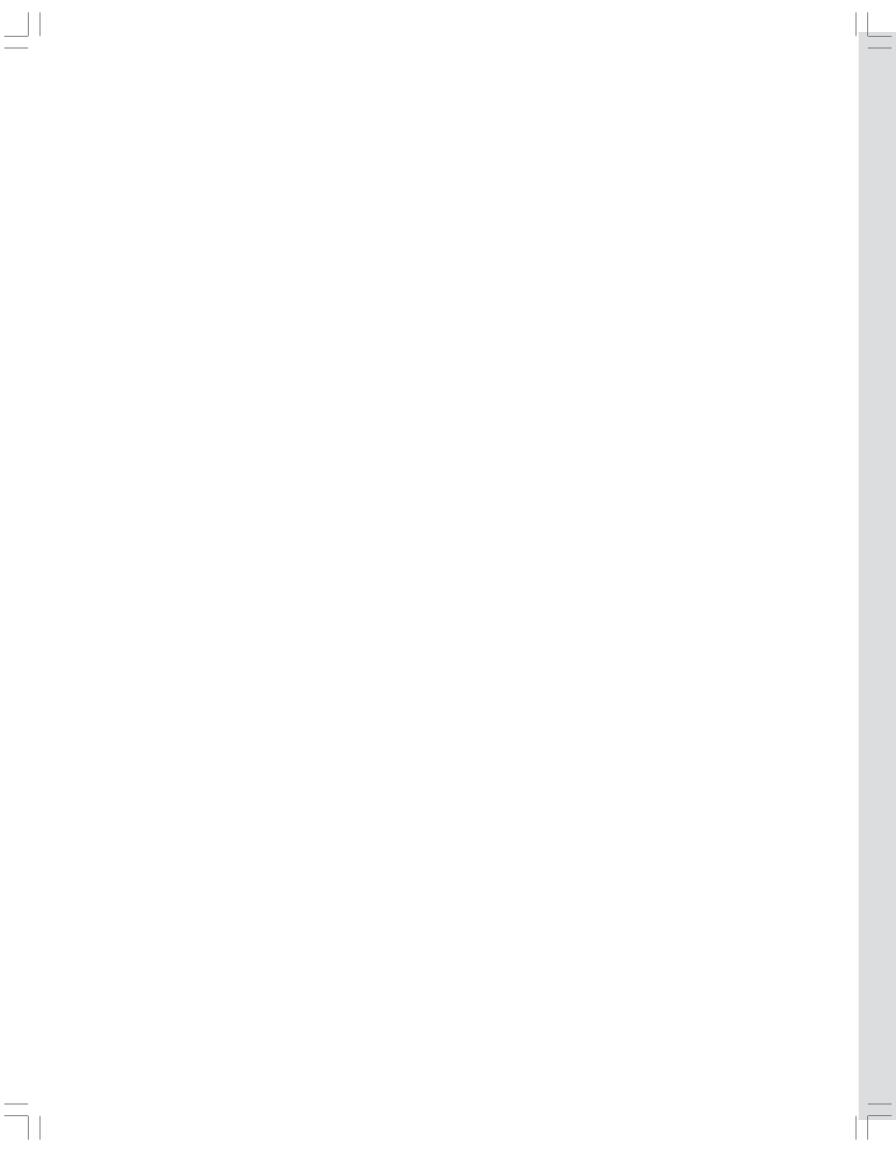
Central Institute of Buddhist Studies (Deemed to be University) Accredited by NAAC with 'A' Grade



ANNUAL REPORT 2016-2017

Choglamsar, Leh-194101, Ladakh (J&K)







CONTENTS

| | S.No. Contents | Page No. |
|------------|--|----------|
| 1. | Brief History | 49 |
| 2. | Objectives | 50 |
| 3. | Management | 51 |
| 4. | Constitution of Sub-Committees | 51 |
| 5. | Funds | 52 |
| 6. | Staff Strength | 52 |
| 7. | Faculties and Departments | 52 |
| 8. | New Admission | 55 |
| 9. | Seminar/Symposium/Workshop | 55 |
| 10. | Educational Tour | 56 |
| 11. | Publication | 57 |
| 12. | Research | 57 |
| 13. | Campus | 57 |
| 14. | \mathcal{S} | 58 |
| 15. | | 58 |
| 16. | Special Lecture/Other Academic Activities | 59 |
| | i) K.G.Bakula Rinpoche Memorial Lecture Series | |
| | ii) Workshop on Continuing Medical Education | |
| | iii) Bhoti Day | |
| | iv) Medical Facilities | |
| | v) Annual Sports Meet | |
| - - | vi) Annual/Monthly Magazines | 0.0 |
| 17. | 5 | 60 |
| 18. | 1 | 61 |
| 19. | • | 61 |
| 20. | | 61 |
| 21. | Gonpa/Nunnery School | 62 |
| 22. | Annual Function | 62 |
| 23. | Other Important Events | 62 |
| | i) Celebration of Birth Anniversary of Bharat | |
| | Ratna Dr. B.R. Ambedkar | |
| | ii) Celebration of Birth Anniversary of Dr. Radhakrishan | an |
| | as Teachers' Day | |
| | iii) Celebration of Hindi Divas | |
| | iv) Bhum Recitation | |
| | v) Buddhist Chanting of Ladakh: An Intangible | |
| | Cultural Heritage | |
| | iv) Swach Bharat Abhiyan | |
| 24. | Winter Camp | 64 |
| 25. | Project for Translation of Buddhist Philosophical Texts | 65 |



| 26. | Project for the Compilation of Encyclopedia | 65 |
|-----|---|----------|
| 0.7 | of Himalayan Buddhist Culture | C.F. |
| 27. | Manuscripts Resource Centre | 65 |
| 28. | Placement of Students after obtaining their degree/ | CF |
| 29. | diploma | 65 66 |
| 29. | Duzin Photang School | 00 |
| | (i) Brief History (ii) Examination Result | |
| | | |
| | (iii) Other Activities | |
| | (iv) Staff Strength | |
| 30. | Buddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong (H.P.) | 68 |
| | (i) Brief History | |
| | (ii) Examination Result | |
| | (iii) Staff Strength | |
| 31. | Annexures | |
| | i) Composition of Board of Management | 70 |
| | ii) Composition of Academic Council | 71 |
| | iii) Composition of Finance Committee | 72 |
| | iv) Composition of Publication Committee | 73 |
| | v) Composition of Library Committee | 74 |
| | vi) Composition of Research Committee | 75 |
| | vii) Staff Strength of CIBS | 76 |
| | viii) Examination Result of CIBS | 78 |
| | ix) School-wise and Class-wise enrollment of | 79 |
| | Gonpa/Nunnery Schools | |
| | x) Examination Result of DPS, Zanskar | 81 |
| | xi) Staff strength of DPS, Zanskar | 82 |
| | xii) Examination Result of BDSV, Keylong | 83 |
| | xiii) The Staff Strength of BDSV, Keylong | 84 |
| 1 | | |





1. BRIEF HISTORY

Prior to 1959, scholars, novices and monks of Ladakh used to go to Tibet in pursuit of higher monastic Buddhist education and used to study and do research for years in the famous Mahaviharas of Drepung, Sera, Gadan, Tashi Lhunpo, Sakya, Sagnag Chosling, Derge, Dregung etc. This practice abruptly came to an end because of historical reasons. Hence, it was held imperative that a Buddhist Institute should be established for formal Buddhist education in this country. Leh was chosen the centre for the dissemination of the Buddhist Culture and Philosophy in view of its geophysical suitability and traditional matrix.

Accordingly, the Central Institute of Buddhist Studies was established at Leh with the holy rituals performed by Rev Ling Rinpoche, the Senior Tutor to H.H. Dalai Lama XIV. The Institute was initially called the "School of Buddhist Philosophy". In 1962, at the behest of Ven Kushok Bakula, Pandit Jawahar Lal Nehru, the first Prime Minister of India, was convinced of the necessity of such an Institution for the Buddhists living in the Himalayas. Thus the Institution was given full accreditation in the matter of financial support under the administrative charge of the Ministry of Culture, Govt. of India.

In its initial stages, the Institute admitted ten scholars: one each from ten important Gonpas (Monesteries) of Ladakh. The appointment of two teachers was made to instruct the students in Tibetan Literature and Buddhist Philosophy. For 3 years, these 10 Gonpas bore the entire expenses of the students and the teachers. From 1959 to 1961, the School was conducted at Leh. From there, it was shifted to Spituk Village about 8 Kms away from Leh in 1962. The Institute had its new set up in 1973 at Choglamsar, 8 kms South-East of Leh and was registered in the year 1964 under the J&K Registration Act VI of 1998 (1941 A.D.) as an Educational Institution. Sanskrit, Hindi, English and Pali languages were introduced, besides the teaching of Buddhist Philosophy and Tibetan Literature. In 1973, the Institute was affiliated to Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U.P., and the courses suitable to the students of the frontier region were introduced. The Government of India Ministry of Human Resource Development (Department of Higher Education) on the recommendation of the University Grants Commission conferred the status of 'Deemed to be University' under section 3 of the UGC Act, 1956 to the Central Institute of Buddhist Studies, Leh (Ladakh), Jammu and Kashmir vide its Notification No. F.9-5/2001-US(A) dated 15-01-2016

The first Principal of the Institute was a renowned Tibetan Buddhist Scholar Ven Yeshi Thupstan who worked from 1959 to 1967. Ven. Lochos Rinpoche was appointed as the second Principal of the Institute. Dr. Tashi Paljor worked as the Principal of the Institute from 1979 to 2005. Consequent upon the





retirement of Dr. Nawang Tsering from the post of Principal after rendering 5 years of his service from 2005 to 2010, Dr. Wangchuk Dorjee Negi took over the charge of Principal on 15th June 2010. Subsequently, the Board of Management in its meeting held on 19-12-2011 decided to rechristen the post of principal as Director. Dr. Wangchok Dorjee Negi relinquished the post of Director on 12-12-2014 by handing over the charge to Prof. Konchok Wangdu.

2. OBJECTIVES

The main purpose of the Institute is to sharpen the multi-faceted personality of the students through inculcation of the wisdom of Buddhist Philosophy, literature and arts as well as to familiarize the students with the modern subjects. This has been a unique Institution in the country because of its provision to teach all the aspects of Himalayan Buddhist Culture at one place. The Institute undertakes Under Graduate, Post-Graduate and Doctoral Progammes in Buddhist Philosophical and Cultural Studies, and also establishes and maintains, feeder schools. The Objectives for which the Institute is established are:

- To provide higher education leading to excellence and innovations in such branches of knowledge as may be deemed fit primarily at post-graduate and research degree levels fully conforming to the concept of University, namely, University Education Report (1948) and the Report of the Committee on Renovation, Rejuvenation of Higher Education in India (2009) and the Report of the Review Committee for Deemed to be Universities (2009).
- To engage in areas of specialization with proven ability to make distinctive contributions to the objectives of the university education system, i.e., academic engagement clearly distinguishable from programmes of an ordinary nature that leads to conventional degree in arts, science, engineering, medicine, dental studies pharmacy, management etc., routinely offered by conventional institutions.
- 3 To provide high quality teaching and research facilities for the advancement of knowledge and its dissemination through various research programmes undertaken by a substantial number of full time faculty/research scholars (Ph.Ds and Post-Doctorals) in diverse disciplines.
- 4 To develop, manage, supervise and administer the affairs of the educational institute called the Central Institute of Buddhist Studies, Chglamsar, earlier known as the School of Buddhist Philosophy.
- 5 To provide instructions for various courses of study and research in different branches of Buddhist Philosophical and Cultural Studies for the award of the degree and diplomas.
- 6 To provide facilities for research, publication, restoration and advancement





- of learning and dissemination of knowledge in such branches of Buddhist Philosophy, as the Institute may think fit.
- 7 To co-operate with educational and other institutions in any part of the world having objectives similar to those of the Institute in such manner as may be conducive to their common objectives.
- 8 To invite scholars of Buddhist Philosophy and Cultural Studies from India and other countries for lectures, and to hold seminars, discussions and discourses in Buddhist Philosophy and Culture.
- 9 To do all such things as may be necessary, incidental or conducive to the attainment of all or any of the objectives of the society.

3. MANAGEMENT

The Management of the Institute is vested with a Board of Management under the chairpersonship of Joint Secretary to the Govt. of India, Ministry of Culture. The members of the Board are the representatives of different Ministries, Departments, Associations, Universities and Buddhist Scholars nominated by the Govt of India, Ministry of Culture. The tenure of the members of the Board of Management is for a period of three years with effect from the first meeting of the re-constitution of the Board. The Director of the Institute is the Member-Secretary of the Board. The existing composition of the Board of Management is placed as Annexure at page 70. The meeting of the Board of Management is convened after every six months. The Board of Management have the power to exercise or perform all duties, powers, functions and rights whatsoever necessary or consequential and incidental to give effect to its objectives set forth in the Memorandum of Association. However, the Govt. of India may from time to time issue directives on breed matter of policy, which the Board shall have to carry out.

4. CONSTITUTION OF SUB-COMMITTEES

Several sub-committees have been constituted under the Board of Management to implement its directives and to assist the Board in the matter of Academic Affairs, Finances, Research, Publication etc. A brief write-up on each sub-committee is as under:

i) Academic Council: In term of clause 14 of the Memorandum of Association and Rules and Regulations, the Institute constitutes an Academic Council consisting of eminent scholars and academicians to advise the Board in the Academic Affairs of the Institute. The Academic Council meets atleast three times in an academic year as per need to advise the Board in the respective field. The existing composition of the Academic Council is placed as Annexure at page 71.





- ii) *Finance Committee:* A Finance Committee under the chairpersonship of Director (Finance)/Deputy Secretary (Finance) of the Govt. of India, Ministry of Culture is constituted as per Memorandum of Association and Rules and Regulations of the Institute. The Committee meets once or twice a year to advise the Director and the Board of Management in matters relating to the administration of property and funds of the Institute. The existing composition of the Finance Committee is placed as Annexure at page 72.
- (iii) **Publication Committee:** The Institute is carrying out the publication of rare books and manuscripts relevant to Himalayan arts, culture and language. The rare books/manuscripts proposed to be published are placed before the Publication Committee for review and justification of its publication before being sent to the press. The Publication Committee consists of eminent scholars and experts in the field of publication. The existing composition of the Publication Committee is placed as Annexure at page 73.
- (iv) *Library Committee:* The Library Committee consists of experts in the field of Library and recommends for upgradation and improvement of the Library from time to time including the requirement of additional staff, machines and equipment, digitization, cataloguing etc. The existing composition of the Library Committee is placed as Annexure on page 74.
- (v) **Research Committee:** The Research Committee of the Institute conducts interview for selection of candidates for fellowship; reviews the synopsis and progress of the Research Fellows etc. The existing composition of the Research Committee is placed as Annexure on page 75.

5. FUNDS

The Institute is fully financed by the Ministry of Culture, Govt. of India and has been allocated a provision of ₹802.34 lakhs and ₹931.07 lakhs under Plan and Non-Plan budgets respectively for the year 2016-17 to execute various projects approved by the Board of Management, CIBS, Leh. Besides an amount of ₹47.81 lakh was allocated under Tribal Sub-plan for the year 2016-17.

6. STAFF STRENGTH

The Director being the Head Administrative supervises the Institute assisted by the Administrative Officer and other supporting staff members of the Institute. The staff strength, category-wise of CIBS, Leh, showing teaching and nonteaching staff separately, is placed as Annexure at page 76.

7. FACULTIES AND DEPARTMENTS

The faculties and departments of the Institute have been established on





the basis of Panch Mahavidyas of Monastic tradition for the smooth and effective functioning of the Institute on University pattern as indicated below:

- i) Faculty of Adhyatma and Nyaya Vidya (Faculty of Philosophy and Logic)
- ii) Faculty of Sabdha Vvidya (Faculty of Literature and Language)
- iii) Faculty of Sowa Rigpa and Shilpa Vidya (Faculty of Baudh Medical Science and Arts)
- iv) Faculty of Audhunik Vidya (Faculty of Modern Studies)

These faculties are further divided into different departments relevant to their studies as per details given below:

I) Faculty of Adhyatma and Nyaya Vidya (Faculty of Philosophy and Logic)

The faculty consists of three Departments for Mool Shastra and Sampradaya Shastra with different branches of the disciplines. As per Monastic system, Adhyatma and Nyayavidya are two independent vidyas, having different faculties. But we have combined these together to suit the syllabus of the Institute. The departments as discussed are given below:

- i) Department of Bhot Baudh Darshan
- ii) Department of Sanskrit Bauddh Darsahan
- iii) Department of Sampradaya Shastra

II) Faculty of Shabda Vidya (Faculty of Literature and Languages)

This faculty consists of the languages as per details given below:

- i) Department of Bhot Literature
- ii) Department of Classical languages (Sanskrit and Pali)
- iii) Department of Modern languages (English and Hindi)

III) Faculty of Sowa Rigpa and Shilpa Vidya (Faculty of Baudh Medical Science and Arts)

The Institute takes much interest in preservation and promotion of traditional Himalayan arts and culture. Accordingly, the following departments have been set up for preservation and promotion of the arts and culture of the region.

i) Department of Sowa Rigpa and Astrology:

It is centuries old tradition in Ladakh to provide herbal medicines to the





patients. When there were no allopathic medicines, the Sowa Rigpa System of Medicines used to be very popular in the region. The people still believe that the Sowa Rigpa System of Medicines is the most useful one and has no side effect. Now the Govt. of India has also recognized Sowa Rigpa as one of the traditional and useful medicine systems. So the people opt for Sowa Rigpa System of Medicines. Keeping the facts in view, the Institute imparts training to students interested in Baudh Medical Science. The +2 (Higher Secondary) passed students having the sound knowledge of Bhoti language are eligible for admission into six years' Baudh Medical Science Course. There are numbers of students who have been awarded the degree and some of them are practicing independently, while most of them are in Govt./private jobs.

ii) Department of Himalayan Arts and Craft:

- a) *Traditional Scroll/Fresco Painting:* This art of painting is very popular in the region. Monasteries of Ladakh are very popular for preserving numerous thankha paintings and frescoes. The frescoes of Alchi Monastery and Lamayuru Monastery are very famous. One can still see the paintings that are one thousand years old. Besides, in each village, there is a monastery having thankhas, frescoes and statues. The tourists from all over the world come to Ladakh in summer season to visit these monasteries. The Institute runs a Buddhist Scroll Painting Course for the students. A number of students receive training in this course to keep alive the centuries old tradition of making the thankhas.
- b) *Traditional Sculpture:* The making of clay statues and monastic masks are very common in Ladakh region. There are monastic festivals known as Gustor/Dosmoche/Tsetchu/Nagrang in every monastery on a special occasion. On this occasion, the mask dance popularly known as Cham is performed by wearing masks of different Buddhas and Bhodisattvas, gods, deities etc. The Institute has arranged to train the students for making the art of sculpture of Buddhas, Bhodhisattvas, gods, deities etc., and also teaches the art of making masks. The interested students have to undergo the training for six years after passing Class X. Numbers of students are under training in this art of making statues and masks.
- c) Traditional Wood Block Carving: In olden times, when there were no printing machines to print books, here in Ladakh, the people used to get the copy of religious and other texts copied from wooden blocks. The scripts of texts, especially religious texts, are carved on hard wooden blocks in a systematic way, so that the scripts get printed on a paper for reading. Once a text is carved on the wooden blocks, one can copy the text for thousand times like photostate copies. This was very popular in Ladakh in olden times. There is a system to hoist prayer flag in the monastery as well as on the top of every Buddhist household known as Tarchok, and Tarchan on the





main gate. These prayer flags are printed texts on clothes of five different colours, which symbolize high spiritual power. The text contained Lungsta and Gyal-Tsan Tsemo. The text is printed on clothes from wooden block made for the purpose. To continue this art, the Institute has introduced a six years course of Wood Carving. Besides the block making, one can learn the art of carving other decorative items like the carving of dragons, birds, lions, horses etc. This art is very popular in Ladakh region and one can earn handsome money for one's livelihood through this.

IV) Faculty of Adhunik Vidya (Faculty of Modern Studies): There are three departments under this faculty, which are as under:

- i) Department of Baudh Puranic History
- ii) Department of Comparative Philosophy
- iii) Department of Social Sciences

8. ADMISSION

Admission is being provided from Class VI to Class IX on the basis of an entrance test conducted by the Admission Committee as per the norms prescribed. However, the students of the feeder Gonpa/Nunnery Schools of the Institute are admitted directly.

Admission is also given to the students to the six years' course in Sowa Rigpa, Baudh Scroll Painting, Sculpture, and Wood Carving depending on the availability of seats. During the year under report 110 students were admitted into various classes including professional courses.

9. SEMINAR/SYMPOSIUM/WORKSHOP

- a) During the year under Report, the Institute organized four days 'All India Seminar on the subject "Four Noble Truths" from 23-08-2016 to 26-08-2016 in the Acharya Nagarjuna Auditorium of the Institute by inviting scholars from different Universities, Institutions and Monasteries. The seminar was inaugurated by H.E. Gaden Tri-Rinpoche, an eminent scholar. A large number of scholars from different Universities, Institutions and Monasteries from all over India participated in the seminar and presented their valuable papers. Besides, a large number of scholars from Ladakh region also participated in the seminar. The papers presented in the seminar have been collected and published in the form of a book titled "Ladakh Prabha". The valedictory function of the seminar was presided over by Khanpo Sonam Tsering, Namdrol Ling, Mysore. A colourful cultural programme by the senior students of CIBS was also performed on the occasion.
- b) Teacher Training: Two days' training on the subject "positive discipline and





Corporal Punishment" was organized on 28th and 29th September, 2016 for the teachers of Gonpa/Nunnery schools in collaboration with Leh Nutrition Project (LNP) financed by UNICEF under the Children Protection Act. Shri Hilal Bhat from J&K UNICEF and two experts of UNICEF conducted the workshop. 65 Gonpa/Nunnery school teachers and 35 Manager/Care-takers of the children in the Monasteries/Nunneries attended the workshop. The workshop was a great success and useful for routine functioning of the schools.

- c) The Institute also arranged another two days' training for 20 Gonpa/ Nunnery school teachers located around Leh at Spituk monastery on 18th and 19th September, 2016. Madam Kelli, an expert in the field of elementary eduction from U.S.A., provided the training. The teachers were took much interest and ensured to adopt the methology provided by the expert during the training.
- d) A day long local seminar was organized at Chowkhang Vihara, Leh on 12th November, 2016 in collaboration with LBA Women Wing on the subject "Disadvantage of Consumption of Alcohal in Buddhist Prespective". 20 students each from Government as well as private High and Higher Secondary schools located in and around Leh were invited for the seminar. The scholars presented their valuable papers on the subject followed by open discussion. A large number of students, scholars and local public actively participated in the seminar and open discussion. It was appreciated for the effort to minimize the consumption of alcohol in daily life of the people.
- e) One day workshop was organized in the Institute on 22-06-2016 on the subject "Child Protection in the Monasteries/Nunneries". This workshop was organized in collaboration with Leh Nutrition Project and UNICEF. Three representatives of UNICEF participated in the workshop and presented their valuable views on child protection. The scholars of CIBS, Leh and some representatives of the Monasteries participated in the workshop.

10. EDUCATIONAL TOUR

A group of 50 students from classes of Acharya II, Shastri-III, U.M.-II and final years of Sculpture, Painting and Wood Carving were on *Bharat Darshan* (Educational Tour) in the month of January 2017 for a period of 36 days. The group visited Delhi, Hyderabad, Bengaluru, Trivendrum, Goa, Pune, Bhopal. etc. The Ecucational Tour was conducted under the supervision of Khanpo Karma Stanzin, Lecturer and Mr. Jamyang Lhundup, Computer Instructor of the Institute. The purpose of the tour was to familiarize the students with the great historical, industrial, religious, and geographical wealth of the country and to imbibe in them the feelings of National Integration.



The students of the lower classes of the Institute were also taken for a local educational tour, i.e., *Ladakh Darshan* to Changthang valley for a period of 5 days under the supervision of three teachers. The total number of students who took part in this tour was 82 from class P.M.-II. They visited the historical places, monasteries, lakes etc., of the area. Thus the Institute provided an amount of $\rat{6.22}$ lakes to conduct these tours.

Besides, a batch of twentytwo students from the Department of Sowa Rigpa under the guidance of the teachers concerned toured to Sapia village of Kargil Distt. for 7 days in August 2016 for collection/identification of various medicinal herbs and minerals used for preparation of Sowa Rigpa system of medicines. Various herbs were collected and demonstrated for preparation of medicines. The samples have been preserved in an album for reference. A large number of herbs were identified during the tour and also the raw materials were collected. Varieties of Sowa Rigpa medicines have been prepared by the Sowa Rigpa Department of the Institute itself through practical classes which include powder, pills etc. During the year under report, these medicines are being provided to patients on very nominal charges, and freely to the staff and students of the Institute.

11. PUBLICATION

The Institute published 87 numbers of rare and valuable books on various subjects including the proceedings of the National Seminars (Ladakh-Prabha). During the year 2016-17, the Institute published two books, viz. *Profound Instructions for Meditation* and *The Mirror that Reflects the True Face of Reality*, (the Illuminator of Gradual Steps Through Guidance of Definitive Maha Mudra.

12. RESEARCH

The Institute has established eight fellowships for Research Scholars on the pattern of U.G.C. The research works are being conducted in the field of Buddhism as well as its related areas. The Institute has awarded number of Ph.D. degree to the scholars after successfully completing their course. The Board of Management, CIBS, Leh in its meeting held on 13th March, 2015 approved the proposal to increase the number of fellowships from 4 to 8 on UGC pattern, and accordingly, at present, eight research scholars are doing research for Ph.D.

13. CAMPUS

The Institute is located 8 kms South of Leh town on the bank of the Indus river in Choglamsar. It has two campuses: the new and the old. The old campus is located on a piece of land measuring 23 kanals and used for running the classes for the junior wing form Class 6 to 8 with the strength of 149 students. It is under the charge of a Headmaster assisted by Trained Graduate Teachers





(TGTs) and other staff members. There are the teaching block, a small auditorium, office, and children's library on this campus. Some projects of the Institute such as Manuscripts Resource Centre, Manuscripts Conservation Centre, Encyclopedia of the Himalayan Buddhist Culture are also going on on the old campus. The new campus is located just half a kilometer away from the old campus built up with separate blocks for teaching, Administration, Library and hostels (with a capacity of one hundred students in each which are separately provided to the monks, boys and girls). There are 60 Residential Quarters for staff and a Guest House with a capacity to accommodate 20 guests at a time. There is a sport stadium with facilities of spectators' gallery, dressing room, store etc. Besides, an auditorium with seating capacity of 570 people is available to carry out various activities of the Institute. Besides these, a Philosophical Debate Hall, and a Students' Recreation Center are available on the campus to carry out other activities.

14. LIBRARY

The Library is a vital organ of the Institute in which not only the students and teachers, but also other members of the Institute depend upon for seeking information and wisdom. A large number of Indian as well as foreign tourists visit the Library during the tourist season. The Library of the Institute was shifted to the new campus for which a separate building of three storeys is available. The library has been computerized by installing the Slim Thumi Software. There are three sections of the Library, i.e., (1) General Section (2) Sungbum/Tibetan Section, and (3) Reference Section. The total collection of 32,657 books in Tibetan, English, Hindi, Sanskrit, Pali and Urdu on Religion, History, Philosophy, Literature, Sociology, etc., is available. The Library has a well-collected reference section comprising of Encyclopedias, Dictionaries and Year Books. During the year under report the Institute purchased 214 books worth ₹1.30 lakhs. The Library of the Institute has subscribed 16 Indian and foreign research journals/periodicals during the year. Besides, 9 numbers of various types of magazines in different languages were also subscribed. In the interest of the students and readers, the Institute subscribes 8 different types of newspapers for the Library.

15. MUSEUM

The Institute has built up a small archaeological Museum with a collection of antiquities and objects-de-art which among other things include sculpture and painting articles of Ladakh, antique photographs and replicas brought from many historical places of India. This is a unique Museum of its kind in Ladakh, which draws attention of tourists as well as the research scholars on a large scale every year.





16. SPECIAL LECTURES/OTHER ACADEMIC ACTIVITIES

- Gyalsras Kushok Bakula Rinpoche Memorial Lecture Series: Ven. Kushok Bakula Rinpoche was a great scholar, saint and a social reformer of Ladakh. He did yeomen service for the development of Ladakh. He spent his life for the welfare and uplift of the poor and the downtrodden people of the region. He had a good political position in the State Govt. of Jammu and Kashmir as Cabinet Minister, and was M.P. in the Indian Parliament, Ambassador to Mongolia etc. In recognition of his social work, the Govt. of India decrorated him with Padma Bhushan. Due to his endeavour, the Central Institute of Buddhist Studies formerly known as the School of Buddhist Philosophy, Leh was established in the year 1959 to develop and preserve the rich cultural heritage of the region. In his memory, the Board of Management, CIBS, Leh in its meeting held on 27-2-2004 decided to commence a lecture series. During the year under report, the 12th Lecture Series was conducted from 8-03-2017 to 10-03-2017 by inviting Geshe Thupstan Rabgas of Drepung Loseling Monestery, Karnataka, an eminent Buddhist Scholar. He delivered his lectures on different topics relating to Buddhist philosophy. The lectures were attended by the staff, students and other interested people.
- ii) Workshop On Continuing Medical Education: The Department of Sowa Rigpa of the Institute organized six days' workshop from 20-09-2016 to 25-09-2016 on the subject "Continuing Medical Education" with financial support from Ministry of AYUSH, Govt of India. Expert in the field of Medical Education were invited from Delhi as well as other University/Institution as Resource persons. 70 Sowa Rigpa Doctors and Students regularly attended the workshop and actively participated in debate. Besides, three Allopathy specialists were also invited to share their experience through presentation.
- Bhoti Day Celebration: The Department of Bhoti Literature organized Bhoti Day on 24th September, 2016. The students from other Govt. and Private schools were invited to participate in the literary Competition in Bhoti language viz. easy competition, lecture competition and Quiz competition. The scholars delivered lectures on the importance of the day and teaching of Bhoti language in the ladakh region and also discussed about the present status of Bhoti language. A colourful cultural programme and a drama in Bhoti language were also arranged. The prizes were distributed to the winners.
- **iv) Medical Facilities:** The Institute has a dispensary of its own and provides medicines to the students and the staff. A part-time Doctor visits the Institute every alternate day. The part-time Doctor is assisted by a Staff Nurse and a Nursing Orderly. This arrangement is very useful for the students and the staff. During the year, the Institute purchased medicines





worth ₹2.05 lakes to be distributed freely among the students and the staff for treatment of different ailments.

- Annual Sports Meet: To encourage athletic activities, the Institute arranged Annual Sports Meet for 8 (eight) days from 24th September to 1st October, 2016 during which various types of games and sports activities were conducted among the three houses, viz Nalanda, Takshila and Vikramshila. The faculty members and students actively participated and successfully completed the programme. The position holders were honoured with medals and certificates on the occasion of Annual Function.
- wi) Annual/Monthly Magazine: The Institute also brings out an Annual Magazine entitled "Rigpai Durtse" and two monthly News Letters titled Lomai Gatsal in Bhoti and The Green Grove in English to which the students and the staff contribute articles on different subjects. The activities of the Institute and the achievements of the staff and students having received awards etc., during the year are also highlighted with their photographs. These are purely institutional magazines and these reflect the nature and scope of the Institute absolutely.

17. SYLLABI

In the formative years, the ten-year syllabi covering the subjects of Hindi, Sanskrit, Buddhist Philosophy and Tibetan Language were in operation. In the year 1973, the Institute was affiliated to the Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U.P., and accordingly, special syllabi were drawn up to fulfil the requirements of the border area students and to achieve the aims and objectives for which the Institute was initially established. Consequent upon the conferment of deemed to be university status to the CIBS, Leh in January 2016, the Institute amended the curriculum suitability by introducing the semester system. The curriculum has been implemented after conducting a series of workshops by inviting experts in the field and by amending the some by the Heads of Departments of the subjects concerned of other universities. Thereafter, it was placed before the Academic Council for consideration and approval. The compulsory subjects are Hindi, English, Tibetan Literature and Buddhist Philosophy and the optional subjects are Political Science, Economics, Pali, Sanskrit, Comparative philosophy, Sowa Rigpa, Wood Carving Sculpture and Painting. The degrees of Acharya, Shastri, Uttar Madhyama and Purva Madhyama are being awarded to the successful candidates which have been recognized by other Universities and the State Board of Jammu & Kashmir for appointment in Govt. Service and to take admission in other Universities. The equivalent degrees are given below:





1. Purva Madhyama Matriculation

2. Uttar Madhyama Higher Secondary

3. Shastri (with English) B.A.

4. Acharya M.A.

The Institute included the Sampradya Shastra of Mahayana Buddhism in Shasrti and Acharya courses as one of the compulsory optional subjects, which has been welcomed by the faculty members, students and other scholars of Ladakh.

18. STIPEND TO STUDENTS

The stipend ranging from $\ref{820}$ to $\ref{1010}$ per student per month is presently granted to 675 students. An amount of $\ref{61.67}$ lakes was disbursed to the students on account of stipend during the year 2016-17.

Besides, an amount of ₹67.36 lakhs has also been disbursed to 927 students of 50 Gonpa/Nunnery Schools running in various monasteries of Ladakh region and of Lahaul-Spiti valley of Himachal Pradesh and of other parts of J&K on account of stipend.

19. FREE DISTRIBUTION OF TEXT/NOTE BOOKS TO STUDENTS

The students studying in the Institute and its branches and feeder Gonpa/Nunnery schools come from most back-ward and remote areas of the region and belong to Schedule Tribe communities. Accordingly, under the Tribunal Sub-Plan, the Institute arranged the free distribution of Text/Note books to all students. During the year under report, Text/Note books worth ₹20.88 lakhs were purchased and freely distributed among the students of CIBS and its branches and feeder Gonpa/Nunnery schools located in different parts of the region.

20. EXAMINATION RESULT

The examinations from Class VI to Class VIII were conducted by the Headmaster, junior wing of the Institute. The examinations from Purva Madhyama I to Acharya (M.A.)-II were conducted by the Examination Department under charge of a faculty member. The overall pass percentage of the examination was worked out to 82%. The result of each class of the academic year 2016-17 is placed as Annexure at page 78.

To improve the academic standard of the junior students, necessary arrangements have been made to conduct the half-yearly and the Annual Tests in June and November each year by the Institute.





21. GONPA/NUNNERY SCHOOLS

To achieve its objectives, the Institute is running 50 Gonpa/Nunnery Schools in different monasteries which are extremely popular in the region. These schools are being run in collaboration with the respective monasteries, and accordingly, they arrange classrooms, hostel facilities and also provide ritual teachings. The Institute provides one to three teachers depending on the number of enrolment in a particular school. Besides, the furniture, stationery, text books and note books and stipend to the students etc., are being provided by the Institute. The teachers appointed by the Institute provide the modern elementary education viz. Bhoti, Hindi, English, Mathematics, Social Studies etc., in addition to the monastic education. During the year under report, 927 students were enrolled in the 50 Gonpa/Nunnery schools located in different monasteries of Ladakh. The school-wise and class-wise enrolment of the students for the year 2016-17 is placed as Annexure at page 79.

22. ANNUAL FUNCTION

The 57th Annual Day of the Central Institute of Buddhist Studies was organized on 23rd October, 2016 on the Institute's Campus with great enthusiasm. The prizes were distributed among the position holders in the Annual Examination and in favour of the students who won in various competitions viz., essay competition, poem recitation competition, painting competition, lecture competition, sports activities, cultural activities, quiz competition etc. Dr. Sonam Dawa Lonpo, Hon'ble Chief Executive Councilor of Ladakh Autonomous Hill Development Council, Leh, was the Chief Guest on the occasion and the prizes were distributed by him. Besides Shri Thupstan Chewang, Hon'ble Member of Parliament Lok-Sabha and Shri Nawang Rigzen Jora, Hon'ble Member of Legislative Assembly, Jammu & Kashmir also attended the function as Guests of Honour. A colorful Cultural Programme was presented by the students of the Institute on the occasion. The function was attended by many scholars, Guests of the Ladakh region in addition to the staff and students. The function culminated with the singing of the National Anthem.

23. OTHER IMPORTANT EVENTS

The following celebrations and activities were carried out in the Institute with great enthusiasm during the year under report:

i) **Birth Anniversary of Bharat Ratna Dr. B.R. Ambedkar:** 125th Birth Anniversary of Bharat Ratna Dr. B.R. Ambedkar was celebrated on 14th April, 2016 in the Institute. The faculty members and senior students actively participated in the function and threw light on the life and





- achievements of Dr. B.R. Ambedkar. Essay and elocution competitions among the students were organized on the occasion. Prof. Konchok Wangdus, Director presided over the function.
- ii) **Birth Anniversary of Dr. RadhaKrishanan:** The Institute celebrated the birth anniversary of Dr. Radhakrishan as Teachers' Day on 5th September, 2016. The teachers and students threw light on the life and achievements of Dr. Radhakrishanan. The teachers emphasized on the need of the students to follow and implement the principles and ideas of Dr. Radhakrishanan in their life.
- iii) *Hindi Divas:* The Institute celebrated the Hindi Divas on 14th September, 2016 by conducting various types of literary competitions viz. eassy writing, poem recitation, lecture delivery etc., in Hindi language. The prizes were distributed among the first, the second and the third position holders in the above competitions. Besides, the scholars delivered lectures on the importance and use of Hindi language.
- iv) **Bhum Recitation:** The Institute organized Bhum Recitation on 10-04-2016 by involving the staff and students for peace and prosperity of all sentient beings in world. This arrangement has been made with the contribution of the staff and students.
- **Buddhist Chanting of Ladakh:** The list of intangible cultural heritage was established by UNESCO, aiming to ensure the better protection of important intangible cultural heritage worldwide and the awareness of their significance. The programme for the list of intangible cultural heritage has been launched with an aim to draw attention to the importance of safeguarding the intangible heritage, which has been identified by UNESCO as an essential component and a repository of cultural diversity and creative expression. The Intangible Cultural Heritage (ICH), which is also called the living heritage, means the practice of representations, expression, knowledge, skills of a people as well as the instruments, objects, artifacts and cultural spaces associated with those communities/groups/individuals. Thus, ICH can be manifested, inter-ala, in any of the following domains: oral tradition and expressions including language, performing arts, social practices, rituals and festival events, knowledge and practices conserving nature and universe as well as traditional craftsmanship. Accordingly, the Government of India, Ministry of Culture entrusted the job to the Institute for preparation of the nomination dossier for Buddhist Chanting of Ladakh for inscription on UNESCO's representative list of intangible cultural heritage (second circle). The Institute prepared the nomination dossier in the shape of audio-visual documentation of 60 minutes duration and a shorter version of 10 minutes duration in digital video format in English, and presented the same before UNESCO through the Model Agency IGNCA. UNESCO selected the Buddhist Chanting of Ladakh, recitation of sacred Buddhist texts in trans-Himalayan



Ladakh to be included in the list of intangible cultural heritage of humanities. The Buddhist chanting of Ladakh comprised of the chanting of the following monasteries of Ladakh.

| S.No. | Name of Monastery | Theme of Chanting |
|-------|-------------------|-------------------|
| 1. | Hemis Gonpa | Rigma Chutuk |
| 2. | Thiksay Gonpa | Shar-Kangri-ma |
| 3. | Spituk Gonpa | Nas-Tans |
| 4. | Pyang Gonpa | Chod |
| 5. | Matho Gonpa | Kun-rig |

- vi) **Swachh Bharat Abhiyan:** The Govt. of India on the initiative of Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi launched the Swachh Bharat Abhiyan with a view to make the whole country neat and clean. Accordingly, the Central Institute of Buddhist Studies, Leh keeping in view the initiative in mind, took up the assigned job to make neat and clean of the office, class room, campus and surrounding areas of the Institute by involving the staff and students on the following occasion.
 - i) World Environment day on 5th June, 2016
 - ii) Birth Anniversary of Mahatama Gandhi on 2nd October, 2016

Besides, as per the framed calendar, the Institute took up the task of cleaning on monthly basis. Moreover, on weekly basis the faculty members deliver lectures to the students about the importance of Swachh Bharat Abhiyan and also arrange various types of competitions viz, essay, poem recitation, lecture, painting etc., among the students on this theme during the year. The Institute organized the Swachh Bharat Pakhawada from 16-09-2016 to 30-09-2016 by conducting various activities as per the direction of the Govt. of India Ministry of Culture.

24. WINTER CAMP

The Institute on the initiative of the Students' Welfare Committee organized one month winter camp w.e.f. 12th December, 2016 to 13th January, 2017 with a view to improve the academic standard of the students, lingual skills and boosting self-confidence along with the awareness for preservation and promotion of the cultural heritage of the region. A number of activities were carried out during the period such as, philosophical debate, prayer, meditation, dance, song, games, speech delivery, and interaction with educationist, leaders and other experts. The expenditure was incurred under tribunal sub-plan and the donation of NGOs.



25. PROJECT FOR TRANSLATION OF BUDDHIST PHILOSOPHICAL TEXT

Thousands of Buddhist Philosophical texts containing the teachings of Bhagwan Buddha and the books composed by the Indian and Tibetan scholars are available in Bhoti languages. The Non-Bhoti knowing scholars including researchers are unable to benefit themselves from these valuable books. Thus, the Institute has launched a small translation project to translate the Buddhist Philosophical Texts into Hindi for the benefit of the scholars, researchers and other interested people with the approval of the Board of Management of the Institute.

26. PROJECT OF THE COMPILATION OF ENCYCLOPEDIA OF HIMALAYAN BUDDHIST CULTURE

The Board of Management of the Institute approved the project of the compilation of Encyclopedia of Himalayan Buddhist Culture. The project was initially approved for a period of five years and it has been proposed to compile the Encyclopedia in 10 volumes. The project is launched by engaging scholars on contractual basis. The project is in progress under the supervision of a Chief Editor assisted by two Editors and three Research Assistants. Two volumes of the Encyclopedia covering the Ladakh region have already been published. Two volumes on Lahul Spiti and Kinnour valley of H.P. have already been complete and ready to be published. The works on other volumes are in progress. The Board of Management, CIBS, Leh in its meeting held on 19.12.2011 approved the extension of the project for a further period of five years, keeping in view its significance.

27. MANUSCRIPTS RESOURCE CENTRE

The National Mission for Manuscripts, Govt. of India has designated CIBS, Leh as the Manuscripts Resource Centre and Manuscripts Conservation Centre for the Ladakh region. Accordingly, the Institute is carrying out the assigned job by engaging scholars on contractual basis. At present, seven Resource Persons are working on the project from March to November. The documentation works are kept closed for three months from December to February due to severe cold weather. The Institute so far has documented about 30,519 manuscripts from 2,125 different Monasteries/Palaces/Individuals of Ladakh region. The Institute is trying to document all available manuscripts in the region. Besides, the Institute also carries out the conservation of rare manuscripts available in different monasteries of the region. So far, we have conserved 20,997 folios.

28. PLACEMENT OF STUDENTS AFTER OBTAINING THEIR DEGREE/DIPLOMA

The Institute provides the degree of Ph.D., Acharya (equivalent to M.A.) in





Bhot Baudh Darshan, Sanskrit Baudh Darshan, Ancient Indian Buddhist History, Bhot Literature and Comparative Philosophy; Shastri (equivalent to B.A); Uttar Madyama (equivalent to +2), and Purva Madyama (equivalent to Matriculation). Besides, Six Years' diplomas in Sowa Rigpa (Baudh Medical Science), Scroll Painting (Thankhas), Sculpture and Wood Carving are also being provided. It is observed that none of the students having obtained the above degrees from CIBS, Leh are without job. The students having passed their respective degrees/diplomas easily get appointments, especially in the Education Department of Jammu & Kashmir, Kendriya Vidyalaya, Navodaya Vidyalaya and Private Schools and actively work for the preservation and promotion of the cultural heritage of the region by involving the students of the respective schools. The candidates having the above degrees/diplomas have good opportunity for appointment in the Department of Akashwani and Doordarshan, as they prefer for the candidates having good knowledge of the local language. The Institute feels proud that the Alumni of CIBS, Leh have good positions in the State and the Central Government Services recruited through Kashmir PSC and UPSC. Besides, the Alumni of the Institute are serving for the country in the Military and Para-Military forces all over India. Some Alumni of the Institute are working in eminent Universities such as Vishva Bharati University, Shantinekatan; Jawahar Lal Nehru University, Delhi, etc. There are numbers of officers in the police department of Jammu and Kashmir who have obtained degrees from CIBS, Leh. The branch and feeder schools of CIBS, Leh are run by appointing the alumni of CIBS, Leh which help the preservation and promotion of the cultural heritage of the region.

The students having the diploma in Sowa Rigpa (Baudh Medical Science) have been engaged in the State Health Department under the "Centrally Sponsored Scheme", National Rural Health Mission, to look after the rural patients throughout the region. The students having diploma in Thankha Painting, Sculpture and Wood Carving are earning handsome amount by preparing the Thankhas,

Statues and Wood Carving works for the local people as well as tourists visiting Ladakh. Besides, the candidates having the above diplomas are appointed as Instructors in the organizations running similar courses.

In this way, thousands of students have passed and obtained various degrees/diplomas from CIBS, Leh and none of them are found unemployed which is a great achievement of CIBS, Leh.

29. DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR

i) **Brief History:** In 1980, His Holiness Dalai Lama XIV paid his first visit to Zanskar on the invitation of the Buddhist Association, Zanskar and felt it





necessary to open a school for the preservation of the rich culture of the area. Accordingly, he donated some funds to the Buddhist Association, Zanskar for the purpose. In September 1984, the Buddhist Association established a School at Duzin Photang for the benefit of the poor and needy students of the area. Initially, 101 students were admitted in the School and three teachers were also appointed. The hostel facilities were also provided to the students coming from far-flung areas. The Buddhist residents of Zanskar also donated funds for the improvement and upgradation of the School. H.H. the Dalai Lama, during his second visit to Zanskar in 1988, further donated funds for the development of the School. The Buddhist Association, Zanskar and the people of Zanskar had represented to the then Hon'ble Prime Minister of India, Shri Rajiv Gandhi regarding the importance of the School with a request to take over the school by the Govt. of India on the pattern of the Central Institute of Buddhist Studies, Leh. The Hon'ble Prime Minister of India Shri Rajiv Gandhi paid his visit in March/April 1988 to Zanskar and decided that the Govt. of India would take over D.P.S. as a branch school of CIBS, Leh w.e.f. 1st November, 1989. Since then, the School is being run under the financial and administrative control of CIBS, Leh-Ladakh. At present 296 students are on the roll of the School from Classes I to X. A campus consisting of teaching block, a small library, a multi-purpose Hall, Hostel for 100 students, some Staff Quarters and a play ground is available. It is one of the best campuses in the entire Zanskar valley. A bus is also available to lift the day scholars of the school. Zanskar valley is an isolated place, even remains cut off from Leh and Kargil for about 6 to 7 months in a year during winter.

- (ii) **Examination Result:** The annual examination of the students from class 1st to 8th of Duzin Photang School, Zanskar is being conducted by the School under the supervision of the Head Master. The annual examination of class IX and X are being conducted by Central Institute of Buddhist Studies, Leh. An examination centre has been set up at Duzin Photang School, Zanskar keeping in view the hardship faced by the students for coming to Leh for examination purpose. The class-wise enrolment of students alongwith the result of each class for the academic year 2016-17 is placed as Annexure at page 81.
- (iii) *Other activities:* The school is carrying out various co-curricular activities viz, Annual Sports- cum-Literary Competitions, Conduct of Educational Tours to visit the historical places/monasteries, celebration of birth anniversary of important national level personalities, conduct of monthly lecture competitions etc. Besides, the School has a small Library with good collection of books for the students. The school also actively participates in parade and cultural programmes organized by State Govt. of Jammu & Kashmir on the occasion of Republic Day and Independence Day.





iv) **Staff strength:** The staff strength of Duzin Photang School for the year under report is placed as Annexure at page 82.

30. BAUDDHA DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, KEYLONG, DISTRICT LAHOUL & SPITI (H.P.)

Brief History: The Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong, Lahaul-Spiti (H.P.) was established in the year, 1976 to preserve the most valuable Buddhist Arts, Culture and Language of the Himalayan region viz; Lahaul, Spiti, Kinnaur, Pangi, Kullu and Manali. Prior to 1959, Scholars, Novices and Monks of this area used to go Tibet to pursue higher Monastic Education which came to an end in 1959 due to historical reasons. Thus the Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong came into existence to continue the old age practice to provide monastic education to the young novices. Initially, the Vidyalaya was run with the funds raised by public donation. Subsequently, the Govt. of India, Ministry of Culture provided some financial assistance under the scheme of Financial Assistance for Development of Buddhist/Tibetan Organisations. The State Government of Himachal Pradesh also provided some financial assistances for its maintenance which was subsequently discontinued. The people of the region tried their best for the take over of the Vidyalaya as an Autonomous Organization of the Govt. of India on the pattern of Central Institute of Buddhist Studies, Leh and Central University of Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. But, it could not be taken over as an Autonomous Organization of the Govt. of India, Ministry of Culture. However recently, the Govt. of India, Ministry of Culture on the recommendation of the Board of Management, CIBS, Leh decided to take over the Vidyalaya as a branch School of CIBS, Leh on the pattern of Duzin Photang School, Zanskar. Accordingly, CIBS, Leh took over the Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong, H.P. as a branch School from 5 March, 2010 in pursuance to Govt. of India, Ministry of Culture's letter No. F.1-11/2004-BTI dated 05-03-2010. Since then the administration of the Vidyalaya is being looked after by CIBS, Leh with full financial support. At present 75 students are studying in the Vidyalaya from Class I to X. Consequent upon the take over as Branch School of CIBS, Leh, the number of students is likely to increase. The Vidyalaya is affiliated to the Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi and the examination of the students is being conducted by the said University. There are one Headmaster, six Trained Graduate Teachers (TGTs), one Bhoti Teacher, one Buddhist Philosophy Teacher, one UDC and three Class-IV employees working in the Vidyalaya. The Central Institute of Buddhist Studies, Leh provides the salaries of the Staff, stipend to the students, furniture/furnishing items and other day-to-day expenditure of the Vidyalaya on the pattern of Duzin Photang School, Zanskar. Subsequently, the Board of Management decided to shift the Vidyalaya to





Mandogulu, Mandi, H.P. Where rentfree accommodation is provided by the Drigung Kagyud Society.

- (ii) **Examination of BDSV, Mandogulu:** The Annual Examination of Class-VI to VIII of the Vidyalaya is being conducted under the supervision of the Headmaster of the said Vidyalaya. The Annual Examination of class-IX and X is being conducted by the Central Institute of Buddhist Studies, Leh. The Class-wise enrolment of students alongwith the result of each class for the Academic Year 2016-17 is placed as Annexure at page 83.
- (iii) **Staff Strength:** The staff strength of the Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong, H.P is placed as Annexure at page 84.



Annexure

COMPOSITION OF BOARD OF MANAGEMENT COMMITTEE

| S.No. | Name and Address | Position |
|-------|---|---------------|
| 1. | Shri M.L. Srivastva | Chairperson |
| | Joint Secretary to the Govt. of India | |
| | Ministry of Culture, New Delhi | |
| 2. | Shri Saugat Biswas | Vice-Chairman |
| | Deputy Commissioner/Chief Executive | |
| | Officer, LAHDC, Leh | |
| 3. | Prof. R.K. Diwedi | Member |
| | (Nominee of the Vice-Chancellor of the | |
| | University to which the Institute is affiliated) | |
| 4. | Mrs. Arun Gupta | Member |
| | Director (Finance) | |
| | Ministry of Culture | |
| | Govt. of India, New Delhi | |
| 5. | One Representative of the Ministry of | Member |
| | External Affairs | (Ex-Officio) |
| 6. | Shri Pradeep Das | Member |
| | Director, to the Govt. of India, Ministry of Culture | (Ex-Officio) |
| | (Dealing with affairs of the Insitute) | |
| 7. | Chief Education Officer, Leh | Member |
| | (Representative of Education Deptt. Govt. of J&K) | (Ex-Officio) |
| 8. | Geshe Lobzang Samsten | Member |
| | President, All Ladakh Gonpa Association, Leh | |
| | (Representative of All Ladakh Gonpa Association, Leh) | |
| 9. | Shri Tsewang Thinley | Member |
| | President, Ladakh Buddhist Association, Leh | |
| | (Representative of Ladakh Buddhist Association, Leh) | |
| 10-12 | Three Buddhist Scholars nominated by Govt. of India | |
| | (i) Prof. Nawang Samten | Member |
| | Vice-Chancellor | |
| | Central University of Tibetan Studies (CUTS) | |
| | Sarnath, (U.P.) | |
| | (ii) Director, Nav Nalanda Mahavihara, Nalanda | Member |
| | (iii) Rev. Vimalatisa Bhikhu | Member |
| | Village: Chongkham, P.O. Chongkham | |
| | Distt. Lohit, Arunachal Pradesh | |
| 13. | Staff Representative nominated by Govt. of India | Member |
| 14. | Prof. Konchok Wangdu | Member-Secy |
| | Director | |
| | CIBS, Leh | |



Annexure

COMPOSITION OF ACADEMIC COMMITTEE

| S.No. | Name and Address | Position |
|--------|--|------------------|
| 1 | Prof. Konchok Wangdu Director Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsa | Chairperson r |
| 2-5. | Deans/Faculties | |
| | 1) Geshe Dakpa Kalzang (Faculty of Buddhist Philosophy and Logic) | Member |
| | 2) Khenpo Konchok Thupstan (Faculty of Language and Literature) | Member |
| | 3) Khenchen Tsewang Rigzin (Faculty of Modern Studies) | Member |
| | 4) Dr. Thinley Yangjor (Faculty of Sowa Rigpa and Shilpavidya) | Member |
| 6-9. | Heads of Department | |
| | Dr. Urgain Dadul Department of Bhot Baudh Darshan | Member |
| | Geshe Lobzang Tsultim Department of Sampradya Shastra | Member |
| | Dr. S.P. Chakravarti Department of Sanskrit Baudh Darshan | Member |
| | Shir Sonam Wangchok Department of Modren Languages | Member |
| 10. | Dr. Bhagwati Prasad Department of Classical Languages | Member |
| 11. | Rev. Konchok Thapdol Department of Art and Crafts | Member |
| 12. | Dr. P.S. Jina Department of Social Sciences Three Educationalists of repute not in the services of Institute | Member |
| 13-15. | Prof. Lobzang Phuntsog | Member |
| | Prof. Lobzang Tsewang | Member |
| | Prof. Tashi Samphel | Member |
| 16. | Shri Tsering Mutup Administrative Officer | Member-Secretary |



Annexure

COMPOSITION OF FINANCE COMMITTEE, CIBS, LEH

| S.N | o. Name and Address | Position |
|-----|---|------------------|
| 1. | Shri Arun Gupta Director (Finance) Ministry of Culture Govt. of India, New Delhi | Chairperson |
| 2. | Shri Pradeep Kumar Das (Dealing with affairs of the Institute) Ministry of Culture Govt. of India, New Delhi | Member |
| 3. | Prof. Konchok Wangdu Director CIBS, Leh | Member |
| 4. | Shri Tsering Mutup Administrative Officer CIBS, Leh | Member-Secretary |



COMPOSITION OF PUBLICATION COMMITTEE, CIBS, LEH

| S.N | o. Name and Address | Position |
|-----|---|------------------|
| 1. | Prof. Konchok Wangdu Director CIBS, Leh | Chairperson |
| 2. | Dr. Padmakar Mishra Publication In-charge S.S. University, Varanasi | Member |
| 3. | Chief Editor Translation Unit Central University of Tibetan Studies Sarnath, Varanasi (U.P.) | Member |
| 4. | Khanpo Konchok Phandey Leh, Ladakh | Member |
| 5. | Dr. Lobzang Tsewang Professor Comparative Philosophy CIBS, Leh | Member |
| 6. | Dr. Konchok Rigzen Research Officer CIBS, Leh | Member |
| 7. | Shri Tsering Mutup Administrative Officer CIBS, Leh | Member-Secretary |



COMPOSITION OF LIBRARY COMMITTEE, CIBS, LEH

| S.N | o. Name and Address | Position |
|-----|---|------------------|
| 1 | Prof. Konchok Wangdu Director CIBS, Leh | Chairperson |
| 2. | Librarian District Library, Leh | Member |
| 3. | Dr. Tashi Samphel Director Srongtsan Library, Dehradun | Member |
| 4. | Rev. Lagdor Director Tibetan Library and Archives Dharamsala (H.P.) | Member |
| 5. | Smt. Tsewang Dolma Library & Information Officer CIBS, Leh | Member-Secretary |



COMPOSITION OF RESEARCH COMMITTEE, CIBS, LEH

| S.N | o. Name and Address | Position |
|-----|---|------------------|
| 1. | Prof. R.K. Dwevidi Prof. and Head Department of Buddhist Philosophy S.S. University, Varanasi (U.P.) | Chairperson |
| 2. | Prof. Pradyumna Dubey Professor of Pali & Buddhist Studies B.H.U., Varanasi (U.P.) | Member |
| 3. | Dr. Hira Pal Gang Negi Associate Professor University of Delhi, Delhi | Member |
| 4. | Prof. Jamyang Gyaltsan Professor of Bhot Literature CIBS, Leh | Member |
| 5. | Dr. L.N. Shastri Chief Editor Central University of Tibetan Studies Sarnath, Varanasi (U.P.) | Member |
| 6. | Prof. Konchok Wangdu Director CIBS, Leh | Member-Secretary |



STAFF STRENGTH CATEGORY-WISE OF CIBS, LEH

| | A. ACADEMIC POSTS | | | | | | | | |
|-----------|-----------------------|----------------------------|----------------|--------------|--------|--|--|--|--|
| S. No. | Name of Post | Pay Band & Grade (in ₹) | Sanct. Post | Filled up | Vacant | | | | |
| 1. | Director | 37400-67000+10000 | 01 | 01 | _ | | | | |
| 2. | Professor | 37,400-67000+8900 | 04 | 0 | 04 | | | | |
| 3. | Reader | 15600-39100+7600 | 09 | 05 | 04 | | | | |
| 4. | Lecturers | 15600-3910+5400 | 23 | 21 | 02 | | | | |
| 5. | Master Craftsman | 15600-3910+5400 | 01 | 01 | _ | | | | |
| 6. | T.G.T. | 9300-34800+4600 | 12 | 10 | 02 | | | | |
| 7. | Instructor (WC) | 5200-20200+2800 | 01 | 01 | _ | | | | |
| 8. | Gonpa Teacher | 5200-20200+2800 | 100 | 90 | 10 | | | | |
| | B. | NON TEACHING STAFI | र | | | | | | |
| 1. | Adm. Officer | 15600-39100+6600 | 1 | _ | 1 | | | | |
| 2. | Addl. Adm. Officer | 15600-39100+6600 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 3. | Office Superintendent | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 4. | Accountant | 9300-34800+4200 | 1 | | 1 | | | | |
| 5. | Staff Nurse | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 6. | P.A. | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 7. | Head Assistant | 9300-34800+4200 | 1 | | 1 | | | | |
| 8. | Stenographer | 5200 20200+2800 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 9. | Office Assistant | 5200-20200+2400 | 4 | 4 | _ | | | | |
| 10. | Cashier | 5200-20200+2400 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 11. | Store Keeper | 5200-20200+2400 | 1 | _ | 1 | | | | |
| 12. | LDC | 5200-20200+1900 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 13. | Pump-Operator | 5200-20200+2400 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 14. | Driver | 5200-20200+2400 | 2 | 2 | _ | | | | |
| 15. | Guards Commander | 5200-20200+2400 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 16. | Sr. Guardsman | 5200-20200+1900 | 1 | 1 | _ | | | | |
| 17. | Guardsman | 4440-7440+1300 | 4 | 4 | _ | | | | |





| S. No. | Name of Post | Pay Band & Grade (in ₹) | Sanct. Post | Filled up | Vacant | | | |
|------------------|------------------------------------|----------------------------|----------------|--------------|--------|--|--|--|
| 18. | Jamadar | 4440-7440+1400 | 1 | 1 | _ | | | |
| 19. | Peon | 4440-7440+1300 | 6 | 5 | 1 | | | |
| 20. | Hostel Cook | 4440-7440+1300 | 4 | 3 | 1 | | | |
| 21. | Hostel Bearer | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | _ | | | |
| 22. | Canteen Bearer | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | _ | | | |
| 23. | Mali | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | _ | | | |
| 24. | Safiawala | 4440-7440+1300 | 3 | 3 | _ | | | |
| | (| C. LIBRARY STAFF | | | | | | |
| 25. | Library and Information Officer | 15600-3910+5400 | 1 | 1 | _ | | | |
| 26. | Asstt. Editor Cum Cataloguer | 9300-34800+4200 | 1 | _ | 1 | | | |
| 27. | Library Information Asstt. | 9300-34800+4200 | 1 | 1 | _ | | | |
| D. RESEARCH WING | | | | | | | | |
| 29. | Research Officer | 15600-3910+5400 | 1 | 1 | | | | |
| 30. | Translator | 9300-34800+4600 | 1 | 1 | _ | | | |
| | | | | | | | | |



RESULT OF THE STUDENTS OF THE CIBS, LEH FOR THE YEAR 2016-2017

| S.No. | Class | No. of Students enrolled | Appeared | Passed | Pass % |
|--------|------------------|--|----------|--------|--------|
| A. Un | iversity Classes | | | | |
| 1. | P.M. I | 113 | 113 | 73 | 65 |
| 2. | P.M. II | 82 | 82 | 82 | 100 |
| 3. | U.M. I | 63 | 63 | 40 | 63 |
| 4. | U.M. II | 44 | 44 | 41 | 93 |
| 5. | Shastri I | 46 | 46 | 34 | 74 |
| 6. | Shastri II | 43 | 43 | 43 | 100 |
| 7. | Shastri III | 46 | 46 | 46 | 100 |
| 8. | Acharya I | 18 | 18 | 11 | 61 |
| 9. | Acharya II | 31 | 31 | 31 | 100 |
| | Total | 486 | 486 | 401 | 83 |
| B. Tra | ditional Himalay | an Arts | | | |
| 1. | Wood carving | 8 | 8 | 7 | 85 |
| 2. | Sculpture Cours | e 11 | 11 | 10 | 91 |
| 3. | Amchi Course | 38 | 38 | 21 | 55 |
| 4. | Painting Course | 27 | 27 | 27 | 100 |
| 5. | Astrology Cours | va I 18 18 11 va II 31 31 31 486 486 401 Himalayan Arts carving 8 8 7 ure Course 11 11 10 Course 38 38 21 ng Course 27 27 27 ogy Course 3 3 02 87 87 67 ng 51 46 41 50 47 44 | 67 | | |
| | Total | 87 | 87 | 67 | 97 |
| C. Jui | nior Wing | | | | |
| 1. | VI | 51 | 46 | 41 | 89 |
| 2. | VII | 50 | 47 | 44 | 94 |
| 3. | VIII | 66 | 64 | 47 | 73 |
| | Total | 167 | 157 | 132 | 84 |
| Grant | Total (A+B+C) | 740 | 730 | 600 | 82 |



SCHOOL-WISE AND CLASS-WISE ENROLMENT OF STUDENTS OF THE GONPA/NUNNERY SCHOOLS OF CIBS, LEH FOR THE YEAR 2015-16

| S.No. | No. Name of Gonpa/ Clar Nunnery School ——————————————————————————————————— | | | | | Class-wise total enrollment | | | | No. of Teachers |
|--------|---|-----|-----|-----|-----|-----------------------------|-----|-----|-------|--------------------|
| | Trainery School | 1st | 2nd | 3rd | 4th | 5th | 6th | 7th | Total | Posted |
| 1 He | mis Gonpa School | 06 | 10 | 17 | 22 | 20 | 28 | 08 | 111 | 4 |
| 2 Sh | achukul Gonpa | 04 | 03 | 06 | 07 | 03 | 07 | 10 | 40 | 3 |
| 3 Ch | emday Gonpa | 01 | _ | 06 | 10 | 03 | _ | _ | 20 | 2 |
| 4 An | lay Gonpa | 01 | 01 | 01 | 04 | 05 | _ | _ | 12 | 2 |
| 5 Ka | rma Dupgyud Chosling | 11 | _ | 03 | 05 | 03 | _ | _ | 22 | 2 |
| 6 Lik | cir Gonpa | 03 | 05 | 08 | 01 | 04 | _ | _ | 21 | 3 |
| 7 Th | iksay Gonpa | 04 | 02 | 01 | 03 | 03 | _ | _ | 13 | 2 |
| 8 Sa | mstanling Gonpa | 05 | 03 | 03 | 02 | 01 | _ | _ | 14 | 2 |
| 9 Sp | ituk Gonpa | 12 | 05 | 05 | 05 | 03 | _ | _ | 30 | 2 |
| 10 Ph | ayang Gonpa | 04 | _ | 04 | _ | 03 | _ | _ | 11 | 2 |
| 11 Gy | udzinTantric Gonpa | 01 | 02 | _ | _ | 04 | _ | _ | 07 | 1 |
| 12 Ma | tho Gonpa School | 01 | _ | 07 | 01 | 02 | _ | _ | 11 | 1 |
| 13 Ha | nuthang Gonpa | 01 | 02 | 02 | _ | 01 | _ | _ | 06 | 1 |
| 14 Sta | akna Gonpa | 07 | 02 | 03 | 01 | _ | _ | _ | 13 | 1 |
| 15 Sk | yurbuchan Gonpa | _ | 01 | _ | 04 | 01 | _ | _ | 06 | 1 |
| 16 Mu | ıth Gonpa | _ | 02 | _ | _ | 02 | _ | _ | 04 | 1 |
| 17 Ny | oma Gonpa | 06 | 04 | 03 | 01 | _ | _ | _ | 14 | 2 |
| 18 Ch | ushul Gonpa | 03 | _ | 04 | 05 | _ | _ | _ | 12 | 2 |
| 19 Riz | zong Gonpa | 01 | 02 | 03 | 05 | 06 | _ | _ | 17 | 2 |
| 20 Dis | sket Gonpa | 03 | 02 | 04 | 02 | _ | _ | _ | 11 | 1 |
| 21 Ya | rma Gonbo | _ | _ | _ | 03 | _ | _ | _ | 03 | 1 |
| 22 Ba | rdan Gonap | 02 | 04 | 05 | 03 | 04 | _ | _ | 18 | 2 |
| 23 Ko | rzok Gonap | 06 | 02 | 01 | _ | 05 | _ | _ | 14 | 2 |
| 24 Ka | rsha Gonpa | 04 | 04 | 02 | 04 | 05 | _ | _ | 19 | 2 |
| 25 La | mayuru Gonpa | 01 | 03 | 03 | _ | 07 | _ | _ | 14 | 2 |
| 26 Ph | ukthar Gonpa | _ | 02 | 10 | 04 | 12 | 09 | _ | 37 | 3 |



| S.No. Name of Gonpa/ Class-wise total enrollment Nunnery School ——————————————————————————————————— | | | | | | No. of Teachers | | | |
|---|------|------|-----|-----|-----|--------------------|-----|-------|--------|
| Namery School | 1st | 2nd | 3rd | 4th | 5th | 6th | 7th | Total | Posted |
| 27 Rangdum Gonpa | _ | 05 | 09 | _ | 03 | _ | _ | 17 | 2 |
| 28 Muney Gonpa | 01 | _ | 04 | 06 | 08 | _ | _ | 19 | 2 |
| 29 Zongkhul Gonpa | _ | 05 | _ | 04 | _ | _ | _ | 09 | 1 |
| 30 Stongdey Gonpa | _ | 02 | 04 | 03 | _ | _ | _ | 09 | 1 |
| 31 Skakrimo Gonpa | 05 | 03 | 03 | 02 | 03 | _ | _ | 16 | 1 |
| 32 Paldar Gonpa | 07 | 14 | 13 | 14 | 10 | _ | _ | 58 | 3 |
| 33 Key Gonpa | _ | _ | 08 | 05 | 10 | _ | _ | 23 | 2 |
| 34 Tangyud Gonpa | 05 | _ | _ | 03 | 10 | _ | _ | 18 | 2 |
| 35 Nalanda Gonpa | 01 | 06 | 08 | 06 | _ | _ | _ | 21 | 2 |
| | NUNI | VERY | SCH | OOL | | | | | |
| 36 Tingmosgang Nunnery | 02 | _ | 01 | 06 | 02 | | _ | 11 | 1 |
| 37 Skitmang Nunnery | 02 | 02 | 04 | 01 | 03 | | _ | 12 | 2 |
| 38 Chulichan Nunnery | | 01 | 07 | 05 | 02 | | _ | 15 | 2 |
| 39 Bodhkharbu Nunnery | 03 | 04 | 01 | 02 | 01 | | _ | 11 | 1 |
| 40 Wakha Nunnery | 03 | _ | 01 | | 02 | | _ | 06 | 1 |
| 41 Shargol Nunnery | 01 | 02 | 02 | 01 | 01 | | _ | 07 | 2 |
| 42 Zangla Nunnery | 02 | 08 | _ | | 02 | | _ | 12 | 1 |
| 43 Karsha Nunnery | 06 | 08 | 02 | 03 | 03 | | _ | 22 | 1 |
| 44 Tashi Chosling Nunnery | 04 | 02 | 07 | 05 | 01 | — | _ | 19 | 2 |
| 45 Skaya Nunnery | 05 | 03 | 04 | 05 | _ | _ | _ | 17 | 3 |
| 46 Yangchan Choling | 01 | _ | 05 | 11 | _ | _ | _ | 17 | 2 |
| 47 Tungi Nunnery | 08 | 02 | 02 | _ | 05 | _ | _ | 17 | 2 |
| 48 Dorje Zong Nunnery | 02 | 09 | _ | 08 | _ | _ | _ | 19 | 1 |
| 49 Fakmoling Nunnery | 09 | 06 | 06 | 03 | _ | — | _ | 24 | 2 |
| 50 Deachen Choling Nunnery | | 03 | _ | 25 | _ | _ | _ | 28 | 2 |
| Grand Total | 154 | 146 | 192 | 210 | 163 | 44 | 18 | 927 | 90 |



RESULT OF THE STUDENTS OF DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR, LEH-LADAKH FOR THE YEAR 2016-2017

| S.No. | Class | No. of students enrolled | Appeared | Passed | Pass % |
|-------|-------|-----------------------------|----------|--------|-----------|
| 1. | 1st | 70 | 70 | 54 | 77 |
| 2. | 2nd | 38 | 38 | 31 | 82 |
| 3. | 3rd | 34 | 34 | 30 | 88 |
| 4. | 4th | 21 | 21 | 21 | 68 |
| 5. | 5th | 22 | 22 | 18 | 82 |
| 6. | 6th | 28 | 28 | 21 | 75 |
| 7. | 7th | 25 | 25 | 24 | 96 |
| 8. | 8th | 24 | 24 | 23 | 96 |
| 9. | 9th | 17 | 17 | 11 | 65 |
| 10. | 10th | 17 | 17 | 17 | 100 |
| | Total | 296 | 296 | 250 | 85 |



THE STAFF STRENGTH OF THE DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR

| | | Grade (in ₹) | Sanct. Post | Position | Vacant | | | | | |
|----|----------------------|-----------------|-------------|----------|--------|--|--|--|--|--|
| | A. TEACHANG STAFF | | | | | | | | | |
| 1. | Headmaster | 9300-34800+4600 | 1 | 1 | | | | | | |
| 2. | T.G.T. | 9300-34800+4200 | 7 | 6 | 1 | | | | | |
| 3. | Primary Teacher | 5200-20200+2800 | 5 | 5 | | | | | | |
| 4. | PET (Contractual) | 17140 (Fixed) | _ | 1 | | | | | | |
| | | B. NON-TEACHANG | STAFF | | | | | | | |
| 1. | UDC (Contractual) | 9910 (Fixed) | | 1 | | | | | | |
| 2. | Cook | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | | | | | | |
| 3. | Peon | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | | | | | | |
| 4. | Driver (Contractual) | 8510 (Fixed) | | 1 | | | | | | |
| 5. | Mali | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | | | | | | |
| 5. | Chowkidar | 4440-7440+1300 | 1 | 1 | _ | | | | | |



RESULT OF THE BAUDH DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, KEYLONG, LAHAUL & SPITI, H.P. FOR THE YEAR 2016-2017

| S.No. Class | No. of Students | Appeared | Passed | Pass % |
|-------------|-----------------|----------|--------|--------|
| 1. 1st | 06 | 06 | 06 | 100 |
| 2. 2nd | 04 | 04 | 04 | 100 |
| 3. 3rd | 11 | 11 | 11 | 100 |
| 4. 4th | 11 | 11 | 11 | 100 |
| 5. 5th | 10 | 10 | 10 | 100 |
| 6. 6th | 19 | 19 | 19 | 100 |
| 7. 7th | 04 | 04 | 04 | 100 |
| 8. 8th | 03 | 03 | 03 | 100 |
| 9. 9th | 03 | 03 | 02 | 67 |
| 10 10th | 02 | 02 | 02 | 100 |
| Total | 73 | 73 | 72 | 98.63 |



THE STAFF STRENGTH OF THE BAUDH DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, KEYLONG, H.P.

| S.N | lo. Teaching Staff | Pay Band + Grade pay (in ₹) | Sanct. Post | position | Vacant |
|-------------|--------------------|--------------------------------|-------------|----------|--------|
| A. ′ | Teaching Staff | | | | |
| 1. | Headmaster | 9300-34800+4800 | 1 | _ | 1 |
| 2. | T.G.T. | 9300-34800+4600 | 8 | 7 | 1 |
| 3. | Phy. Ed. Teacher | 9300-34800+4600 | 1 | 1 | _ |
| В. 1 | Non-Teaching Staff | | | | |
| 4. | U.D.C. | 5200-20200+2400 | 1 | _ | 1 |
| 5. | Class-IV | 4440-7440+1300 | 3 | _ | 3 |



केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान लेह का समाप्त वर्ष 31 मार्च 2017 के खातों पर भारत सरकार के नियंत्रक एवं लेखा-परीक्षक का पृथक् लेखा परीक्षण रिपोर्ट

- 1. हमने नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक के अधिनियम 1971 के अनुच्छेद 20(1) (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा की शर्तों) के अधीन केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान के 31 मार्च 2017 तक के तुलन-पत्र एवं उसी दिन समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय खातों तथा प्राप्ति एवं भुगतान खातों की परीक्षा की। ये वित्तीय विवरण केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान के प्रबन्धन की जवाबदेही है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षण के आधार पर विचार अभिव्यक्त करना है।
- 2. पृथक लेखा परीक्षा में वर्गीकरण, उत्तम लेखा-व्यवहारों की अनुरूपता, लेखा के मानकों एवं उद्घाटित नियम आदि के सन्दर्भ में भारत सरकार के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी सम्मिलित है। यह लेखा परीक्षण, विधि, नियमों एवं विनियमों (अधिकार एवं नियमन) तथा दक्षता-सह- कार्यक्षमता, यदि कोई हो, तो उसके लागू करने के सन्दर्भ में निरीक्षण रिपोर्ट/सी.ए.जी. लेखापरीक्षण रिपोर्ट के माध्यम से अलग-अलग सूचित किया गया है।
- 3. हमने, भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षामानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि यह लेखा परीक्षण की योजना और क्रियाान्वयन इस सकारात्मक दावे के लिए करते हैं कि वित्तीय विवरण मिथ्या तथ्यों से मुक्त हो। लेखा-परीक्षण में जाँच के आधार पर राशि और प्रकटीकरण के समर्थन में दिये गये साक्ष्य पर आधारित वित्तीय विवरण सम्मिलित रहता है। लेखा-परीक्षण में उपयोग में लाये गये लेखा सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किये गये महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों एवं यहाँ तक कि वित्तीय विवरणों के सम्पूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्याकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारा लेखा-परीक्षण हमारे विचार को एक न्यायोचित आधार प्रदान करता है।
- हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं कि-
 - (1) हमें सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण, जो हमारे संज्ञान एवं विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे, प्राप्त हुए।
 - (2) तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते जिन को इस रिपोर्ट में लिया गया है, वित्तमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर वर्णित हैं।
 - (3) हमारे विचार में, लेखा-बही और अन्य सम्बन्धित अभिलेखों का अनुपालन केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान द्वारा सही तरीके से किया गया है, जैसा कि इन पुस्तिकाओं के परीक्षण से हमारे सामने आया है।
 - (4) हम आगे रिपोर्ट देते हैं किः





क) तुलन-पत्र निधि का उपयोग अचल सम्पत्तियाँ - (अनुसूची 2) चालू पूंजीगत कार्य : ₹5.59 करोड़

पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा उपलब्ध कराए गए उपयोग प्रमाण पत्रों के अनुसार संस्थान द्वारा जारी ₹8.38 करोड़ में से प्रगति पर चल रहे कामों के लिए ₹7.14 करोड़ का व्यय किया गया है। जब कि खातों में पी.डब्ल्यू. डी. को प्रगति चल रहे काम तथा अग्रिम कार्य में क्रमशः ₹5.59 करोड़ और ₹3.37 दर्शाए गए हैं। इन आंकड़ों को सुधारने की आवश्यकता है।

ख) आय और व्यय का लेखा अनुदान/आथिक सहायता (अनुसूची 4)

पिछले वर्ष के कॉलम के तहत वर्ष 2016-17 (योजना ₹7.61 करोड़ और गैर योजना ₹7.95 करोड़) के वार्षिक खातों में दिखाए गए अनुदान ⁄सब्सिडी के आंकड़े वर्ष 2015-16 (योजना ₹7.95 करोड़ और गैर योजना ₹7.61 करोड़) के संस्थान के वार्षिक खातों में दिखाए गए आंकड़ों से मेल नहीं खाते।

ग) अत्यन्त महत्वपूर्ण लेखा नीति (अनुसूची 9)

- (1) लेखा नीति के संख्या (क) में कहा गया है कि वित्तीय विवरण भारत के चार्टर्ड एकाउन्ट्स संस्थान द्वारा निर्दिष्ट लेखा मानकों (ले.ख.) के अनुसार तैयार किया गया है। ए.एस. 15 के अनुसार सेवानिवृत्ति लाभ का लेखा से संबंधित लेखा वर्ष के अन्त तक सेवा प्रदान करने की सेवा-पारितोषिक एवं अवकाश-नगद के लिए प्रावधान होना चाहिए। हालंकि संस्थान ने सेवा में कार्यरत अपने कर्मचारियों के लिए 31 मार्च 2017 तक सेवा-पारितोषिक एवं अवकाश-नगद से संबन्धित कोई प्रावधान नहीं किया है, जिससे लेखांकन नीति संख्या (क) का उल्लंघन हुआ है, जैसा कि ऊपर कहा गया है और लेखा के समान प्रारूप का उल्लंघन है।
- (2) ऊपर के संख्या 1 को ध्यान में रखते हुए लेखा नीति संख्या (ख) के अनुसार, जो लेखांकन के नकद विधि का अनुसरण करते हुए वित्तीय विवरण तैयार किया गया है, वह भी लेखा नीति के संख्या (क) तथा ए.एस. 15 के अनुरूप नहीं है।

घ) सामान्य

सभी लेखाएं पृष्ठ क्रमांकित नहीं किया गया है।





ङ) सहायक अनुदान

पिछले वर्ष के बकाया राशि ₹0.89 करोड़ सिंहत कुल उपलब्ध निधि ₹17.99 करोड़, वर्ष 2016-17 के दौरान अनुदान के रूप में प्राप्त ₹16.92 करोड़ और वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज ₹0.18 करोड़ में से वर्ष के अंत में अनुपयुक्त शेष राशि ₹0.18 करोड़ छोड़ कर ₹17.81 करोड़ का उपयोग संस्थान द्वारा किया गया है।

- क) पूर्व पैराओं में बताए गए हमारे निरीक्षण के अधीन हम उल्लेख करते हैं कि तुलन पत्र, आय एवं व्यय का हिसाब और प्राप्ति एवं भुगतान के हिसाब, जो इस रिपोर्ट में है, वे लेखा पुस्तकों के अनुकूल बैठते हैं।
- ख) हमारे विचार में तथा हमारी जानकारी के अनुसार, जो स्पष्टीकरण हमें उपलब्ध कराये गये, उक्त वित्तीय विवरण को लेखा-परीक्षण सिद्धान्तों एवं लेखा-टिप्पणियों के साथ इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में उल्लिखित महत्त्वपूर्ण तथ्यों को भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षण के सामान्य सिद्धान्तों के अनुरूप सत्य एवं सही दृष्टि प्रदान करता है।
 - 1. यह केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान के कार्य कलापों का तुलन-पत्र 31 मार्च 2017 तक से सम्बन्धित है, तथा
 - 2. यह उस तिथि को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय खाता के घाटे से सम्बन्धित है।

भारतीय नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक के लिए/की ओर से

स्थान : चंडीगढ़

दिनांकः 16.11.2017

हस्त मुख्य लेखा परीक्षा महा निदेशक (मध्य), चंडीगढ़



परिशिष्ट

1. आन्तरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली

वर्ष 2011-2012 से 2016-17 तक संस्थान के आन्तरिक लेखा-परीक्षा का संचालन मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एच.आर.डी.) द्वारा किया गया है, फिर भी आन्तरिक लेखा-परीक्षा का विवरण अभी तक प्रतीक्षित है।

2. आन्तरिक नियन्त्रक प्रणाली

आन्तरिक नियन्त्रक प्रणाली निम्नलिखित कारणों से अपर्याप्त है :

- क) आन्तरिक लेखा-परीक्षा विवरण को अन्तिम रूप देने में विलम्ब।
- ख) स्थिर सम्पत्तियां, उपभोज्य और पुस्तकालय के पुस्तकों के लिए भौतिक सत्यापन संचालन नहीं करना।
- ग) स्थिर सम्पित्तयों के पंजिका का रख रखाव नहीं करना।
- घ) कार्यों पर हुए खर्चों का पूँजीकरण/वर्गीकरण नहीं करना।
- ङ) के.बी.वि.सं., लेह के कार्यालय ज्ञापन और नियम एवं विनयमों के अनुसार लेखाओं की परीक्षा एवं व्ययों के प्रस्तावों का जांचने के लिए प्रबंधकारिणी और वित्तीय समिति का प्रति वर्ष कम से कम चार बार बैठक होता है, जब कि वर्ष 2016-17 में केवल एक ही बैठक का संचालन हुआ है।
- च) संस्थान ने संवेदनशील वित्तीय मामलों के व्यवहार जैसे चैकों/निकासी पंजिकाओं/माल पंजिकाओं पर हस्ताक्षर करने के लिए एक परामर्शदाता की नियुक्त की है। परन्तु यह नियुक्ति जी. एफ. आर. की संहिता संबंधी प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए की गई है, क्योंकि न तो सेवा का कोई पारिश्रमिक/कार्यावधि/सेवा का कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया है और न ही संस्कृति मंत्रालय की सहमति प्राप्त की गई है।

3. अचल परिसम्पत्तियों तथा चल-सम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन

वर्ष 2016-17 के दौरान अचल परिसम्पित्तियों (जिस में पुस्तकालय के ग्रन्थ शामिल है) और वस्तु-सूचियों के भौतिक सत्यापन का संचालन नहीं किया गया है।

4. वैधानिक बकाया को भुगतान करने में नियमितता

संस्थान ने वैधानिक बकायों को नियमितता से भुगतान किया है।

हस्त. निदेशक





dsinth; ck\$) fo | k | t.Fkku] pkxyel j] ysg $\frac{1}{2}$ ynk[k½ 31&03&2017 rd dk rsyu&i =

राशि ₹ में

| dy | | 427,696,355 | 447,471,249 |
|---------------------------------|---------|--------------|-------------|
| वर्तमान सम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम | 3 | 41,014,791 | 44,785,900 |
| स्थायी सम्पत्ति | 2 | 386,681,564 | 402,685,349 |
| ifjl EifÙk; kj | | | |
| dy | | 427,696,355 | 447,471,250 |
| मूलधन | 1 | 427,696,355 | 447,471,250 |
| eny/ku ∨k¶ nsunkjh | | | |
| ब्यौरा | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पिछला वर्ष |
| | | | |

हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी





dtlnth; ckt) fo | k | tFkku] pkxye| j] ytg tynk[kt2 31&03&2017 o"kt2 vof/k rd dk vk; &0; ; dk yt1 kk

| | | | राशि ₹ में |
|---|---------|--------------|-------------|
| ब्योरा | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पिछला वर्ष |
| ¼√½ ∨k ; | | | |
| सहायक अनुदान | 4 | 169,252,000 | 155,672,000 |
| ब्याज प्राप्त | 5 | 1,768,899 | 1,036,036 |
| अन्य आय | 6 | 412,456 | 247,650 |
| dgy 1/4/1/2 | | 171,433,355 | 156,955,686 |
| % c½ 0; ; | | | |
| स्थापना खर्च | 7 | 164,046,747 | 139,331,311 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 8 | 8,021,353 | 10,325,818 |
| अवमुल्यन (सिंडुल 3 के अनुसार वर्षान्त का कुल योग) | 2 | 19,140,150 | 20,021,328 |
| dy 1/c% | | 191,208,250 | 169,678,457 |
| शेष खर्च की तुलना में आय अधिक (अ—ब) | | -19,774,895 | -12,722,771 |
| 'kšk eny/ku en yk;k x;k ∨f/k'kšk@?kkVk | | -19,774,895 | -12,722,771 |
| महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ | 9 | | |
| आकस्मिक देनदारियाँ तथा लेखा पर टिप्पणियाँ | 10 | | |

हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी







d**\$\text{lnh}**; ck**\(\)** fo | k | **\) L**Fkku] 31&3&2017 \(\) vof/k@o"k\(\) rd

| क्र.स. | प्राप्ति | वर्तमान वर्ष | पिछला वर्ष |
|--------|---|--------------|-------------|
| क | शुरूयाती राशि | | |
| | 1. हाथ में राशि | शून्य | शून्य |
| | 2. बैंक में राशि | G. | |
| | चालु खाता में | शून्य | शून्य |
| | जमा खाता में | शून्य | शून्य |
| | बचत खाता में | | |
| | एस.बी.आई., चोगलमसर खाता सं. 11359017437 | 14,062,571 | 16,048,743 |
| | एस.बी.आई., लेह खाता सं. 10942161236 | 16,504 | 16,504 |
| ख | अनुदान प्राप्त | | |
| | भारत सरकार से | 169,252,000 | 155,672,000 |
| ग. | ब्याज प्राप्त | | |
| | 1. बैंक में जमा राशि पर | 1,768,899 | 1,036,036 |
| | 2. ऋण, आग्रिम पर | _ | _ |
| ਬ | अन्य आमदनी (चिह्नत) | 412,456 | 247,650 |
| ङ | अन्य प्राप्ति | | |
| | प्रकाशन से आमदनी | 466,086 | 1,090,447 |
| | संग्रहालय सामान/परम्परा | _ | 8,377 |
| | अमची दवा की विक्री से आय | _ | _ |
| | जे.ई. स्तनजिन आंगमो से प्रतिपूर्ति आय | _ | _ |
| dy | | 185,978,516 | 174,119,757 |

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार





pkxyelj] yg ¼ynk[k½ dk ikfir vkj Hkokrku

| | | | राशि (₹) में |
|------------|---|--------------|--------------|
| क्र.सं. | भुगतान | वर्तमान वर्ष | पिछलावर्ष |
| क | खर्च | | |
| | 1. स्थापना खर्च (अनुसूची ७ के अनुसार) | 164,046,747 | 139,331,311 |
| | 2. प्रशासनिक खर्च (अनुसूची 8 के अनुसार) | 8,002,994 | 10,275,180 |
| ख | अन्य परियोजनाओं में भुगतान | | |
| | नमग्यल इन्स्टीच्यूट फॉर रिसर्च ऑन लदाखी आर्ट एण्ड कल्चर | - | _ |
| ग | स्थायी सम्पत्ति एवं पूंजीगत कार्य में भुगतान | | |
| | 1. स्थायी सम्पत्ति की खरीद | 3,136,364 | 1,488,441 |
| | 2. पूंजीगत कार्य में खर्च | _ | _ |
| घ | अन्य भुगतान | | |
| | प्रकाशन | 70,675 | 635,750 |
| | संग्रहालय सामान/परम्परा | _ | 60,000 |
| | जे.ई. स्तनजिन आंगमो को अग्रिम | _ | _ |
| | भवन निर्माण के लिए पी. डब्लयू. डी. को | 7,900,000 | 8,250,000 |
| ङ | अन्तिम शेष | | |
| | 1. हाथ में राशि | शून्य | शून्य |
| | 2. बैंक में राशि | | |
| | एस.बी.आई. चोगलमसर खाता सं. 11359017437 | 2,805,232 | 14,062,571 |
| | एस.बी.आई. लेह, खाता सं 10942161236 | 16,504 | 16,504 |
| d y | | 185,978,516 | 174,119,757 |





dsinh; cks) fo | k | a.Fkku] pksxyelj] ysg ½ynk[k½ 31&3&2017 rd rgyu&i = | sfufeir vud uph

अनुसूची—1

| | | राशि ₹ में |
|---|-------------|-------------|
| | चालू वर्ष | पिछला वर्ष |
| eny/ku | | |
| वर्ष के प्रारंभ में राशि | 447,471,250 | 460,198,521 |
| योगः चार्ज पर लिया गया पुराने स्टॉक | _ | -4,500 |
| कमः भण्डार में घाटा (पिछला वर्ष का बिक्री आय में दिखा गया है) | _ | _ |
| योग / कटौतीः आय / खर्च में कुल राशि जो आमदनी | | |
| और खर्च लेखा से लाया गया | -19,774,895 | -12,722,771 |
| o"kWr eajkf'k | 427,696,355 | 447,471,250 |

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार







d**\$**nh; ck\$) fo|k | **\$**Fkku] 31&3&2017 rd r**\$**yu&i=

अनुसूची—2

| | | | | l dy d | yjkf′k | |
|-------------------|----------------------------|----------------|-----------|--------------|-----------------------|--|
| | विवरण | वर्ष के | प्रथम | दूसरे | वर्ष के वर्षान्त में | |
| | | प्रांरभ | अर्ध-वर्ष | अर्ध-वर्ष | दौरान मूल्य | |
| | | में मूल्य | के दौरान | के दौरान | कटौती | |
| | | -, | योग | योग | | |
| अ. स्था | यी परिसम्पत्तियाँ | | | | | |
| 1. | भूमि क) लीज़ होल्ड | 2,342,000.00 | _ | _ | — 2,342,000.00 | |
| 2. | भवन | | | | | |
| | क) लीज़ होल्ड भूमि पर | 322,923,073.09 | _ | _ | — 322,923,073.09 | |
| 3. | मशीनरी एवं उपकरणादि | 3,040,319.97 | _ | 391,770.00 | — 3,432,089.97 | |
| 4. | वाहन | 1,873,194.86 | _ | _ | — 1,873,194.86 | |
| 5. | फर्नीचर आदि | 12,179,630.85 | _ | 1,833,038.00 | — 14,012,668.85 | |
| 6. | पुस्तकालय पुस्तकें | 3,420,582.07 | 95,341.00 | 34,915.00 | — 3,550,838.07 | |
| 7. | चापाकल एवं जलापूर्ति | 70,036.04 | _ | _ | — 70,036.04 | |
| 8. | सौर ऊर्जा उपकरण | 48,458.80 | _ | _ | — 48,458.80 | |
| 9. | अन्य स्थायी परिसम्पत्तियाँ | | | | | |
| | क) खेलकूद | 573,322.66 | _ | _ | — 573,322.66 | |
| 10. | कम्पुटर योजना | 332,010.00 | | 781,300.00 | — 1,113,310.00 | |
| चालू वा | र्ष में कुल | 346,802,628.34 | 95,341.00 | 3,041,023.00 | — 349,938,992.34 | |
| आ. पूर्ज | नीगत कार्य प्रगति पर | 55,882,721.00 | _ | _ | — 55,882,721.00 | |
| ; ks c 1/2 | %√\$√k ½ | 402,685,349.34 | 95,341.00 | 3,041,023.00 | — 405,821,713.34 | |
| | | | | | | |

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार





pkxyelj] yg ¼ynk[k½ Is fufe*l*r vu**(ti**p; kj

राशि (₹) में

| fod jkf'k | okLr | voe⊮; u | | | |
|------------------|-----------------|-----------------|----------------|------------------|------------------------|
| पिछले वर्ष के | चालू वर्ष के | कुल वर्षान्त | अवमूल्यन दर | वर्ष के दौरान | वर्ष के प्रारंभ में |
| अन्त में | अन्त में | में | | योग | |
| 2,342,000.00 | 2,342,000.00 | _ | _ | _ | _ |
| 322,923,073.09 | 306,776,919.43 | 16,146,153.65 | 0.05 | _ | 16,146,153.65 |
| 3,040,319.97 | 2,946,659.23 | 485,430.75 | 0.15 | 29,382.75 | 456,048.00 |
| 1,873,194.86 | 1,592,215.63 | 280,979.23 | 0.15 | _ | 280,979.23 |
| 12,179,630.85 | 12,703,053.87 | 1,309,614.99 | 0.10 | 91,651.90 | 1,217,963.09 |
| 3,420,582.07 | 3,020,830.99 | 530,007.09 | 0.15 | 16,919.78 | 513,087.31 |
| 70,036.04 | 59,530.64 | 10,505.41 | 0.15 | _ | 10,505.41 |
| 48,458.80 | 41,189.98 | 7,268.82 | 0.15 | _ | 7,268.82 |
| 573,322.66 | 487,324.26 | 85,998.40 | 0.15 | _ | 85,998.40 |
| 332,010.00 | 829,118.50 | 284,191.50 | 0.60 | 234,390.00 | 49,801.50 |
| 346,802,628.34 | 330,798,842.52 | 19,140,149.83 | _ | 372,344.43 | 18,767,805.40 |
| 55,882,721.00 | 55,882,721.00 | _ | _ | _ | |
| 402,685,349.34 | 386,681,563.52 | 19,140,149.83 | _ | 372,344.43 | 18,767,805.40 |





dsint; cks) fo | k | l [kku] pkskyelj] ysg l [kl 31&3&2017 rd rgyu&i = I sfufelr vul l [bp; kl]

| अनुसूची—3 | | | राशि ₹ में |
|--|---------------------------|------------|------------|
| चालू सम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम | | चालू वर्ष | पिछले वर |
| ——————————— अ चालू सम्पत्ति | | | |
| 1. विस्तृत सूची | | | |
| भण्डार पुर्ज | | | |
| दवा भण्डार | | 216,077 | 186,532 |
| प्रकाशन पत्रिका | | 3,773,860 | 4,169,271 |
| संग्रहालय सामान/प | रम्परा | 536,498 | 536,498 |
| पुस्तकें | | 44,583 | 44,583 |
| हाथ में कुल राशि (चेक / बैंक में राशि | ⁄ ड्राफट आदि सहित) | शून्य | शून्य |
| स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, | चोगलमसर | | |
| खाता नं. 11359017437 | | 2,805,232 | 14,062,571 |
| स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, र | लेह, | | |
| खाता नं. 10942161236 | | 16,504 | 16,504 |
| dy v | | 7,392,754 | 19,015,959 |
| आ | | | |
| 1. ऋण | | | |
| कर्मचारी | | -2,465 | -2,465 |
| अन्य को | | | |
| एम / एस बाला जी चिवि | न्त्सा दुकान | -47,904 | |
| 2. अग्रिम एवं अन्य राशि जो | | | |
| या मूल्य एवज में बाद में | | | |
| राष्ट्रीय अभिलेखागार नेप | | 5,906 | 5,906 |
| लोक निर्माण विभाग को | अग्रिम | 33,650,000 | 25,750,000 |
| ज़मा | | | |
| सिक्युरिटी जमा | | | |
| टेलीफोन सिक्युरिटी | | 15,900 | 15,900 |
| पुस्तकालय सिक्युरिटी | | 600 | 600 |
| day vk | | 33,622,037 | 25,769,941 |
| dy v\$vk | | 41,014,791 | 44,785,900 |
| | हस्ताक्षर | | |
| | सी.ए. वरूनसोनी | | |
| हस्ताक्षर | बी.आर. सोबती और सह के लिए | | हस्ताक्षर |
| प्रशासनिक अधिकारी | सनदी लेखाकार | | निदेशक |





dsinh; ck\$) fo | k | LFkku | pkxyelj | ysg %ynk[k% 31&3&2017 rd rgyu&i = | lsfufe r vul fip; kj

| dy | 169,252,000 | 155,672,000 |
|----------------------------|-------------|-------------|
| 2. गैर योजना मद में | 92,552,000 | 76,147,000 |
| 1. योजना मद में | 76,700,000 | 79,525,000 |
| भारत सरकार से प्राप्त राशि | | |
| क केन्द्रीय सरकार | | |
| सहायक अनुदान | | |
| अनुदान / कटौती | चालूवर्ष | पिछले वर्ष |
| | | राशि ₹ में |
| अनुसूची—4 | | |

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार





| | | राशि ₹ मे |
|--|-------------------|--|
| ब्याज प्राप्ति | चलू वर्ष | पिछले वर्ष |
| 1. बचत खाते पर | | |
| क) अनुसूचित बैंक पर | 1,768,899 | 1,036,036 |
| 2. ऋण पर क) कर्मचारी / स्टाफ | | |
| | 4.50.000 | 4.026.026 |
| d y | 1,768,899 | 1,036,036 |
| अनुसूची—6 | | राशि ₹ मे |
| अन्य आमदनी | चालू वर्ष | पिछले वष |
| 1. विविध सेवाओं पर फीस | | |
| विद्यालय छोड़ने का प्रमाणपत्र | _ | 300 |
| विलम्ब शुल्क | 1,023 | 1,444 |
| अतिथि आवास के कमरा किराया से | 33,870 | 62,500 |
| | | |
| फोटोकापी चार्ज | 4,385 | 3,841 |
| फोटोकापी चार्ज खोई हुई पुस्तकों का मूल्य | 4,385 — | 3,841 |
| | 4,385 — 388 | 3,841 |
| खोई हुई पुस्तकों का मूल्य | _ | 3,841 — — |
| खोई हुई पुस्तकों का मूल्य खोई हुई पुस्तकालयी पुस्तकें आर.टी.आई. फीस | _ | 3,841 — — — |
| खोई हुई पुस्तकों का मूल्य खोई हुई पुस्तकालयी पुस्तकें | _ | |
| खोई हुई पुस्तकों का मूल्य खोई हुई पुस्तकालयी पुस्तकें आर.टी.आई. फीस 2. विविध आय | 388 | 3,841 — — — 179,565 8,377 |





dsinth; cks) fo | k | LFkku | pksyelj | ysg %ynk[k% 31&03&2017 rd rgyu&i = I sfufe/r vul %p; k;

अनुसूची—7

| | | राशि ₹ में |
|------------------------------|-------------|-------------|
| स्थापना खर्च | चालू वर्ष | पिछले वर्ष |
| 1. वेतन आदि | 113,230,903 | 95,544,934 |
| 2. भत्तादि और बोनस | _ | _ |
| 3. भविष्य—निधि योगदान | 30,720,547 | 23,689,237 |
| 4. अन्य (चिह्नित) | | |
| गोनपा स्कूलों को छात्रवृत्ति | 16,913,695 | 16,830,048 |
| 5. जनजातीय उप—योजना | 3,181,602 | 3,267,092 |
| dy | 164,046,747 | 139,331,311 |

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी हस्ताक्षर सी.ए. वरूनसोनी बी.आर. सोबती और सह के लिए सनदी लेखाकार





dsinth; cks) fo | k | LFkku | pksyelj | ysg %ynk[k% 31&03&2017 rd rgyu&i = I sfufe/r vul %p; k;

अनुसूची–8

| | | राशि ₹ में |
|---|------------|----------------|
| अन्य प्रशासनिक खर्च, आदि | चालू वर्ष | पिछले वर्ष |
| 1. बिजली ऊर्जा | 912,663 | 1,000,000 |
| 2. पानी फीस | _ | _ |
| 3. मरम्मत और रखरखाव | _ | _ |
| 4. वाहन चालन और रखरखाव | 561,212 | 498,137 |
| 5. डाक खर्च, टेलीफोन एवं संचार फीस | 17,229 | 115,364 |
| 6. छपाई और स्टेशनरी | _ | _ |
| 7. यात्रा और वाहन खर्च | _ | 2,679,543 |
| 8. संगोष्ठी और कार्यशाला पर खर्च | 1,115,488 | 1,260,250 |
| 9. कम्प्यूटर शिक्षण पर खर्च | _ | _ |
| 10. लेखापरीक्षक पारिश्रमिक | _ | _ |
| 11. विविध खर्च | 1,959,800 | 1,723,792 |
| 12. विधिक फीस | 10,000 | _ |
| 13. छात्रों को पाठ्यपुस्तकें वितरण | _ | _ |
| 14. पोशाक खर्च | 87,475 | 124,470 |
| 15. औषधीय पौधे परीक्षण हेतु अमची यात्रा | _ | _ |
| 16. चिकित्सीय प्रतिपूर्ति | 567,444 | 79,820 |
| 17. नियतकालीन शोधपत्रिका | 67,485 | 72,810 |
| 18. शीतकालीन ईंधन | 286,805 | 269,252 |
| १९. शैक्षणिक यात्रा | 550,000 | 656,800 |
| २०. छात्रावास ईंधन | 540,145 | 457,279 |
| 21. चिकित्सीय खर्च | 150,000 | 122,763 |
| 22. दवा उपभोग | 168,358.72 | 173,401 |
| 23. वार्षिकोत्सव | 140,000 | 89,330 |
| 24. मुख्य द्वार की सजावट | _ | _ |
| 25. जेनरेटर के लिए ईंधन | 87,588 | 143,954 |
| 26. डी.पी.एस. खर्च | 949,185 | 981,475 |
| 27. बैंक चार्ज | 475.32 | 141 |
| dy | 8,171,353 | 10,448,581 |

हस्ताक्षर

सी.ए. वरूनसोनी

बी.आर. सोबती और सह के लिए

सनदी लेखाकार

हस्ताक्षर निदेशक



हस्ताक्षर

प्रशासनिक अधिकारी





अनुसूची-9

dsnh; ck\$) fo | k | a_Fkku] pkskyelj] ysg %ynk[k½ egùoiwkZys[kk uhfr; k; vk\$j ys[kk ij fVlif.k; k;

egÙoiwkly{kk uhfr; ki

- क. foùkh; dFku r\$ kj djus dk vk/kkj & वित्तीय कथन भारत में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान के द्वारा निर्मित लेखा मानकों के आधार पर तैयार किया गया है।
- ख. y{kk djkj vkj jktLo ekll; rk & वित्तीय कथन लेखा के नकदी विधि के आधार पर तैयार किया गया है।
- ग. **voe⊮; u &** अवमूल्यन फीस आयकर के अधिनियम 1961 की दर के अनुसार लिया गया है जो डब्ल्यू डी वी पुस्तकों एवं पश्चातवर्ती सुधारों में दर्शाया गया है।
- घ. pyl EifRr&l ph & चलसम्पत्ति-सूचियों का मूल्यांकन लागत मूल्य के आधार पर किया गया है।
- ङ fuosk & निवेश लागत मूल्य के आधार पर किया गया है।
- च. fonskh enk dk i fjpkyu & चालू वर्ष में कोई भी परिचालन विदेशी मुद्रा में नही हुआ।
- ਬ. l skfuofr ykłk &
 - 1- I ski gkj & श्री कोनछोग थरचीन, लेखाकार और भिक्षु स्तज़िन ग्याछो, अध्यापक, गोनपा विद्यालय अपने—अपने सेवा से सेवा निवृत हुए और उन दोनों को चालू वर्ष में सेवोपहार दिये गये।
 - 2- Ná h dscnysjkf'k & श्री कोनछोग थरचीन, लेखाकार और भिक्षु स्तज़िन ग्याछो, अध्यापक, गोनपा विद्यालय अपने—अपने सेवा से सेवानिवृत हुए और उन्हें चालू वर्ष में छुट्टी के बदले राशि प्रदान की गई।
 - 3- fuofUk oru & चालू वर्ष में कोई निवृति वेतन राशि निर्गत नहीं की गयी।
- ज. **i wkbf/k vuphyu] fo'kk en rFkk y{kk uhfr; ka ea cnyko** पूर्वाविध अनुकूलन, विशेष मद तथा लेखा नीतियों में बदलाव वित्तीय मामले में महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है अतः इसे प्रकट किया गया है।
- झ. vkdfLed nunkjh चालू वर्ष में कोई आकस्मिक देनदारी नहीं रही।

अनुसूची—10

y{kk ij fVlif.k; ki

- क. चालू वर्ष की तूलना में पिछले वर्ष की संख्या को आवश्यकतानुसार पुनः वर्गीकृत / सुधार किया गया है।
- ख. अग्रिम, विविध देनदारी आदि सत्यापन के अधीन है।





d**l**Inh; ck) fo | k | **l** Fkku] pkxyel j] yg ¼ynk[k½ 31&03&2017 rd dk c**l**d e**s**y&feyki fooj.k

बैंक के अनुसार शेष राशि

12,058,814

कम निर्गत परन्तु बाद में प्रेषित

| चेक सं. | दिनांक | राशि ₹ में | |
|--------------------|------------|------------|-----------|
| 1. 011856 | 29-03-2017 | 11,014 | |
| 2. 011857 | 29-03-2017 | 41,500 | |
| 3. 011859 | 29-03-2017 | 186,317 | |
| 4. 011863 | 29-03-2017 | 115,000 | |
| 5. 011864 | 29-03-2017 | 88,287 | |
| 6. 011865 | 29-03-2017 | 8,860 | |
| 7. 011884 | 29-03-2017 | 19,400 | |
| 8. 011867 | 29-03-2017 | 18,253 | |
| 9. 011869 | 29-03-2017 | 740,581 | |
| 10. 011871 | 29-03-2017 | 6,739 | |
| 11. 011872 | 29-03-2017 | 15,160 | |
| 12. 011873 | 29-03-2017 | 3,861 | |
| 13. 011874 | 29-03-2017 | 1,200 | |
| 14. 011875 | 29-03-2017 | 1,345 | |
| 15. 011877 | 29-03-2017 | 850 | |
| 16. 011878 | 29-03-2017 | 6,690 | |
| 17. 011879 | 29-03-2017 | 128,400 | |
| 18. 011880 | 29-03-2017 | 728,500 | |
| 19. 011881 | 29-03-2017 | 557,342 | |
| 20. 011882 | 29-03-2017 | 2,400,000 | |
| 21. 011883 | 29-03-2017 | 1,249,624 | |
| 22. 011886 | 30-03-2017 | 446,700 | |
| 23. 011887 | 31-03-2017 | 475,200 | |
| 24. 011888 | 31-03-2017 | 2,000,000 | |
| 25. 011840 | 13-02-2017 | 2,760 | 9,253,583 |
| dsk cod ds vuol kj | tek 'kšk | | 2,805,231 |

हस्ताक्षर

सी.ए. वरूनसोनी

बी.आर. सोबती और सह के लिए

सनदी लेखाकार

हस्ताक्षर निदेशक

प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षर



d\$Inh; ck\$) fo | k | 1.Fkku] pkxyelj] ysj ½ynk[k½ 31&03&2017 rd dk våknk; h Hkfo"; fuf/k ys[kk

राशि ₹ में

| | | 189,246,612 | | 189,246,612 |
|---------------------------------|-------------|-------------|---|-------------------|
| · | | | (सामन्जस्य करना है) | |
| जोडः वर्ष में ब्याज का प्रावधान | | 13,087,909 | राशि प्राप्य | 17,158,310 |
| | 176,158,703 | 176,158,703 | ब्याज प्राप्ति | 5,642,029 |
| घटानाः भुगतान | 19,869,270 | | (अनुसूची अ) | |
| | 196,027,973 | | सावधि जमा | 153,984,109 |
| अधिक भुगतान का पुनः प्राप्ति | 42,214 | | भारतीय स्टेट बैंक, लेह खाता सं. 10942161688 | 147,501 |
| जोड़ः प्राप्ति | 30,725,013 | | भारतीय स्टेट बैंक, चोगल खाता सं. 11359017448 | मसर 12,314,663 |
| प्रारंभिक राशि | 165,260,746 | | नकदी और बैंक रकम | |
| विवरण | | राशि | विवरण | राशि |

हस्ताक्षर

सी.ए. वरूनसोनी

बी.आर. सोबती और सह के लिए

सनदी लेखाकार

हस्ताक्षर निदेशक

हस्ताक्षर प्रशासनिक अधिकारी







Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Annual Account of Central Institute of Buddhist Studies, Leh-Ladakh for the year ended 31 March 2017

- 1. We have audited the Balance sheet of Central Institute of Buddhist Studies, Leh-Ladakh as at 31 March 2017, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.
- 2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.
- 3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
- 4. Based on our audit, we report that:
 - i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
 - ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance, Government of India.
 - iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by Central Institute of Buddhist Studies, Leh-Ladakh in so far as it appears from our examination of such books.
 - (iv) We further report that:





A. Balance Sheet Application of Funds

Fixed asset (Schedule 2)

Capital Work in Progress: ₹5.59 crore

As per the Utilisation Certificates provided by the PWD, out of ₹8.38 crore released by the Institute, an expenditure of ₹7.14 crore had been incurred in respect of the works under progress. However, in the accounts the amounts of Work in Progress and Advance to PWD have been depicted as ₹5.59 crore and ₹3.37 crore, respectively. The figures need to be reconciled.

B. Income and Expenditure Account

Grants/Subsidies (Schedule 4)

Figures of Grants/Subsidies shown under Previous Year column in the Annual accounts for 2016-17 (Plan: ₹7.61 crore and Non-Plan: ₹7.95 crore) did not match with the figures depicted in Annual accounts of the Institute for the year 2015-16 (Plan: ₹7.95 crore and Non-Plan: ₹7.61 crore).

C. Significant Accounting Policies (Schedule 9)

- Accounting Policy at Sl. No (A) states that the Financial Statements have been prepared in accordance with the Accounting Standards (AS) specified by the Institute of Chartered Accountants of India. As per AS 15 relating to accounting of retirement benefits the provision in respect of gratuity and leave encashment in respect of services rendered up to the close of the Accounting Year should have been made. However, the Institute has not made any provision in respect of gratuity and leave encashment of its employees in service as on 31 March 2017 in contravention of Accounting Policy at Sl. No (A) as stated above as well as Uniform Format of Accounts.
- 2 In view of point at Sl. No 1 above, the accounting policy at Sl. No (B) stating that the financial statements have been prepared by following cash method of accounting is also inconsistent with the accounting policy at Sl. No (A) and AS 15 as well as Uniform Format of Accounts.
 - i) Assets understated by ₹2.84 lakh.

D. General

The Accounts were not page-numbered.

E. Grants-in-aid

Out of total available funds of ₹17.99 crore including previous unspent balance ₹0.89 crore, Grants received during the year 2016-17 ₹16.92 crore, and interest earned during the year ₹0.18 crore, the Institute utilized ₹17.81 crore leaving unspent balance of ₹0.18 crore at the end of the year.





- v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
- vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:
- a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Central Institute of Buddhist Studies, Leh-Ladakh as at 31 March 2017; and
- b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

Place: Chandigarh Date: 16-11-2017

For and on behalf of the C&AG of India Principal Director of Audit (Central), Chandigarh



Annexure

1. Internal Audit System

The Internal Audit of the Institute was conducted by the HRD Ministry for the period of 2011-12 to 2016-17, however, the Internal Audit Report is still awaited.

2. Internal Control System

Internal Control System was inadequate in view of the following:

- i) Delay in finalization of Internal Audit Reports.
- ii) Non conducting of Physical Verification of Fixed Asset, Consumables and Library Books.
- iii) Non-maintenance of Fixed Assets Register.
- iv) Improper capitalization/classification of expenditure on work.
- v) As per Memorandum of Association and Rules and regulations of CIBS, Leh, the Board of Management and Finance Committee shall meet at least four times in a every year to examine the accounts and to scrutinize proposals of expenditure. However, only one meeting was conducted during 2016-17.
- vi) The Institute had engaged a consultant for dealing with sensitive financial matters like signing of cheques/withdrawal registers/stock registers, however, the appointment was made in contravention to the codal provisions of GFR as neither any remuneration/term/scope of service had been fixed nor concurrence of the Ministry of Culture obtained.

3. Physical verification of Fixed Assets and Inventories

Physical verification of Fixed Assets (including library books) and Inventory was not conducted in 2016-17.

4. Regularity in payments of statutory dues:

The Institute was regular in payment of statutory dues.

Sd/-Deputy Director





Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh) Balance Sheet as at 31-03-2017

| | | | Amount in ₹ |
|-------------------------------------|-----|--------------|---------------|
| Particulars | Sch | Current Year | Previous Year |
| CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES | | | |
| CORPUS/CAPITAL FUND | 1 | 427,696,355 | 447,471,250 |
| Total | | 427,696,355 | 447,471,250 |
| ASSETS | | | |
| FIXED ASSETS | 2 | 386,681,564 | 402,685,349 |
| CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES | 3 | 41,014,791 | 44,785,900 |
| Total | | 427,696,355 | 447,471,249 |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh) Income and Expenditure Account for the period/year ended on 31-03-2017

| | | | Amount in ₹ |
|--|-----|--------------|---------------|
| Particulars | Sch | Current Year | Previous Year |
| A. INCOME | | | |
| Grants in aid | 4 | 169,252,000 | 155,672,000 |
| Interest earned | 5 | 1,768,899 | 1,036,036 |
| Other income | 6 | 412,456 | 247,650 |
| Total (A) | | 171,433,355 | 156,955,686 |
| B. EXPENDITURE | | | |
| Establishment expenses | 7 | 164,046,747 | 139,331,311 |
| Other administrative expenses | 8 | 8,021,353 | 10,325,818 |
| Depreciation (Net Total at the year end- corresponding to Schedule 2) | 2 | 19,140,150 | 20,021,328 |
| Total (B) | | 191,208,250 | 169,678,457 |
| Balance being excess of Expenditure over Income | | -19,774,895 | -12,722,771 |
| Balance being Surplus/(deficit) carried to Corpus/Capital Fund | | -19,774,895 | -12,722,771 |
| Significant accounting policies | 9 | | |
| Contingent liabilities and notes on accounts | 10 | | |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants







Central Institute of Buddhist Receipt and Payment for

| S.No. | Receipts | Current Year | Previous Year | |
|-------|-------------------------------------|--------------|---------------|--|
| I. | Opening Balances | | | |
| | a) Cash in hand | Nil | Nil | |
| | b) Bank Balances | | | |
| | i) In current accounts | Nil | Nil | |
| | ii) In deposit accounts | Nil | Nil | |
| | iii) Savings accounts | | | |
| | SBI Choglamsar A/c No. 11359017437 | 14,062,571 | 16,048,743 | |
| | SBI Leh A/c No.10942161236 | 16,504 | 16,504 | |
| II. | Grants Received | | | |
| | a) From Government of India | 169,252,000 | 155,672,000 | |
| III. | Interest Received | | | |
| | a) On Bank Deposits | 1,768,899 | 1,036,036 | |
| | b) Loans, Advances | | | |
| IV. | Other Income (Specify) | 412,456 | 247,650 | |
| V. | Any other Receipts | | | |
| | Income from Publication | 466,086 | 1,090,447 | |
| | Museum Articles/Tradition | _ | 8,377 | |
| | (Sale proceed amchi medicine) | _ | _ | |
| | JE Stanzin Angmo (Adjustment Entry) | | | |
| Total | | 185,978,516 | 174,119,757 | |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh) the period/year ended 31-3-2017

| | | | Amount (₹) |
|-------|---|--------------|---------------|
| S.No. | Payments | Current Year | Previous Year |
| I. | Expenses | | |
| | a) Establishment Expenses (Corresponding to Sch 7) | 164,046,747 | 139,331,311 |
| | b) Adminstrative Expenses (Corresponding to Sch 8) | 8,002,994 | 10,275,180 |
| II. | Payments made against funds for various projects Namgyal Institute for Research on Ladakhi Art and Culture | _ | _ |
| III. | Expenditure on Fixed Assets & Capital Work in Progress | | |
| | a) Purchase of Fixed Assets | 3,136,364 | 1,488,441 |
| | b) Expenditure on Capital Work in Progress | _ | _ |
| IV. | Other Payments (Specify) | | |
| | Publication | 70,675 | 635,750 |
| | Museum Article/Tradition | _ | 60,000 |
| | Advance JE Stanzin Angmo | _ | _ |
| | PWD Division for Const wrorks | 7,900,000 | 8,250,000 |
| V. | Closing Balances | | |
| | a) Cash in Hand | Nil | Nil |
| | b) Bank Balances | | |
| | Savings Accounts | | |
| | SBI, Choglamsar A/c No. 11359017437 | 2,805,232 | 14,062,571 |
| | SBI Leh A/c No. 10942161236 | 16,504 | 16,504 |
| | Total | 185,978,516 | 174,119,757 |





SCHEDULE 1

| | | Amount in ₹ |
|---|--------------|---------------|
| | Current Year | Previous Year |
| Corpus/Capital Fund | | |
| Balance at the beginning of the year | 447,471,250 | 460,198,521 |
| Add: Old Stock taken on charge | | -4,500 |
| Less: Stock charges off (Last year sale shown in income) | | _ |
| Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account | -19,774,895 | -12,722,771 |
| Balance at the year end | 427,696,355 | 447,471,250 |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants







Central Institute of Buddhist Schedules Forming Part of

SCHEDULE 2—FIXED ASSETS

| | | | | Gross Bl | ock | | |
|------|---|---|--------------------------------|--|----------------------------------|---|--|
| | Discription | Cost/valuation as at beginning of the year | Addition during 1st Half | Addition during 2nd Half | Deductions during the year | Cost Valuation at the year end | |
| A. F | FIXED ASSETS | | | | | | |
| | Land a) Lease Hold | 2,342,000.00 | _ | _ | _ | 2,342,000.00 | |
| | Buildings a) On Lease Hold Land | 322,923,073.09 | _ | _ | _ | 322,923,073.09 | |
| | 3. Plant Machinery & Equipments | 3,040,319.97 | _ | 391,770.00 | _ | 3,432,089.97 | |
| | 4. Vehicles | 1,873,194.86 | _ | _ | _ | 1,873,194.86 | |
| | 5. Furniture and Fixtures | 12,179,630.85 | _ | 1,833,038.00 | _ | 14,012,668.85 | |
| | 6. Library Books | 3,420,582.07 | 95,341.00 | 34,915.00 | _ | 3,550,838.07 | |
| | 7. Tubewells & W. Supply | 70,036.04 | _ | _ | _ | 70,036.04 | |
| | 8. Solar System | 48,458.80 | _ | _ | _ | 48,458.80 | |
| | 9. Other Fixed Assets a) Sports & Games | 573,322.66 | _ | —————————————————————————————————————— | _ | 573,322.66 | |
| | Computer Plan | 332,010.00 | _ | 781,300.00 | | 1,113,310.00 | |
| Tota | al of Current Year | 346,802,628.34 | 95,341.00 | 3,041,023.00 | | 349,938,992.34 | |
| В. | Capital Work In Progress | 55,882,721.00 | _ | _ | _ | 55,882,721.00 | |
| Tota | al (A+B) | 402,685,349.34 | 95,341.00 | 3,041,023.00 | _ | 405,821,713.34 | |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh) Balance Sheet as at 31-03-2017

Amount (₹)

| let Block | N | | eciation | Depre | |
|-----------------------------------|----------------------------------|-----------------------------|-------------------------|-----------------------------------|---------------------------------|
| As at the Previous Year end | As at the Current Year end | Total up to the year end | Rate of depreciation | On addition during the year | As at the beginning of the year |
| 2,342,000.00 | 2,342,000.00 | _ | _ | _ | _ |
| 322,923,073.09 | 306,776,919.43 | 16,146,153.65 | 0.05 | _ | 16,146,153.65 |
| 3,040,319.97 | 2,946,659.23 | 485,430.75 | 0.15 | 29,382.75 | 456,048.00 |
| 1,873,194.86 | 1,592,215.63 | 280,979.23 | 0.15 | _ | 280,979.23 |
| 12,179,630.85 | 12,703,053.87 | 1,309,614.99 | 0.10 | 91,651.90 | 1,217,963.09 |
| 3,420,582.07 | 3,020,830.99 | 530,007.09 | 0.15 | 16,919.78 | 513,087.31 |
| 70,036.04 | 59,530.64 | 10,505.41 | 0.15 | _ | 10,505.41 |
| 48,458.80 | 41,189.98 | 7,268.82 | 0.15 | _ | 7,268.82 |
| 573,322.66 | 487,324.26 | 85,998.40 | 0.15 | _ | 85,998.40 |
| 332,010.00 | 829,118.50 | 284,191.50 | 0.60 | 234,390.00 | 49,801.50 |
| 346,802,628.34 | 330,798,842.52 | 19,140,149.83 | _ | 372,344.43 | 18,767,805.40 |
| 55,882,721.00 | 55,882,721.00 | _ | _ | _ | _ |
| 402,685,349.34 | 386,681,563.52 | 19,140,149.83 | _ | 372,344.43 | 18,767,805.40 |
| | 200,001,000.02 | 17,110,117.00 | | , | 10,7.07,000.10 |





SCHEDULE 3

Adminstrative Officer

| | | Amount in |
|-------------------------------------|-------------------|--------------|
| Current Assets, Loans and Advances | Current Year | Previous Yea |
| A. CURRENT ASSETS | | |
| 1. Inventories: | | |
| A) Stores and Spares | | |
| Medicine Stock | 216,077 | 186,532 |
| Publication Journals | 3,773,860 | 4,169,27 |
| Museum Articles/Traditional | 536,498 | 536,498 |
| Books | 44,583 | 44,583 |
| 2. Cash Balances-in-Hand (Including | Cheques/ | |
| Drafts and imprest) | Nil | Ni |
| 3. Bank Balances | | |
| A) With Scheduled Banks | | |
| On Saving Accounts | | |
| State Bank of India, Choglams | ar | |
| A/c No. 11359017437 | 2,805,232 | 14,062,57 |
| State Bank of India, Leh | , , | , , |
| A/c No.10942161236 | 16,504 | 16,504 |
| Total A | 7,392,754 | 19,015,959 |
| В | | |
| 1. Loans | | |
| a) Staff | -2,465 | -2,465 |
| b) Other Entities | | |
| c) M/s Bala Jee Medical Store | -47,904 | |
| 2. Advances and other amounts recov | | |
| in kind or for value to be received | crable in cash of | |
| National Archives Nepal | 5,906 | 5,900 |
| Advance PWD | 33,650,000 | 25,750,000 |
| Deposits | 33,030,000 | 23,730,000 |
| Security deposits | | |
| Telephone security | 15,900 | 15,900 |
| Library security | 600 | 13,900 |
| | 800 | |
| Total B | 33,622,037 | 25,769,94 |
| Total (A+B) | 41,014,791 | 44,785,900 |
| Total B Total (A+B) | | |
| | CA. Varun Soni | |
| | B.R. Sobti & Co. | Sd/- |
| 501/- TOI | D.R. JODII & CO. | 5u/- |



Chartered Accountants

Director



SCHEDULE 4

| | | Amount in ₹ |
|-------------------------------------|--------------|---------------|
| Grants/Subsidies | Current Year | Previous Year |
| GRANTS-IN-AID | | |
| 1. Central Government | | |
| Amount received from Govt. of India | | |
| A Plan | 76,700,000 | 76,147,000 |
| B Non-plan | 92,552,000 | 79,525,000 |
| Total | 169,252,000 | 155,672,000 |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





SCHEDULE 5

| | | Amount in ₹ |
|-------------------------|--------------|---------------|
| Interest Earned | Current Year | Previous Year |
| 1. On saving accounts | | |
| a) With scheduled banks | 1,768,899 | 1,036,036 |
| 2. On loans | | |
| a) Employees/staff | _ | _ |
| Total | 1,768,899 | 1,036,036 |

SCHEDULE 6

| Other Income | Current Year | Previous Year |
|----------------------------------|--------------|---------------|
| 1 Fee for miscellaneous services | | |
| School Leaving Certifaicate | _ | 300 |
| Late Fee | 1,023 | 1,444 |
| Room Rent of Guest house | 33,870 | 62,500 |
| Photocopy charges | 4,385 | 3,841 |
| Cost of lost text books | _ | _ |
| Cost of missing library books | 388 | _ |
| RTI Fees | _ | _ |
| 2 Misc. Income | | |
| Misc. Income | 372,790 | 179,565 |
| Sale of Amchi Medicine | _ | 8,377 |
| Total | 412,456 | 256,027 |

Sd/CA. Varun Soni
Sd/For B.R. Sobti & Co.
Adminstrative Officer

Sd/Chartered Accountants

Director





SCHEDULE 7

| | | Amount in ₹ |
|----------------------------------|--------------|---------------|
| Establishment Expenses | Current Year | Previous Year |
| a Salaries and Wages | 113,230,903 | 95,544,934 |
| b Allowances and Bonus | <u> </u> | _ |
| c Contribution to Provident Fund | 30,720,547 | 23,689,237 |
| d Others (Specify) | | |
| Stipend to Gonpa/Schools | 16,913,695 | 16,830,048 |
| e Tribal sub plan | 3,181,602 | 3,267,092 |
| Total | 164,046,747 | 139,331,311 |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





| SCI | HEDULE 8 | | Amount in ₹ |
|------|--|--------------|---------------|
| Oth | er Adminstrative Expenses, etc. | Current Year | Previous Year |
| 1 | Electricity and Power | 912,663 | 1,000,000 |
| 2 | Water Charges | _ | _ |
| 3 | Repair and Maintenance | _ | _ |
| 4 | Vehicle Fuel, Running and Maintenance | 561,212 | 498,137 |
| 5 | Postage, Telephone and communication charges | 17,229 | 115,364 |
| 6 | Printing & Stationery | | _ |
| 7 | Travelling and conveyance expenses | _ | 2,679,543 |
| 8 | Expenses on Seminar/Workshops | 1,115,488 | 1,260,250 |
| 9 | Expenses on Fee (computer Education) | _ | _ |
| 10 | Auditors Remuneration | _ | _ |
| 11 | Misc Expenses | 1,959,800 | 1,723,792 |
| 12 | Legal Fee | 10,000 | _ |
| 13 | Books Distribution to students | _ | _ |
| 14 | Uniform expenses | 87,475 | 124,470 |
| 15 | Amchi tour for herble identification | _ | _ |
| 16 | Medical Reimbursement | 567,444 | 79,820 |
| 17 | Periodicals and Journals | 67,485 | 72,810 |
| 18 | Winter Fuel | 286,805 | 269,252 |
| 19 | Educational Tour | 550,000 | 656,800 |
| 20 | Hostel Fuel | 540,145 | 457,279 |
| 21 | Medical Expenses | 150,000 | 122,763 |
| 22 | Medicine Consumed | 168,358.72 | 173,401 |
| 23 | Annual Function | 140,000 | 89,330 |
| 24 | Preparation of main gate | | _ |
| 25 | Fule for Generator Set | 87,588 | 143,954 |
| 26 | DPS Expenditure | 949,185 | 981,475 |
| 27 | Bank Charges | 475.32 | 141 |
| Tota | al | 8,171,353 | 10,448,581 |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





SCHEDULE 9

CENTRAL INSTITUTE OF BUDDHIST STUDIES, CHOGLAMSAR, LEH (LADAKH)

Significant Accounting Policies and Notes to the Accounts

Significant Accounting Policies

- **a.** Basis of Preparation of Financial Statements—The Financial Statements have been prepared in accordance with the Accounting Standards specified by the Institute of Chartered Accountants in India.
- **b.** Accounting Convention and Revenue Recognition—The Financial Statements have been prepared by following cash method of accounting.
- **c. Depreciation**—Depreciation has been charged as per rates provided in the Income Tax Act, 1961 on the WDV appearing in books and subsequent improvement thereto.
- d. Inventories—Inventories are valued at cost price.
- e. Investments—Investment is valued at cost price.
- **f. Transaction in Foreign Currency**—There are no transactions in foreign currency during the year.
- g. Retirement Benefits
 - i. Gratuity—Shri Tsering Mutup, Guard Commander, Shri Tsewang Norbu, Peon, and Smt. Tsering Palmo, Peon was retired from their service and Gratuity has been made and paid to them during the year.
 - **ii. Leave Encashment**—Shri Tsering Mutup, Guard Commander, Shri Tsewang Norbu, Peon, and Smt. Tsering Palmo, Peon was retired from their service and Encashment of leave was made and paid to them during the year.
 - iii. Pension—No Pension Fund has been made during the year.
- h. Prior Period Adjustment, Extraordinary items and Changes in Accounting Policy—Prior Period Adjustments, Extraordinary items and Changes in Accounting Polices having material impact on the financial affairs of the Institute are disclosed.
- i. Contingencies Liability—There are no contingencies liabilities during the year.

SCHEDULE 10

Notes to Accounts

- **a.** The figures of previous year have been regrouped/re-casted, wherever considered necessary to make them comparable with those of the current year.
- **b.** Advances, Sundry Debtors, are subject to confirmation.





Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh) Bank Reconciliation Statement as on 31-03-2017

| Less: Cheque issued but presented later Vide cheque No. 011856 29-03-2017 11,014 Vide cheque No. 011857 29-03-2017 41,500 Vide cheque No. 011859 29-03-2017 186,317 Vide cheque No. 011863 29-03-2017 115,000 Vide cheque No. 011864 29-03-2017 88,287 Vide cheque No. 011865 29-03-2017 8,860 Vide cheque No. 011865 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011888 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011884 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011885 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011884 31-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | 12,058,814 | | Balance as per Bank Statement | | |
|--|------------|-----------|-------------------------------|-----------------------------|--|
| Vide cheque No. 011856 29-03-2017 11,014 Vide cheque No. 011857 29-03-2017 41,500 Vide cheque No. 011859 29-03-2017 186,317 Vide cheque No. 011863 29-03-2017 115,000 Vide cheque No. 011864 29-03-2017 88,287 Vide cheque No. 011865 29-03-2017 8,860 Vide cheque No. 011884 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011882 | | | sented later | Less: Cheque issued but pre | |
| Vide cheque No. 011859 29-03-2017 186,317 Vide cheque No. 011863 29-03-2017 115,000 Vide cheque No. 011864 29-03-2017 88,287 Vide cheque No. 011865 29-03-2017 8,860 Vide cheque No. 011884 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,240 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 475,200 Vide cheque No. 0 | | 11,014 | | - | |
| Vide cheque No. 011863 29-03-2017 115,000 Vide cheque No. 011864 29-03-2017 88,287 Vide cheque No. 011865 29-03-2017 8,860 Vide cheque No. 011884 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 0 | | 41,500 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011857 | |
| Vide cheque No. 011864 29-03-2017 88,287 Vide cheque No. 011865 29-03-2017 8,860 Vide cheque No. 011884 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque | | 186,317 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011859 | |
| Vide cheque No. 011865 29-03-2017 8,860 Vide cheque No. 011884 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011879 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 ្> | | 115,000 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011863 | |
| Vide cheque No. 011884 29-03-2017 19,400 Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011879 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011880 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 88,287 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011864 | |
| Vide cheque No. 011867 29-03-2017 18,253 Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011889 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 8,860 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011865 | |
| Vide cheque No. 011869 29-03-2017 740,581 Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 19,400 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011884 | |
| Vide cheque No. 011871 29-03-2017 6,739 Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 18,253 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011867 | |
| Vide cheque No. 011872 29-03-2017 15,160 Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011889 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 740,581 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011869 | |
| Vide cheque No. 011873 29-03-2017 3,861 Vide cheque No. 011874 29-03-2017 1,200 Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 6,739 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011871 | |
| Vide cheque No. 01187429-03-20171,200Vide cheque No. 01187529-03-20171,345Vide cheque No. 01187729-03-2017850Vide cheque No. 01187829-03-20176,690Vide cheque No. 01187929-03-2017128,400Vide cheque No. 01188029-03-2017728,500Vide cheque No. 01188129-03-2017557,342Vide cheque No. 01188229-03-20172,400,000Vide cheque No. 01188329-03-20171,249,624Vide cheque No. 01188630-03-2017446,700Vide cheque No. 01188731-03-2017475,200Vide cheque No. 01188831-03-20172,000,000Vide cheque No. 01184013-02-20172,760 | | 15,160 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011872 | |
| Vide cheque No. 011875 29-03-2017 1,345 Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011879 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 3,861 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011873 | |
| Vide cheque No. 011877 29-03-2017 850 Vide cheque No. 011878 29-03-2017 6,690 Vide cheque No. 011879 29-03-2017 128,400 Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 1,200 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011874 | |
| Vide cheque No. 01187829-03-20176,690Vide cheque No. 01187929-03-2017128,400Vide cheque No. 01188029-03-2017728,500Vide cheque No. 01188129-03-2017557,342Vide cheque No. 01188229-03-20172,400,000Vide cheque No. 01188329-03-20171,249,624Vide cheque No. 01188630-03-2017446,700Vide cheque No. 01188731-03-2017475,200Vide cheque No. 01188831-03-20172,000,000Vide cheque No. 01184013-02-20172,760 | | 1,345 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011875 | |
| Vide cheque No. 01187829-03-20176,690Vide cheque No. 01187929-03-2017128,400Vide cheque No. 01188029-03-2017728,500Vide cheque No. 01188129-03-2017557,342Vide cheque No. 01188229-03-20172,400,000Vide cheque No. 01188329-03-20171,249,624Vide cheque No. 01188630-03-2017446,700Vide cheque No. 01188731-03-2017475,200Vide cheque No. 01188831-03-20172,000,000Vide cheque No. 01184013-02-20172,760 | | 850 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011877 | |
| Vide cheque No. 011880 29-03-2017 728,500 Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 6,690 | 29-03-2017 | _ | |
| Vide cheque No. 011881 29-03-2017 557,342 Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 128,400 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011879 | |
| Vide cheque No. 011882 29-03-2017 2,400,000 Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 728,500 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011880 | |
| Vide cheque No. 011883 29-03-2017 1,249,624 Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 557,342 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011881 | |
| Vide cheque No. 011886 30-03-2017 446,700 Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 2,400,000 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011882 | |
| Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 1,249,624 | 29-03-2017 | Vide cheque No. 011883 | |
| Vide cheque No. 011887 31-03-2017 475,200 Vide cheque No. 011888 31-03-2017 2,000,000 Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 446,700 | 30-03-2017 | Vide cheque No. 011886 | |
| Vide cheque No. 011840 13-02-2017 2,760 | | 475,200 | 31-03-2017 | - | |
| | | 2,000,000 | 31-03-2017 | Vide cheque No. 011888 | |
| Balance as per cash book | 9,253,583 | 2,760 | 13-02-2017 | Vide cheque No. 011840 | |
| Daintee no per enon book | 2,805,231 | | | Balance as per cash book | |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants





Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh) CP Fund Account for the year ended 31-03-2017

| 1 | mou | L | : | ₹ |
|---|-----|----|-----|---|
| A | mou | пt | 111 | ~ |

| | 189,246,612 | | 189,246,612 |
|-------------|---|--|---|
| | 13,007,707 | (To be adjusted) | 17,130,310 |
| | 13 087 909 | Amount receivable | 17,158,310 |
| 176,158,703 | 176,158,703 | Interest Accrued | 5,642,029 |
| 19,869,270 | | Fixed Deposits (Schedule A) | 153,984,109 |
| 196,027,973 | | , | |
| | | • | , |
| 42,214 | | SBI, Leh | 147,501 |
| | | | |
| 30,725,013 | | SBI, Choglamsar A/c No. 11359017448 | 12,314,663 |
| 165,260,746 | | Cash and Bank Balance | |
| | Amount | Particulars | Amount |
| | 30,725,013 42,214 196,027,973 19,869,270 | 30,725,013 42,214 196,027,973 19,869,270 176,158,703 176,158,703 13,087,909 | 165,260,746 30,725,013 SBI, Choglamsar A/c No. 11359017448 42,214 SBI, Leh A/c No. 10942161688 196,027,973 19,869,270 Fixed Deposits (Schedule A) 176,158,703 176,158,703 Interest Accrued 13,087,909 Amount receivable (To be adjusted) |

Sd/-Adminstrative Officer Sd/-CA. Varun Soni For B.R. Sobti & Co. Chartered Accountants

